श्र्मा হাৰ্ডৱেৰ
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947
70025-06581

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in

हिंदी दैनिक

गुवाहाटी, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

विकसित भारत समाचार

वर्ष : 09 | अंक : 199 | गुवाहाटी | शनिवार, 11 फरवरी, 2023 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 12 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

लोस चुनाव में कोकराझाड़-मंगलदै से उतारेंगे उम्मीदवार : महिलारी पेज 3
प्रधानमंत्री का छह महीने में राजस्थान में पांचवां कार्यक्रम, 12 को... पेज 4
ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट को लेकर कानपुर में वाहनों के आवागमन में प्रतिबंध पेज 5
राजस्थान विधानसभा में छह मिनट तक पिछला बजट भाषण पढ़ते रहे मुख्यमंत्री... पेज 8

পূৰ্বাঞ্চল কেশৰী
(অসমীয়া দৈনিক)
PURVANCHAL KESARI
(ASSAMESE DAILY)
GOOD LUCK PUBLICATIONS
House No. 30, D. Neog Path,
ABC, Guwahati - 781005
Mob: 94350 14771, 97070 14771

door graph
Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

सुप्रभात

विचार ना करके कार्य करने वाले व्यक्ति को लक्ष्मी त्याग देती है।
– आचार्य चाणक्य

हिंडनबर्ग रिपोर्ट : एससी ने सेबी से 13 तक मांगा जवाब

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने हिंडनबर्ग रिपोर्ट से संबंधित याचिकाओं पर सोमवार, 13 फरवरी तक सेबी से जवाब मांगा है। शीर्ष अदालत ने सेबी से कोर्ट को यह बताने के लिए कहा है कि भविष्य में निवेशकों की सुरक्षा कैसे सुनिश्चित की जाए और मौजूदा ढांचा क्या है। कोर्ट ने यह भी कहा कि सेबी बताए कि नियामक ढांचे को कैसे मजबूत किया जाए। सुप्रीम कोर्ट का कहना है कि सेबी की प्रतिक्रिया में मौजूदा नियामक ढांचा शामिल है और निवेशकों की सुरक्षा के लिए एक मजबूत तंत्र स्थापित करने की आवश्यकता है। बता दें कि हिंडनबर्ग-अदाणी मामले में शीर्ष अदालत ने भारतीय निवेशकों को हुए लाखों करोड़ रुपये के नुकसान पर चिंता जताई है। अदालत ने भविष्य में ऐसी स्थिति से बचने के लिए व्यवस्था में सुधार के लिए सेबी से सुझाव मांगे हैं। उसने एक विशेषज्ञ कमिटी बनाने का भी संकेत दिया। अगली सुनवाई 13 फरवरी को होगी। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को कहा कि निवेशकों के हितों की रक्षा के लिए एक मजबूत नियामक ढांचे की आवश्यकता है और अगर केंद्र सहमत होता है, तो नियामक सुधारों का सुझाव देने के लिए एक समिति गठित की जा सकती है। सुप्रीम कोर्ट ने हिंडनबर्ग रिसर्च रिपोर्ट की जांच के लिए शीर्ष अदालत के एक सेवानिवृत्त न्यायाधीश की निगरानी में एक समिति गठित करने के निर्देश की मांग वाली याचिका पर सुनवाई करते हुए यह बात कही, जिसके परिणामस्वरूप अदाणी समूह की कंपनी के शेयर की कीमतें गिर गईं और छोटे निवेशकों को भारी नुकसान हुआ। सुनवाई के दौरान, पीठ ने कहा कि वास्तव में हमें परेशान करने वाली बात यह है कि हम भारतीय निवेशकों के हितों की रक्षा कैसे करें ? प्रधान न्यायाधीश डी. वाई. चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति पी.एस. नरसिम्हा और जेबी पारदीवाला ने अपने आदेश में कहा कि अदालत ने सेबी का प्रतिनिधित्व कर रहे सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता को संकेत दिया है कि देश के भीतर नियामक तंत्र को विधिवत मजबूत करने के संबंध में इसकी चिंता है, ताकि भारतीय निवेशकों को अचानक अस्थिरता से बचाया जा सके। पीठ ने कहा कि सेबी की प्रतिक्रिया में प्रासंगिक कारक शामिल हो सकते हैं और निवेशकों की सुरक्षा के लिए एक मजबूत तंत्र स्थापित करने की आवश्यकता है। पीठ ने आगे कहा कि यदि केंद्र सुझाव को स्वीकार करने के लिए तैयार है, तो समिति की आवश्यक सिफारिश की जा सकती है और सॉलिसिटर जनरल द्वारा कानूनी और तथ्यात्मक मैट्रिक्स पर एक संक्षिप्त नोट सोमवार तक दाखिल किया जा सकता है। मेहता ने शीर्ष अदालत को आश्वासन दिया कि हिंडनबर्ग रिपोर्ट के मद्देनजर सेबी ने स्थिति पर बारीकी से नजर रखी है। दलीलें सुनने के बाद शीर्ष अदालत ने सोमवार को सुनवाई तय करते हुए सेबी को नियामक व्यवस्था और हिंडनबर्ग रिपोर्ट विवाद के मद्देनजर उठाए गए कदमों पर जवाब देने को कहा। अधिवक्ता विशाल तिवारी और एम.एल. शर्मा ने हिंडनबर्ग विवाद के संबंध में दो अलग-अलग याचिकाएं दायर की हैं।

मणिपुर में दो बम धमाके : एक की मौत, सात घायल

इंफाल। मणिपुर में भारत-म्यांमार सीमा पर मोरेह शहर के पास दो उच्च तीव्रता वाले बम विस्फोटों की सूचना मिली है। इन धमाकों में एक उग्रवादी की मौत हो गई, जबकि सात अन्य घायल हो गए हैं। रिपोर्टों के अनुसार, दोहरा बम विस्फोट म्यांमार की सीमा के अंदर हुआ है, अंतर्राष्ट्रीय सीमा के 150 मीटर अंदर हुआ। मणिपुर भारत-म्यांमार के साथ अंतर्राष्ट्रीय सीमा साझा करता है। जानकारी के मुताबिक इन विस्फोटों के बाद मणिपुर में -शेष पृष्ठ दो पर

भाजपा प्रवक्ता और भाजयुमो पदाधिकारी के साथ मारपीट

इंफाल। इंफाल पश्चिम जिले के लाम्फेल इलाके में अज्ञात बदमाशों ने भाजपा की मणिपुर इकाई के एक प्रवक्ता और भारतीय जनता युवा मोर्चा (भाजयुमो) के एक पदाधिकारी पर हमला किया। मायांगलामबम सुरेश कुमार गुरुवार की रात भाजयुमो के कार्यालय सचिव एलेक्स निंगोमबम के साथ घर लौट रहे थे, उसी दौरान बदमाशों ने दोनों को रोका और उन पर हमला कर दिया। बदमाशों के पास बंदूकें थीं। घटना को अंजाम देने के बाद हमलावर चार पहिया वाहन से मौके से फरार हो गए। एक पुलिस अधिकारी ने कहा कि सुरेश कुमार की -शेष पृष्ठ दो पर

नगालैंड चुनाव : एक भाजपा उम्मीदवार का निर्विरोध जीतना तय

कोहिमा (हि.स.)। नगालैंड के 31-एसी अकुलुतो (अनुसूचित जनजाति) निर्वाचन क्षेत्र से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के उम्मीदवार काज़्हेतो किनिमी का निर्विरोध चुनन तय हो गया। उनके खिलाफ सभी उम्मीदवारों ने अपना नामांकन वापस ले लिया है। नॉर्थ-ईस्ट डेमोक्रेटिक अलायंस (नेडा) के संयोजक और असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने शुक्रवार को अपने आधिकारिक ट्विटर हैंडल पर यह खबर साझा की है। राज्य में 60 सीटों वाली नगालैंड विधानसभा चुनाव के लिए 27 फरवरी को मतदान होना है। चुनाव में नामांकनपत्र जमा करने की अंतिम तिथि 7 फरवरी थी। 8 फरवरी को नामांकन पत्रों की जांच हुई। 10 फरवरी नामांकन पत्र वापस -शेष पृष्ठ दो पर

न्यूज गैलरी

सत्य की परख के लिए अध्यात्म जरूरी : भागवत

भागलपुर (हि.स.)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत ने शुक्रवार को कहा कि सत्य की परख करने के लिए अध्यात्म का ज्ञान जरूरी है। सामान्य लोग अहंकार के सहारे ही अपना जीवन जीते हैं, लेकिन अहंकार किसी के लिए भी ठीक नहीं हैं। मैं ही सबकुछ हूं, ऐसा सोचना गलत है। डॉ. भागवत बिहार के भागलपुर जिले के कुप्पाघाट स्थित महर्षि मेंही आश्रम के उद्घाटन समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने देश के युवाओं से भारत मां के सम्मान में अपना समय देने की अपील की। इस दौरान डॉ. भागवत ने सौंदर्यीकृत सद्गुरु निवास का उद्घाटन भी किया। इसके -शेष पृष्ठ दो पर

जम्मू-कश्मीर में लीथियम का भंडार

नई दिल्ली (हि.स.)। देश में पहली बार केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर में 59 लाख टन लीथियम का भंडार मिला है। भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (जीएसआई) को राज्य के रियासी जिले के सलाल-हैमाना क्षेत्र में खोज के दौरान लीथियम मिला है। खनन मंत्रालय ने यह जानकारी दी है। खनन मंत्रालय की तरफ से जारी बयान के मुताबिक भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण विभाग ने जम्मू-कश्मीर में रियासी जिले के सलाल-हैमाना क्षेत्र में 5.9 मिलियन -शेष पृष्ठ दो पर

रास : वीडियो बनाने पर निलंबित

नई दिल्ली (हि.स.)। राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ ने शुक्रवार को कांग्रेस सांसद रजनी पाटिल को सदन की कार्यवाही का वीडियो सोशल मीडिया में प्रसारित करने के लिए शेष बचे बजट सत्र से निलंबित कर दिया। राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ ने कहा कि पहले भी इस तरह के मामले प्रकाश में आ चुके हैं, जिन पर पूर्व सभापति ने चेतावनी दी थी। ऐसे में एक संदेश देने के लिए सख्त कार्रवाई की जा रही है। रजनी पाटिल के निलंबन पर विशेषाधिकार समिति की रिपोर्ट -शेष पृष्ठ दो पर

नाबालिग गर्भवती लड़की की मौत के बाद गरमाई सियासत

गुवाहाटी। असम में एक 16 वर्षीय गर्भवती विवाहित लड़की की मृत्यु होने के बाद राजनीति गरमा गई है। कांग्रेस ने भाजपा पर इस मामले में जमकर हमला किया है। कांग्रेस नेता गौरव गोगोई ने शुक्रवार को असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा पर राज्य में बाल विवाह के खिलाफ अभियान चलाने के लिए नाराजगी जाहिर की। उन्होंने गर्भवती लड़की की मौत के लिए राज्य सरकार को दोषी ठहराया है। असम के बगाईगांव जिले में गर्भवती लड़की की अस्पताल में मौत होने की बात सामने आई है। मामले पर ट्विटर करते हुए -शेष पृष्ठ दो पर

शिक्षक भर्ती घोटाला : 1911 कर्मचारियों की नौकरी हाईकोर्ट ने ली

कोलकाता। पश्चिम बंगाल शिक्षक भर्ती घोटाला मामले में कलकत्ता हाई कोर्ट से शुक्रवार को बड़ा फैसला आया। हाई कोर्ट के न्यायाधीश अभिजीत गंगोपाध्याय ने स्कूल सर्विस कमीशन (एसएससी) को ग्रुप *डी* के 1,191 अनुशंसा पत्रों को तुरंत वापस लेने का निर्देश दिया। न्यायाधीश ने कहा कि मेरा मानना है कि इन सभी उम्मीदवारों की अवैध भ्रष्टाचार द्वारा सिफारिश की गई थी। एसएससी के वकील ने शुक्रवार को कोर्ट में माना कि ग्रुप-डी के 1,911 उम्मीदवारों की भर्ती गलत तरीके से की गई थी। जांच के बाद आयोग ने कोर्ट के हलफनामे में माना कि उन अभ्यर्थियों की उत्तर पुस्तिकाओं (ओएमआर शीट्स) में छेड़छाड़ कर नौकरी के अनुशंसा पत्र दिए गए थे। कोर्ट के आदेश के बाद एसएससी की ओर से अधिसूचना जारी कर इन आरोपियों की नौकरी रद्द करने का आदेश दिया गया। सुनवाई के दौरान ही कोर्ट ने जानना चाहा कि उस समय एसएससी का अध्यक्ष कौन था। इस पर वकील ने कोर्ट ने बताया कि सुबीरेश भट्टाचार्य। कोर्ट का निर्देश मिलते ही वेबसाइट पर नोटिस देकर उन अभ्यर्थियों की अनुशंसा वापस ले ली गई। सुनवाई के दौरान न्यायाधीश ने कहा कि मैं सुबिरेश भट्टाचार्य को निर्देश देता हूं, जिनके कहने पर इतनी अवैध नियुक्तियां की गई हैं, उनके नाम तुरंत दें। उनके नाम सामने आने चाहिए, जो इस भ्रष्टाचार में शामिल हैं। जरूरत पड़ने पर सीबीआई अवैध रूप से भर्ती किए गए लोगों को हिरासत में लेकर -शेष पृष्ठ दो पर

बजट को लेकर सीएम गहलोत की भयंकर भूल

जयपुर। राजस्थान के जलदाय मंत्री महेश जोशी ने पास आकर सीएम के कान में कुछ कहा कि गहलोत ने अपना बजट भाषण रोका और विपक्ष ने हंगामा शुरू कर दिया। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने आज विधानसभा में पुराना बजट भाषण पढ़ दिया। कुछ देर तक वह पुराना बजट पढ़ते रहे, तभी जलदाय मंत्री महेश जोशी ने आकर सीएम के कान में कुछ कहा और वो ठिठक गए। गहलोत का भाषण रुका, तो विपक्ष ने हंगामा शुरू कर दिया। इतिहास में पहली बार ऐसा हुआ है, जब किसी विधानसभा में पुराना बजट -शेष पृष्ठ दो पर

500 में सिलेंडर और 100 यूनिट बिजली फ्री...

जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने लोगों को महंगाई से राहत दिलाने के लिए अगले साल 19,000 करोड़ रुपए का महंगाई राहत पैकेज देने की घोषणा की है। इस पैकेज में गरीब परिवारों को हर माह नि:शुल्क फूड पैकेट, 500 रुपए में रसोई गैस सिलेंडर तथा घरेलू बिजली उपभोक्ताओं को 100 यूनिट तक मुफ्त बिजली शामिल है। इसके साथ ही गहलोत ने जनता के लिए स्वास्थ्य बीमा योजना की अपनी महत्वाकांक्षी *चिरंजीवी स्वास्थ्य बीमा योजना* -शेष पृष्ठ दो पर

निजाम के सांस्कृतिक चिह्न हटाएंगे : भाजपा

हैदराबाद। तेलंगाना में होने वाले आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर राजनीतिक दलों ने अपनी-अपनी कमर कस ली है। इसी बीच भाजपा ने प्रदेश की सत्ता में आने पर निजाम के सांस्कृतिक प्रतीकों को पूरी तरह से हटाने की बात कही है। भाजपा की तेलंगाना इकाई के अध्यक्ष बंदी संजय कुमार ने कहा कि अगर हम प्रदेश की सत्ता में आते हैं, तो नवनिर्मित सचिवालय के गुंबदों समेत सांस्कृतिक प्रतीकों को नष्ट कर देंगे। हम (गुंबदों में) जरूरी बदलाव करेंगे, जो तेलंगाना की संस्कृति को दर्शाएंगे।

सूरज का एक बड़ा हिस्सा अपनी सतह से टूटा, वैज्ञानिक हैरान

नई दिल्ली। सूर्य का एक बड़ा हिस्सा अपनी सतह से टूट गया है और अब एक बवंडर की तरह उसके चारों ओर चक्कर लगा रहा है। इससे साइंटिस्ट हैरान हैं। वह पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं कि यह कैसे हुआ। इस घटना को नासा के जेम्स वेब टेलिस्कोप ने रिकॉर्ड किया है। इस वीडियो को पिछले हफ्ते स्पेस वेदर फोरकास्टर डॉ. तमिता स्कोव ने ट्विटर पर शेयर किया था। सूरज से सोलर फ्लेयर्स (हाई एनर्जी रेडिएशन) निकलती रहती हैं। इससे धरती पर कम्युनिकेशन पर असर पड़ता है, इसलिए वैज्ञानिकों को चिंता सता रही है कि इस बार तो सूर्य का एक हिस्सा टूट कर अलग हुआ है। साइंटिस्ट ये समझने की कोशिश कर रहे हैं कि इस लेटेस्ट डेवलपमेंट का धरती पर क्या असर होगा। डॉ. स्कोव ने ट्वीट में लिखा कि भंवर के बारे में बात -शेष पृष्ठ दो पर

विद्यार्थियों को स्मार्ट बनाने के लिए पुकार रहा गोयनका पब्लिक स्कूल

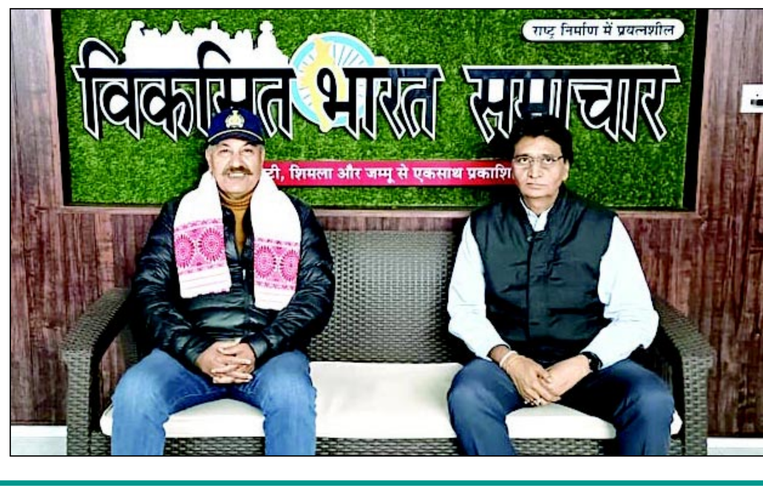

गुवाहाटी। गोयनका पब्लिक स्कूल (जीपीएस) लक्ष्मणगढ़, सीकर (राजस्थान) के ग्रुप कैप्टन राजेश मोहन (रिटायर्ड भारतीय वायु सेना) और डाक्टर राजेश आचार्य, समन्वयक आज विकसित भारत समाचार कार्यालय पहुंचे और विकसित भारत समाचार के संपादक राकेश शर्मा से मुलाकात की और उनसे स्कूल में विद्यार्थियों को स्कूल में भिजवाने का अनुरोध किया। संपादक श्री शर्मा ने कहा कि विद्यार्थियों को समुचित शिक्षा उपलब्ध कराना पुनीत कार्य है। इसमें वे उनका यथासंभव सहयोग करेंगे। यहां पर उल्लेखनीय है कि गोयनका पब्लिक स्कूल, लक्ष्मणगढ़, सीकर के प्रिंसिपल कैप्टन राजेश मोहन और डाक्टर राजेश आचार्य बीते बुधवार से 12 तक के एडमिशन के सिलसिले में असम दौरे पर हैं। वे 12 फरवरी तक गुवाहाटी में रहेंगे। उन्होंने बताया कि बताया कि वे स्वयं अपनी स्कूल की प्रशिक्षित टीम व सदस्यों के साथ दौरे पर हैं और इस दौरान गोयनका पब्लिक स्कूल में अध्ययन कर रहे असम व आसपास के क्षेत्रों के छात्रों के परिजनों से व्यक्तिगत रूप से मुलाकात करेंगे। इसके साथ ही आगामी 12 फरवरी तक आसपास विभिन्न स्थानों पर छात्र-छात्राओं के लिए कॅरियर काउंसलिंग एवं स्पॉट एडमिशन के कैंप भी आयोजित किए जाएंगे। गोयनका पब्लिक स्कूल, लछमणगढ़, केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, नई दिल्ली से संबद्धता प्राप्त प्राथमिक स्तर -शेष पृष्ठ दो पर

बीबीसी पर पूर्ण प्रतिबंध को लेकर याचिका खारिज

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने भारत में ब्रिटिश ब्रॉडकास्टिंग कॉरपोरेशन (बीबीसी) पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने की मांग करने वाली याचिका शुक्रवार को यह कहते हुए खारिज कर दी कि यह पूरी तरह मिथ्या विचार है। जस्टिस संजीव खन्ना और जस्टिस एमएम सुंदरेश की पीठ ने हिंदू सेना के अध्यक्ष विष्णु गुप्ता और एक किसान बीरेंद्र कुमार सिंह की याचिका पर सुनवाई करते हुए यह आदेश पारित किया। कोर्ट ने याचिकाकर्ता से पूछा कि आप बीबीसी पर पूरी तरह से प्रतिबंध की मांग कर रहे हैं ये कैसे संभव है? वहीं याचिकाकर्ता की तरफ से वकील पिंकी आनंद ने कहा की बीबीसी देश की छवि खराब करना चाहता है। हिंदू सेना के अध्यक्ष विष्णु गुप्ता और एक किसान बीरेंद्र कुमार सिंह ने -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

NAME CHANGE

I, Khushbu Kumari, W/O– Arvind Kumar Singh, Army no – 14670254H, Rank- HAV, Vill+P.O- Oriaha, P.S- Barhara, Kotia, Dist- Purnia, State- Bihar, Pin-854203. In my husband Servive record my name recorded as Khushbu Devi instead of Khushbu Kumari that Khushbu Devi and Khushbu Kumari is one and same person. Vide affidavit before Notary Public Dhamdaha, Bihar on 07/10/2022

त्रिपुरा विस चुनाव में भाजपा के प्रदर्शन का दारोमदार सीएम माणिक साहा पर

नई दिल्ली। त्रिपुरा में विधानसभा चुनाव 16 फरवरी को होने हैं। राज्य की 60 सदस्यीय विधानसभा के लिए यह चुनाव हो रहे हैं। वामपंथी गढ़ में सेंध लगाकर साल 2018 के विधानसभा चुनाव में पहली बार जीत हासिल करने वाली भाजपा अपनी सत्ता बरकरार रखने के लिए जोर लगा रही है. इस चुनाव में भाजपा के प्रदर्शन का सारा दारोमदार मुख्यमंत्री माणिक साहा पर है जो कि भाजपा की राज्य इकाई के अध्यक्ष भी हैं। साहा ने भाजपा में प्रवेश से लेकर मुख्यमंत्री बनने तक का सफर सिर्फ छह साल में पूरा किया। मई 2022 में त्रिपुरा के मुख्यमंत्री बने डॉ. माणिक साहा को तत्कालीन सीएम बिप्लब कुमार देब के इस्तीफे के कुछ घंटे बाद ही पार्टी ने अगला मुख्यमंत्री घोषित कर दिया था। डॉ. माणिक साहा ने 15 मई 2022 को मुख्यमंत्री पद की शपथ ली थी। उन्होंने राज्य के 11वें सीएम के रूप में

शपथ ली थी। भाजपा ने इस उत्तर-पूर्वी राज्य में विधानसभा चुनाव से एक साल से भी कम समय पहले उनको मुख्यमंत्री बनाया था। डॉ. साहा को मुख्यमंत्री बनने से एक माह पहले ही राज्यसभा सांसद चुना गया था। मुख्यमंत्री बनाए जाने के बाद उन्होंने राज्यसभा की सदस्यता छोड़ दी थी। साल 2020 में उन्हें त्रिपुरा में पार्टी प्रमुख बनाया गया था। माणिक साहा सन 2016 में भाजपा में शामिल हुए थे। इससे पहले वे कांग्रेस में थे। भाजपा से जुड़ने के बाद उन्हें बूथ प्रबंधन समिति और राज्य स्तरीय सदस्यता अभियान के प्रभारी का जिम्मा सौंपा गया था। माणिक साहा का जन्म आठ जनवरी 1953 को अगरतला में हुआ था। 70 साल के माणिक साहा पेशे से ओरल एंड मेक्सिलोफेशियल सर्जन हैं। उन्होंने किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी, पटना डेंटल कॉलेज एंड हॉस्पिटल से मेडिकल की शिक्षा प्राप्त की थी। मुख्यमंत्री डॉक्टर माणिक साहा इस बार फिर चुनाव मैदान में हैं। वे 13.90 करोड़ रुपए की संपत्ति के साथ राज्य के दूसरे सबसे धनी उम्मीदवार हैं।

अवैध रूप से कोयला लेकर जा रहे दो ट्रक जब्त, तीन गिरफ्तार

गोलाघाट (हि.स.)। कोयला तस्करी के खिलाफ गोलाघाट के फोरकटिंग में पुलिस ने अवैध रूप से कोयला लेकर जा रहे दो ट्रकों को जब्त कर तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस सूत्रों ने शुक्रवार को बताया है कि गुरुवार देर रात चेकिंग के दौरान पुलिस ने दो ट्रकों को मेरापानी के सरुपानी से कोयला लेकर मणिपुर की ओर जाते समय रोका और कागजात मांगें, दोनों ट्रकों के चालक कोई वैध कागजात नहीं दिखा सके। पुलिस ने दोनों ट्रकों का जब्त कर संतोष कुमार, गोपाल रॉय और जितेंद्र कुमार यादव को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस गिरफ्तार तीनों लोगों से पूछताछ कर रही है। पुलिस को संदेह है कि लाटू नाम का एक व्यक्ति कोयले की तस्करी में शामिल है।

रंजीत बोरा हत्याकांड : मुख्य आरोपी शाह आलम ने हवालात में की आत्महत्या की कोशिश

गुवाहाटी (हि.स.)। पूर्वी डेयरी के वितरक रंजीत बोरा की हत्या मामले में मुख्य आरोपी शाह आलम तालुकदार ने दिसपुर थाने के लॉकअप में खुदकुशी करने की कोशिश की। दरअसल, गुवाहाटी पुलिस ने शाह आलम तालुकदार को कामरूप (ग्रामीण) जिला के हाजो इलाके से बीते 5 फरवरी को गिरफ्तार किया था। उस दिन उसके एक अन्य सहयोगी को गुवाहाटी के सतगांव के सुजल अली को भी गिरफ्तार किया गया था। कोर्ट से शाह आलम तालुकदार एक सप्ताह की पुलिस रिमांड पर था। पुलिस सूत्रों के शाह आलम शुक्रवार सुबह थाने के शौचालय गया और उसने शौचालय के अंदर कमोड के टूटे टुकड़े से हाथ काटने की कोशिश की। संदेह होने पर पुलिस दरवाजा खोलकर शौचालय में घुस गई, उसे लहूलुहान अवस्था में बचाया और अस्पताल ले गई। बताया गया है कि उसकी स्थिति नाजुक बनी हुई है। उल्लेखनीय है कि असम के प्रमुख डेयरी कंपनी पूर्वी डेयरी के डिस्ट्रीब्यूटर रंजीत बोरा की पिछले वर्ष 21 नवंबर की दोपहर करीब 12 बजे पांजाबाड़ी इलाके में एक हमलावर ने गोली मारकर हत्या कर दी थी। पुलिस ने रंजीत बोरा हत्याकांड के मुख्य आरोपी शाह आलम तालुकदार और उसके एक अन्य साथी सतगांव, गुवाहाटी के सुजल अली को गिरफ्तार कर किया था। पुलिस ने उसके कोर्ट में पेश कर एक हफ्ते की पुलिस रिमांड पर लेकर पूछताछ के लिए थाने में रखा था। पुलिस के अनुसार शाह आलम पिछले 10 साल से गुवाहाटी में रह रहा था। वह पांजाबाड़ी इलाके में किराए के मकान में रहता था। शाह आलम का छह सदस्यों का एक क्रिनाल गिरोह है। सुजल अली उसका दाहिना हाथ है। छह सदस्यीय गिरोह ने गुवाहाटी सहित राज्य के विभिन्न हिस्सों में आपराधिक गिरोह बनाए। शाह आलम और सुजल अली के नेतृत्व में इस गिरोह के अन्य सदस्य क्रमश: जयदेव महंत, जीतुमणि बर्मन और हरेन पटगिरी हैं। पुलिस जांच के लिए इस मामले से जुड़े अन्य तथ्यों का अभी खुलासा नहीं कर रही है। पुलिस की पूछताछ में दोनों ने स्वीकार किया कि रंजीत बोरा को मारने के लिए हीरो बाइक और 9एमएम की पिस्टल का इस्तेमाल किया था। इस मामले में विशेष जांच दल (एसआईटी) जांच कर रही है।

14 फरवरी को नहीं मनेगा काउ हग डे, मंत्रालय ने वापस लिया फैसला

नई दिल्ली। एनिमल वेलफेयर बोर्ड ऑफ इंडिया ने 14 फरवरी को काउ हग डे के तौर पर मनाए जाने की अपील को वापस ले लिया है। बता दें बोर्ड ने इस पहले लोगों से काउ हग डे मनाने की अपील की थी, जिसके बाद इसे मंजूरी दे दी गई थी। इस फैसले के आने के बाद लोगों ने सोशल मीडिया पर जमकर मीम्स बनाया था। बढ़ते बवाल के बीच मंत्रालय ने हस्तक्षेप करके इस आदेश को वापस ले लिया है। सोशल मीडिया पर इसके पक्ष में कुछ लोगों ने यह दलील दी थी जैसे कुत्ते, बिल्लियां को पालने से उसके हग करने से तनाव से मुक्ति मिलती है। वैसे ही गाय को भी हग करने से सुकून मिलता है। वहीं कुछ लोगों का कहना था कि ये जानबूझकर लोगों को परेशान करने के लिए किया जा रहा है। बता दें मंत्रालय के आदेश के बाद पशु कल्याण बोर्ड ने एक नोटिस जारी कर काउ हग डे को वापस लेने का एलान कर दिया। बोर्ड ने प्रेस रिलीज जारी कर कहा है कि केंद्रीय मत्स्य पालन और पशुपालन मंत्रालय के निर्देश के बाद 14 फरवरी को मनाए जाने वाले काउ हग डे के फैसले को वापस लेने का आदेश जारी किया जाता है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार बृहस्पतिवार को केंद्रीय मंत्री पुरुषोत्तम रूपाला ने कहा कि अच्छा होगा अगर लोग 14 फरवरी को काउ हग डे (गाय को गले लगाने के दिवस) के रूप में मनाएं।

खुंगरिंग साप्ताहिक बाजार में दो लाख की लूट

चिरांग (हि.स.)। चिरांग जिले के भारत-भूटान सीमावर्ती रुनीखाता थानांतर्गत खुंगरिंग साप्ताहिक बाजार में शुक्रवार की सुबह एक व्यापारी से दो लाख रुपए लूट लिए गए। कृषि उपज खरीदने तड़के पहुंचे व्यापारी से बदमाशों ने हथियार दिखाकर दो लाख से अधिक रुपए लूटे और फरार हो गए। बताया गया कि बसुगांव कस्बे की नई बस्ती के छोटे व्यापारी बादल साहा और बाबू साहा खुंगरिंग स्थित साप्ताहिक बाजार जा रहे थे।

गुवाहाटी में ओप्पो रेनो 8टी 5जी लांच

गुवाहाटी। अग्रणी स्मार्टफोन निर्माता कंपनी ओप्पो ने असम सहित पूर्वोत्तर के बाजार में ओप्पो रेनो 8टी 5जी मोबाइल को लांच किया। इस मौके पर जानी मानी अभिनेत्री दिगंगना बोरा ने जीएस रोड के सिटी सेंटर मे तीसरे तल्ले स्थित ओप्पो के एक्सक्लूसिव शोरूम में ओप्पो रेनो 8टी 5जी मोबाइल को लांच किया। इस दौरान कंपनी के जोनल सेल्स मैनेजर अनीशुज जमान, शोरूम और एलएफआर हेड संदीप चौधरी सहित ओप्पो शोरूम की पुरी टीम उपस्थिति थी। लांच के अवसर पर अभिनेत्री दिगंगना बोरा ने कहा कि ओप्पो हमेशा स्मार्ट फोन और आईओटी उत्पादों में सबसे पसंदीदा, अभिनव और स्टाइलिश ब्रांड में से एक रहा है। इसके अलावा बिक्री के बाद सेवा में भी श्रेष्ठ रहा है। ऐसे में ओप्पो का यह नया फोन ग्राहकों को खुब पसंद आएगा। ओप्पो रेनो 8टी 5जी सनराइज गोल्ड और मिडनाइट ब्लैक में आता है। यह नया फोन यंगस्टर्स, महिलाओं और ग्राहकों के लिए एकदम सही संयोजन है, जो अपने फोन को नवीनतम विनिर्देशों के साथ अपडेट करने की सोच रहे हैं, वे ओप्पो रेनो 8टी 5जी खरीद सकते हैं। मुझे उम्मीद है कि असम और उत्तर-पूर्व राज्यों के लोग इस फोन को काफी पसंद करेंगे। इस अवसर पर जोनल सेल्स मैनेजर अनिशुज जमान ने कहा की ओप्पो रेनो 8टी 5जी उन सभी मूल्यों का प्रतीक है, जो रेनो सीरीज वादा करती है और ओप्पो ने आपको अधिक महत्व देने के लिए बेहतर डिजाइन व तकनीक के साथ सभी पड़ावों को पार कर लिया है। रेनो 8टी में उत्कृष्ट विशेषताएं हैं जैसे 120एचजेड 3डी कर्व्ड स्क्रीन, 108एमपी अल्ट्रा क्लियर पोर्ट्रेट एक्सपर्ट, माइक्रोलेंस 40एक्स मैग्निफिकेशन के साथ, 67डब्लू सुपरवुक टीएम, 4 साल की अतिरिक्त टिकाऊ बैटरी के साथ डुअल स्टीरियो स्पीकर, अल्ट्रा वॉल्यूम मोड से लेस है, जो केवल रु.29999 में उपलब्ध है। शोरूम और एलएफआर प्रमुख संदीप चौधरी ने कहा कि रेनो 8टी 5जी की खरीदारी पर ग्राहक अग्रणी आईसीआईसीआई, कोटक, एसबीआई कार्ड्स से 10% तक का कैशबैक और कई अन्य आकर्षक ऑफर प्राप्त कर सकते हैं। इसके अलावा 6 महीने तक नो कॉस्ट ईएमआई और लो डाउन पेमेंट फाइनेंस ऑफर और आईडीएफसी फर्स्ट बैंक (टी एंड सी) द्वारा 1 (एक) ईएमआई कैश बैक ऑफर पा सकते हैं। इसके अलावा, ओप्पो नए लांच (टीडब्ल्यूएस) आईओटी उत्पाद एनको एयर3 को रेनो 8टी के साथ खरीदने पर आकर्षक बंडलिंग डिस्काउंट दे रहा है। यह ऑफर सीमित समय अवधि के लिए हैं।

A corrigendum is issued in respect of Advertisement dated 19.12.2022 of the District Legal Services Authority, Majuli, for the post of one UDA.

CORRIGENDUM
10.02.2023

It is hereby informed to all concerned that vide advertisement dated 19.12.2022 of the District Legal Services Authority, Majuli had called for applications from eligible candidates for the post of one UDA in the establishment of District Legal Services Authority, Majuli. In that advertisement it was mentioned that the Selection of candidate for the said post will be made through viva voce interview only. However, the Selection Committee in its meeting dated 09.02.2023 unanimously decided to conduct skill test of 20 marks in addition to the viva voce. Further it is made clear that the viva voce interview will carry 30 marks in total.

Inform all concerned.

-- Janasanyog / D/21848/ 22

Secretary
District Legal Services Authority,
Majuli

पृष्ठ एक का शेष

मणिपुर में दो ...

भारतीय सुरक्षा एजेंसियां हाई अलर्ट पर हैं। रिपोर्ट के मुताबिक सागैंग में यह कार्रवाई दो आतंकवादी गुटों के मुख्यालय पर की गई थी, जो मणिपुर के पास म्यांमार क्षेत्र में पड़ता है। इस कार्रवाई में एक भूमिगत समूह के एक आतंकवादी की मौत हो गई, जबकि एक स्वयंभू कर्नल और एक स्वयंभू लेफ्टिनेंट कर्नल सहित सात अन्य घायल हो गए।

भाजपा प्रवक्ता और ...

हालत गंभीर बताई जा रही है। मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह ने घटना की निंदा की है और कहा है कि उनकी सरकार ने दोषियों को पकड़ने के लिए बड़े पैमाने पर अभियान शुरू किया है। भाजपा ने भी सुरेश कुमार और निंगोमबम पर हमले की निंदा की है। इससे पहले, 24 जनवरी की सुबह थौबल जिले में भाजपा नेता लैशराम रामेश्वर सिंह की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। वे भाजपा की राज्य इकाई के पूर्व सैनिक प्रकोष्ठ के संयोजक थे। वारदात को उनके घर के गेट के पास अंजाम दिया गया। पुलिस ने बताया कि अज्ञात व्यक्ति बिना रजिस्ट्रेशन प्लेट वाली एक कार में आए थे। उन्होंने भाजपा नेता पर काफी करीब से गोली चलाई।

नाबालिग गर्भवती लड़की ...

गोगोई ने लिखा कि इस मासूम बच्ची की मौत भाजपा के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा के कारण हुई है। गोगोई ने कहा कि शर्मा के मूर्खतापूर्ण कदम के कारण गर्भवती किशोरियां प्रसव के लिए अस्पतालों में जाने से डर रही हैं। उन्होंने कहा कि बच्चे की मां डर रही है क्योंकि उसके पति को जेल जाना पड़ सकता है। बता दें कि गुरुवार को ही असम कैबिनेट ने बाल विवाह के खिलाफ अभियान के लिए पुलिस की सराहना की और इसे जारी रखने का निर्देश दिया है। गौरतलब है कि राज्य मंत्रिमंडल ने बाल विवाह के लिए 15 दिनों के भीतर पुनर्वास नीति को अंतिम रूप देने के लिए एक कैबिनेट उप-समिति का भी गठन किया। गुवाहाटी में हुई राज्य कैबिनेट की बैठक के दौरान यह निर्णय लिया गया। असम की शर्मा सरकार ने हाल ही में 14 साल से कम उम्र की लड़कियों से शादी करने वाले लड़कों पर पोक्सो एक्ट के तहत मामला दर्ज करने के प्रस्ताव को मंजूरी दी है। इसके साथ ही जिन लोगों ने 14 से 18 साल की लड़कियों से शादी की है, उसपर बाल विवाह निषेध अधिनियम 2006 के तहत केस दर्ज किया जाएगा राज्य मंत्रिमंडल ने बाल विवाह की पीड़ितों के लिए पुनर्वास नीति को अंतिम रूप देने के लिए राज्य के कैबिनेट मंत्री डॉ रानोज पेगू, केशव महंत और अजंता नियोग सहित 3 सदस्यीय कैबिनेट उप-समिति का गठन किया है। कैबिनेट सब-कमेटी द्वारा रिपोर्ट प्रस्तुत करने के बाद राज्य सरकार निर्णय लेगी। असम पुलिस ने राज्य भर में बाल विवाह से जुड़े मामलों में अब तक 2,763 लोगों को गिरफ्तार किया है। असम पुलिस द्वारा साझा किए गए आंकड़ों के अनुसार, होजाई में 216, नागांव में 184, धुबड़ी में 183, बाक्सा में 158, बरपेटा में 146, विश्वनाथ में 140, मोरीगांव में 128, बगाईगांव में 121, हैलाकांदी में 118, 108 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने राज्य भर में बाल विवाह से संबंधित 4135 मामले दर्ज किए हैं।

शिक्षक भर्ती घोटाला : 1911...

पूछताछ कर सकती है। सुनवाई के दौरान शुक्रवार को एसएससी के पूर्व अध्यक्ष सुबीरेश भट्टाचार्य पर न्यायाधीश अभिजीत गंगोपाध्याय ने कड़ा रुख अपनाया। सुबीरेश इसी मामले में इस समय जेल में बंद हैं। कोर्ट ने कहा सुबीरेश भट्टाचार्य, अपने नाम के आगे डॉक्टरेट की डिग्री नहीं लगा सकेंगे। न्यायाधीश अभिजीत गंगोपाध्याय ने ग्रुप डी के 1911 कर्मचारियों के अनुशंसा पत्र को वापस लेने का आदेश देने के साथ ही साफ कर दिया कि जब-तक मामले का निपटारा नहीं हो जाता तब-तक सुबीरेश अपनी डॉक्टरेट डिग्री का इस्तेमाल नहीं कर पाएंगे। न्यायाधीश ने निर्देश दिया कि केंद्रीय बल उनके परिवार की निगरानी करेंगे।

नगालैंड चुनाव : एक ...

लेने की आखिरी तारीख थी। 31-एसी नंबर अकुलुतो (अनुसूचित जनजाति) निर्वाचन क्षेत्र दाखिल सभी नामांकन पत्र उम्मीदवारों ने वापस ले लिए हैं। केवल भाजपा के उम्मीदवार काजहेतो किनिमी मैदान में रह गए हैं। नतीजतन, स्वाभाविक रूप से उनका निर्विरोध चुना जाना तय है। उल्लेखनीय है कि नार्थ-ईस्ट डेमोक्रेटिक अलायंस के संयोजक और असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने नगालैंड के मुख्यमंत्री और नेशनल डेमोक्रेटिक प्रोग्रेसिव पार्टी (एनडीपीपी) के प्रमुख नेफ्यू रियो के साथ गुरुवार को चुमुकेदिमा के न्याथू रिजॉर्ट में चुनावी रणनीति तय करने के लिए एक महत्वपूर्ण बैठक की थी। इसके बाद आज उनके ट्विट को राजनीतिक गलियारों में अहम माना जा रहा है।

बजट को लेकर ...

भाषण पढ़ा गया हो और इस पर जोरदार हंगामे के चलते सदन की कार्यवाही दो बार रोकनी पड़ी। सीएम गहलोत बजट भाषण के लिए जब तीसरी बार खड़े हुए तो माफी मांगी। उन्होंने कहा कि जो कुछ हुआ उसके लिए सॉरी फील करता हूं। विपक्षी सदस्य भारी हंगामा करते हुए सदन के वेल में आ गए थे। विपक्ष ने यह भी आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री ने पुराना बजट पढ़ा है। भारी हंगामे के कारण कार्यवाही स्थगित कर दी गई। इसके बाद मुख्यमंत्री ने मुख्य सचिव ऊषा शर्मा को तलब किया और अफसरों की लापरवाही पर नाराजगी व्यक्त की। दोबारा सदन की कार्रवाई शुरू हुई तो सीएम अशोक गहलोत ने सफाई दी। कहा कि बजट भाषण की इस कॉपी में फर्क हो तो बताइए। एक एक्स्ट्रा पेज लग गया गलती से। मैं एक पेज गलत पढ़ने लग गया। लीक होने का सवाल कहां से आ गया? इस पर भी विपक्ष का हंगामा जारी रहा। भाजपा सीएम के माफी मांगने पर अड़ी रही। सदन की कार्यवाही दोबारा स्थगित करनी पड़ी। राजस्थान में पहली बार बजट भाषण के दौरान सदन की कार्यवाही स्थगित की गई, पहली करीब आधे घंटे के लिए, फिर 15 मिनट के लिए। दैनिक भास्कर ने इसकी पड़ताल की तो सामने आया कि मुख्यमंत्री ने भाषण की शुरुआत की तो वह शेर पिछले भाषण में नहीं था, लेकिन इंदिरा गांधी शहरी रोजगार गारंटी योजना की घोषणा पिछले साल ही की गई थी। जब गहलोत ने दो पॉइंट्स हूबहू पढ़े तो यह देख सरकारी मुख्य सचेतक महेश जोशी ने सीएम के कान में बोला। इसी बीच विपक्ष के नेता और उपनेता ने सवाल उठाया कि सीएम पुराना भाषण पढ़ रहे हैं और बजट लीक हो गया है। इस पर हंगामा शुरू हो गया। भाजपा विधायकों ने वेल में आकर हंगामा शुरू कर दिया। विवाद बढ़ने लगा तो स्पीकर ने 11 बजकर 12 मिनट पर आधे घंटे के लिए सदन की कार्यवाही स्थगित कर दी। दोबारा सदन शुरू होने पर स्पीकर सीपी जोशी ने कहा कि जो कुछ घटनाक्रम हुआ, वह दुर्भाग्यपूर्ण है, उसमें हमने पास्ट में पता लगाया। सीएम ने जो भाषण दिया है, वह ठीक नहीं होगा। आज की घटना से आहत हुए हैं। मानवीय भूल होती रहती है। इस अनहोनी घटना के लिए जो सारी कार्यवाही हुई है, उसे निरस्त करता हूं। 11 बजे से 11:42 तक की पूरी घटना को विधानसभा की कार्यवाही से निकाल दिया गया है। नेता प्रतिपक्ष गुलाबचंद कटारिया ने कहा कि कुछ मिनट तक गलत पढ़ने के बाद तीसरे व्यक्ति ने आकर बताया कि गलत पढ़ रहे हैं। बजट लीक हुआ है, बजट गोपनीय होता है और इसकी कॉपी सीएम के अलावा किसी दूसरे के पास कैसे पहुंच गई। सीएम को तीसरे आदमी ने आकर बताया कि यह बजट किसी तीसरे व्यक्ति को कैसे मालूम पढ़ा। सदन का मान रखना चाहते हैं तो इस बजट को दूसरे दिन अलग से पेश किया जाए। आज की घटना से लोकतंत्र शर्मसार हुआ है।

500 में सिलेंडर ...

में कवर राशि को 10 लाख रुपए से बढ़ाकर 25 लाख रुपए सालाना करने की घोषणा की है। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने वित्त वर्ष 2023-24 का बजट पेश करते हुए यह घोषणा की। मुख्यमंत्री ने कहा कि मैं राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा कानून के दायरे में आने वाले लगभग एक करोड़ परिवारों को आगामी वर्ष नि:शुल्क राशन के साथ प्रति माह नि:शुल्क मुख्यमंत्री अन्नपूर्णा फूड पैकेट दिए जाने की घोषणा करता हूं। इस पैकेट में एक-एक किलोग्राम दाल, चीनी एवं नमक और एक लीटर खाद्य तेल उपलब्ध कराया जाएगा। इस पर लगभग 3,000 करोड़ रुपए का खर्च आएगा। उन्होंने बीपीएल (गरीबी रेखा के नीचे) एवं प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना में शामिल निम्न आय वर्ग के लगभग 76 लाख परिवारों को आगामी वर्ष से एलपीजी गैस 500 रुपए में उपलब्ध कराने की घोषणा की। इस पर 1,500 करोड़ रुपए का खर्च आएगा। गहलोत ने कहा कि घरेलू उपभोक्ताओं को मुख्यमंत्री नि:शुल्क योजना के तहत 100 यूनिट बिजली प्रति माह मुफ्त दी जाएगी। यह सीमा पहले 50 यूनिट थी। इससे प्रदेश के 1.19 करोड़ में से 1.04 करोड़ से अधिक परिवारों को घरेलू बिजली नि:शुल्क मिल सकेगी। इसके लिए 7,000 करोड़ रुपए का भार वहन करना होगा। गहलोत ने कहा कि चरणबद्ध तरीके से 300 यूनिट प्रति माह उपभोग करने वाले घरेलू उपयोक्ताओं को नि:शुल्क बिजली उपलब्ध कराना हमारा लक्ष्य है। हम डीजल एवं पेट्रोल पर लागू वैट (मूल्य संवर्धित कर) को कम कर लगभग 7,500 करोड़ रुपए की छूट को आगे भी जारी रखेंगे। उन्होंने कहा कि आगामी वर्ष सस्ते एलपीजी सिलेंडर एवं नि:शुल्क घरेलू बिजली के लिए 19,000 करोड़ रुपए से अधिक का महंगाई राहत पैकेज दिया जाना प्रस्तावित है।

सूरज का एक बड़ा...

करें! नॉर्थ पोल के पास एक हिस्सा मुख्य फिलामेंट से टूटकर अलग हो गया और अब सूर्य के चारों ओर एक बड़े भंवर के रूप में चक्कर लगा रहा है। यहां 55 डिग्री से ऊपर सूरज के ऐट्मॉस्फेरिक डाइनमिक्स को समझने के लिए बढ़ा-चढ़ाकर नहीं बताया जा सकता है! यूएस नेशनल सेंटर फॉर एटमॉस्फेरिक रिसर्च के सोलर फिजिसिस्ट स्कॉट मैकिन्टोश ने स्पेस डॉट कॉम को बताया कि उन्होंने सोलर फ्लेयर के टूटने पर कभी ऐसा भंवर नहीं देखा। मैकिन्टोश दशकों से सूर्य पर रिसर्च कर रहे हैं। नासा के अनुसार पहले ऐसी कई तरह की घटनाएं हुई हैं, लेकिन इस नई घटना ने चिंता बढ़ा दी है। स्पेस साइंटिस्ट अब इस अनोखी घटना के बारे में ज्यादा जानकारी इकट्ठा करने में जुट गए हैं। इसके चलते सूर्य पर 24 घंटे नजर रखी जा रही है। स्पेस वेदर डॉट कॉम की एक रिपोर्ट के अनुसार, मंगलवार को एक मध्यम आकार के सोलर फ्लेयर के कारण पेसिफिक ओशन में एक शॉर्टवेव रेडियो ब्लैकआउट हुआ था।

विद्यार्थियों को स्मार्ट ...

से सीनियर सेकेंडरी कक्षा तक वाणिज्य एवं विज्ञान संकायों में अंग्रेजी माध्यम से आधुनिक तथा उत्कृष्ट शिक्षा की सभी सुविधाएं उपलब्ध है। यह स्कूल कोविड 19 के बाद एक नए दौर में अग्रसर होकर कक्षा एलकेजी से 12 तक के छात्र-छात्राओं के लिए बहुत-सी अच्छी सुविधाओं के साथ (एसी हॉस्टल, घुड़सवारी, स्विमिंग, ऑब्सटेकल कोर्स, फायरिंग रेंज, स्मार्ट क्लास) भारतीय वायुसेना से सेवानिवृत्त ग्रुप कैप्टन राजेश मोहन जो कि 15 साल से ज्यादा का सैनिक स्कूल में रजिस्ट्रार व प्राचार्य का अनुभव रखते है, के मार्गदर्शन में संचालित किया जा रहा है। गोयनका पब्लिक स्कूल विद्यार्थियों को एक नया आयाम देता है, जिसमें उनके सर्वांगीण विकास पर पूर्ण रूप से ध्यान दिया जाता है। विद्यालय का वातावरण बिल्कुल शांत व हरा-भरा है एवं यहां पर समय-समय पर विभिन्न प्रकार के खेलों की उचित व्यवस्था है। विद्यालय की सुसज्जित कक्षाएं हैं जिनमें बच्चों की गतिविधियों द्वारा शैक्षणिक योग्यता को निखारा जाता है। गोयनका पब्लिक स्कूल का उद्देश्य बच्चे का सर्वांगीण विकास करना है और इसी के अनुसार यह स्कूल खेल व शिक्षा दोनों में ही उत्कृष्ट परिणाम देता है। यहां बच्चों को खेलने के लिए क्रिकेट ग्राउंड, वैली बॉल ग्राउंड, बास्केट बॉल ग्राउंड, टेनिस कोर्ट आदि बने हुए हैं जिसमें बच्चे प्रत्येक खेल के नियमों को बखूबी जान सकते हैं। विद्यालय में शिक्षित अध्यापक व अध्यापिका हैं जो बच्चे को उनकी प्रतिभा को उभारने का कार्य करके उन्हें आगे बढ़ाते हैं।

बीबीसी पर पूर्ण ...

पीएम मोदी पर बीबीसी की डॉक्यूमेंट्री को लेकर पूरी तरह से प्रतिबंध लगाने की मांग की थी। दोनों ही याचिकाओं में बीबीसी की भारत में रिपोर्टिंग पर प्रतिबंध लगाने की मांग गई थी। शीर्ष कोर्ट ने तीन फरवरी को बीबीसी के वृत्तचित्र को प्रतिबंधित करने के सरकार के फैसले को चुनौती देने वाली अलग-अलग याचिकाओं पर केंद्र और अन्य पक्षों से जवाब मांगा था। जिन याचिकाकर्ताओं की याचिकाओं पर शीर्ष अदालत ने नोटिस जारी किए थे, उनमें अनुभवी पत्रकार एन राम, तृणमूल कांग्रेस सांसद महुआ मोइत्रा, वकील प्रशांत भूषण और वकील एम एल शर्मा शामिल हैं। सरकार ने 21 जनवरी को विवादास्पद डॉक्यूमेंट्री के लिंक साझा करने वाले कई यूट्यूब वीडियो और ट्विटर पोस्ट को ब्लॉक करने के निर्देश जारी किए थे। सुप्रीम कोर्ट ने कहा याचिका में दखल देने की कोई वजह नजर नहीं आती है। याचिका सुनवाई योग्य नहीं है। उसने कहा कि हमारा समय बरबाद मत करिए। याचिकाकर्ता के वकील ने कहा कि बीबीसी कभी निर्भया पर, कभी कश्मीर पर और गुजरात दंगों पर भी डाक्यूमेंट्री बनाकर देश की छवि खराब करने की कोशिश कर रहा है। याचिका में कहा गया था कि बीबीसी की ओर से भारत की एकता और अखंडता तोड़ने की साजिश की जांच एनआईए द्वारा करवाई जानी चाहिए।

सत्य की परख के ...

पूर्व, सभी अतिथियों और विशिष्ट अतिथियों का स्वागत पुष्पगुच्छ और अंग वस्त्र देकर किया गया। लोकार्पण के बाद पुष्पांजलि का कार्यक्रम हुआ। डॉ. भागवत ने गुफा और समाधि मंदिर का भी अवलोकन किया। इससे पहले, डॉ.भागवत प्रमुख सत्संग भवन में सद्गुरु महर्षि मेहीं परमहंस जी महाराज के जीवन दर्शन पर बनने वाली फीचर फिल्म के पोस्टर का अनावरण किया। महासभा के पदाधिकारियों ने उनका स्वागत किया। संघ प्रमुख के कार्यक्रम के अद्देनजर आश्रम परिसर और आसपास के क्षेत्रों में सुरक्षा के कड़े प्रबंध किए गए। उनकी सुरक्षा को लेकर 300 अतिरिक्त पुलिस बल की भी तैनाती की गई थी।

जम्मू-कश्मीर में ...

टन (59 लाख टन) के लीथियम भंडार का पता लगाया है। इसकी खासियत है कि यह नॉन फेरस मेटल है, जो इलेक्ट्रॉनिक व्हीकल की बैटरी में इस्तेमाल होने के लिए जरूरी है। भारत के लिए लीथियम का इतना बड़ा भंडार मिलना बड़ी उपलब्धि है। चीन और ऑस्ट्रेलिया दुनियाभर में इसके बड़े आपूर्तिकर्ता हैं। खनन मंत्रालय के मुताबिक जम्मू-कश्मीर में मिले लिथियम और गोल्ड सहित 51 खनिज ब्लॉक संबंधित राज्य सरकारों को सौंपे गए हैं। इन 51 खनिज ब्लॉकों में से 5 ब्लॉक सोने से संबंधित हैं। मंत्रालय ने कहा कि जिन राज्यों को ये खनिज ब्लॉक सौंपे गए उनमें जम्मू-कश्मीर, आंध्र प्रदेश, छत्तीसगढ़, गुजरात, झारखंड, कर्नाटक सहित 11 राज्यों में फैले हैं, जो पोटाश, मोलिब्डेनम, बेस मेटल वस्तुओं से संबंधित हैं।

रास : वीडियो ...

आने पर विचार के बाद आगे कोई फैसला लिया जाएगा। संसद में सत्ता पक्ष की ओर से विषय को उठाते हुए कहा गया था कि जुलाई 2022 में पूर्व सभापति वेंकैया नायडू ने सदस्यों को इसके खिलाफ सख्त हिदायत दी थी और कहा था कि आगे इसपर कार्रवाई की जाएगी। इस मुद्दे पर सदन में काफी देर चर्चा हुई। सभापति के फैसले के बाद कांग्रेस पार्टी के सभी सांसद सदन से बाहर चले गए। सदन से बाहर आकर पत्रकारों से बातचीत में रजनी पाटिल ने अपनी सफाई में कहा कि कल प्रधानमंत्री के भाषण के दौरान विपक्ष की ओर से बाधा डालने पर उनपर ऐसी कार्रवाई की गई है। वहीं उनके साथ उपस्थित सांसद जय बच्चन ने कहा कि एक महिला होने के नाते उनपर ऐसी कार्रवाई की गई है। इसी बीच केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने कहा कि कानून के आगे सभी बराबर हैं। महिला होने के नाते किसी को सजा नहीं दी जाए यह उचित जवाब नहीं है।

स्वर्वेद भाष्य

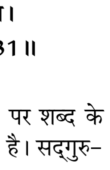

चतुर्थ मंडल **अष्टम अध्याय**

(योगाभ्यास)

सहज योग सब श्रेष्ठ है, शब्द सुरति गम योग।
सद्गुरु कृपा से पाइये, अन्तर अनुभव भोग॥ 31॥

शब्दार्थ : (गम) चलना (भोग) आनन्द की प्राप्ति।

भाष्य : सहज योग सबसे श्रेष्ठ है, जो सुरति द्वारा चलने पर शब्द के सम्बन्ध से होता है। सुरति शब्द का सम्बन्ध ही सहज योग है। सद्गुरु-कृपा द्वारा सहज योग के आनन्द, अनुभव की प्राप्ति होती है।

नियमित दोनों काल में, ब्राह्ममुहुर्त्त सुधार।
योगाभ्यास दृढ़ से चले, सब अंग पूर्ण सवाँर॥ 32॥

शब्दार्थ : (नियमित) नियमबद्ध (सँवार) सजाना।

भाष्य : योगाभ्यास दृढ़ हो कर दोनों काल और ब्राह्ममुहूर्त्त में जब चलता है, तब सब अंग में पूर्णरूप से योग का फल प्राप्त होता है।

बीपीएफ ने मनाया 21वां बीटीसी समझौता दिवस

लोस चुनाव में कोकराझाड़-मंगलदै से उतारेंगे उम्मीदवार : महिलारी

कोकराझाड़ (हि.स.)। कोकराझाड़ में बोडोलैंड पीपुल्स फ्रंट (बीपीएफ) पार्टी ने शुक्रवार को ऐतिहासिक 21वां बोडोलैंड टेरिटोरियल काउंसिल (बीटीसी) समझौता दिवस मनाया। पार्टी ने आगामी लोकसभा चुनाव में कोकराझाड़ एवं मंगलदै क्षेत्र से अपने उम्मीदवार उतारने का भी ऐलान किया है। कोकराझाड़ जिला के बोडोफा नगर में स्थित बीटीसी सचिवालय परिसर में बोडोफा उपेंद्र नाथ ब्रह्म की प्रतिमा पर दीप प्रज्वलित एवं पुष्पांजलि अर्पित करने के बाद बीपीएफ अध्यक्ष हग्रामा महिलारी ने कार्यक्रम का शुभारंभ किया। बीपीएफ अध्यक्ष महिलारी ने देबरागांव में बोडोलैंड शहीद स्मारक पर भी पुष्पांजलि अर्पित कर राष्ट्रीय ध्वज फहराया। इस मौके पर महिलारी ने कहा कि बीटीसी समझौते का पालन करना हम सभी की संवैधानिक जिम्मेदारी है। इस बार लोकसभा चुनाव में बीपीएफ कोकराझाड़ और मंगलदै क्षेत्रों में अपने उम्मीदवार उतारेगी। महिलारी ने यूपीपीएल के अध्यक्ष और बीटीसी के मुख्य कार्यकारी पार्षद प्रमोद बोडो पर हमला करते हुए कि वे एक बड़े व्यापारी हैं। वे सरकारी धन का दुरुपयोग कर रहे हैं। ऑडिट में प्रमोद बोडो के नेतृत्व वाली परिषदीय सरकार फंस जाएगी। निजी क्षेत्र की कंपनियों द्वारा कोई ऑडिट नहीं की जाती है। प्रमोद बोडो ने अपने आप में मूर्खता दिखाई है। बीपीएफ अध्यक्ष ने कहा कि असम के मुखयमंत्री डॉ. हिमंत विश्वशर्मा के साथ मेरे व्यक्तिगत रूप से अच्छे संबंध हैं, जबकि राजनीतिक रूप से अच्छे नहीं हैं। राजनीति में संबंध आज हैं, कल नहीं। यह स्थायी नहीं होते हैं। मैं पहले से ही राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के संपर्क में था और आज भी हूं। हग्रामा महिलारी ने कहा भाजपा में कभी भी नहीं जायेंगे। इस कार्यक्रम में विधायक रबिराम नार्जारी, बीपीएफ की वरिष्ठ नेता और पूर्व मंत्री प्रमिला रानी ब्रह्म, दनेश्वर ग्यारी, बीपीएफ के डेरहासात बसुमतारी, प्रकाश बसुमतारी समेत अन्य कई नेता मौजूद थे। चिरांग जिला के काजलगांव में बीपीएफ पार्टी की केंद्रीय कार्यकारिणी की बैठक भी आज ही आयोजित हो रही है। इस कार्यकारिणी की बैठक में कई अहम फैसले लिए जाने की संभावना है। उल्लेखनीय है कि 10 फरवरी, 2003 को केंद्र सरकार, राज्य सरकार और सशस्त्र संगठन पूर्व बीएलटी के बीच ऐतिहासिक बीटीसी समझौते पर हस्ताक्षर किए गए थे।

भांजे ने की मामी के साथ मिलकर मामा की हत्या

जोरहाट (हि.स.)। जोरहाट जिलांतर्गत टियोक के कमलपुर चाय बागान में युवक ने अपने मामा की हत्या कर दी और शव को शौचालय की टंकी में छिपा दिया। इस मामले में पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस सूत्रों ने बताया है कि रविवार को कमलपुर चाय बागान में शराब के नशे में धुत भांजे लक्ष्मण तुरी और उसकी पत्नी सुमित्रा तुरी ने मिलकर घर के अंदर दाव से हमला कर मामा सावन साउरा की हत्या कर दी। हत्या करने के बाद शव को घर के पीछे बने शौचालय के गड्ढे में छुपा दिया। बाद में लक्ष्मण तुरी ने पंचायत सदस्य रामेश्वर तुरी को इस हत्या की सूचना दी। पंचायत सदस्य ने घटना की जानकारी लाइदेगड़ पुलिस चौकी को दी। पुलिस ने गुरुवार रात को ही दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। शुक्रवार पुलिस ने बताया है कि मजिस्ट्रेट की मौजूदगी में शव को शौचालय की टंकी से बाहर निकालकर पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल में भेज दिया गया।

प्रदेश किसान मोर्चा की बैठक में प्राकृतिक खेती और बाजरा की खेती पर हुई चर्चा

गुवाहाटी (हि.स.)। भारतीय जनता पार्टी कृषक मोर्चा के प्रदेश पदाधिकारियों की एक महत्वपूर्ण बैठक शुक्रवार को असम प्रदेश के नलबाड़ी जिला के पूर्वी नलबाड़ी मंडल कार्यालय में आयोजित हुई। बैठक में प्राकृतिक खेती और बाजरा की खेती पर चर्चा की गयी। कृषक मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष देबजीत बोरा की अध्यक्षता में आयोजित इस बैठक में गत 29 और 30 जनवरी को कर्नाटक के बेलगाम में हुई कृषक मोर्चा की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक के राजनीतिक प्रस्तावों पर विस्तार से चर्चा हुई। किसान मोर्चा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष प्राण कुमार दास के साथ ही प्रदेश किसान मोर्चा के प्रभारी अशोक भट्टराय ने बैठक में पार्टी के नीतियों एवं राष्ट्रीय समिति के निर्देशों पर प्रकाश डाला। महासचिव निबारन लहकर ने बताया कि 13 फरवरी को सोशल मीडिया के जरिए भाजपा के केंद्रीय कार्यालय और प्रदेश के प्रतिनिधि प्राकृतिक खेती और बाजरा की खेती पर चर्चा करेंगे। इस बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि 17 फरवरी और 18 फरवरी को माजुली जिला के जेंगराई में मिसिंग जनगोष्ठी के द्वारा कृषि से संबंधित उत्सव आली आई लृगांग समारोह मोर्चा के पदाधिकारी हिस्सा लेंगे तथा आगामी 28 फरवरी को किसना मोर्चा की प्रदेश कार्यकारिणी की बैठक होगी।

दुकान में आग से घर समेत 9 लाख की संपत्ति जलकर राख

धुबड़ी (हि.स.)। धुबड़ी जिला के बिलासीपाड़ा के सुदूरवर्ती चर (नदी का छाड़न वाला क्षेत्र) इलाके बाबूरहाट में अचानक लगी आग के चलते अफरा-तफरी मच गयी। स्थानीय लोगों ने संदेह जताया है कि बाबूरहाट बाजार में बिजली के शॉर्ट सर्किट के कारण आग लगी। पुलिस सूत्रों ने शुक्रवार को बताया है कि आग लगने से बाजार में बुला शेख के आवास सहित तीन दुकानें जलकर राख हो गईं। स्थानीय थाना पुलिस के मुताबिक आग लगने से 9 लाख रुपए से अधिक की संपत्ति जलकर खाक हो गयी। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची बिलासीपाड़ा से दमकल कर्मियों ने पहुंचकर आग पर काबू पाया। हादसे में कोई भी हताहत नहीं हुआ है।

पूर्वोत्तर क्षेत्र में उद्योग के वार्षिक सर्वेक्षण पर हुई गोलमेज बैठक

गुवाहाटी (हि.स.)। खानापाड़ा स्थित फील्ड मैनेजमेंट डिवीजन के गुवाहाटी क्षेत्रीय सांख्यिकी कार्यालय में शुक्रवार को उद्योगों के वार्षिक सर्वेक्षण पर एक गोलमेज बैठक आयोजित की गई। इस बैठक के माध्यम से पूर्वोत्तर क्षेत्र में उद्योगों के सर्वेक्षण की आवश्यकता पर प्रकाश डाला गया। साथ ही संबंधित एजेंसियों को इस क्षेत्र में आमतौर पर आने वाली समस्याओं को उजागर करके ऐसे सर्वेक्षणों की आवश्यकता के बारे में जागरुकता पैदा करने के लिए आह्वान किया गया। उल्लेखनीय है कि सांख्यिकी एवं परियोजना कार्यान्वयन मंत्रालय, भारत सरकार के अंतर्गत राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) उद्योगों के वार्षिक सर्वेक्षण की सहायता से नियमित रूप से देश भर के औद्योगिक आंकड़ों के बारे में जानकारी एकत्र करता है। यह भारत में औद्योगिक सांख्यिकी का मुख्य स्रोत है और सांख्यिकी संग्रह अधिनियम, 2008 द्वारा अनिवार्य बनाया गया है और बाद के नियमों को अधिनियम में संशोधन के माध्यम से निर्धारित किया गया है। उद्योग समूहों के वार्षिक सर्वेक्षण में पूरे देश को शामिल किया जाता है। यह एक विशेष वित्तीय वर्ष, उद्देश्य और यथार्थवादी आधार पर देश के संगठित उत्पादन खंड के विकास, संरचना, आधारभूत संरचना और प्रभाव का मूल्यांकन करने के लिए संख्यात्मक जानकारी प्रदान करता है। उद्यमों के वार्षिक सर्वेक्षण के मामले में, सूचना संग्रह के संदर्भ में एक संस्थागत दृष्टिकोण (उद्यमशीलता दृष्टिकोण नहीं) का पालन किया जाता है। असम सरकार के वित्त सचिव दिलीप कुमार बोरा ने सेमिनार में भाग लेते हुए देश की अर्थव्यवस्था के संबंध में आंकड़ों के महत्व पर प्रकाश डाला। बैठक में भारतीय सांख्यिकी सेवा के कई वरिष्ठ अधिकारी, उप महानिदेशक डॉ. केएम सिंह और स्वप्नाली भट्टाचार्य, सहायक निदेशक बीसी पायेंग और सांख्यिकी विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद थे।

आठ किलो गांजे के साथ तस्कर गिरफ्तार

चिरांग (हि.स.)। चिरांग जिले के बिजनी स्थित बल्लमगुरी धादुरीपारा में सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) ने गुरुवार देर रात छापामारी कर गांजा तस्कर 38 वर्षीय उत्तम दास को गांजे के साथ गिरफ्तार किया। गिरफ्तार तस्कर बिजनी स्थित ऑक्सीगुरी का रहने वाला है। कुमारशाली स्थित एसएसबी की 15वीं बटालियन की उल्फा कंपनी के इंस्पेक्टर उमेश कुमार के नेतृत्व में एसएसबी की टीम ने बीती रात छापेमारी कर गांजा तस्कर को आठ किलोग्राम गांजा के साथ गिरफ्तार किया। पुलिस सूत्रों ने शुक्रवार को बताया है कि बरपेटा जिला के गोविंद दास नामक तस्कर के जरिये गांजा सौंपे जाने के बाद उत्तम दास को गिरफ्तार किया गया है। बिजनी अनुमंडल पुलिस मौके पर पहुंचकर गांजा समेत उत्तम दास को कब्जे में लेकर आगे की कानूनी कार्रवाई कर रही है।

होजाई में भीषण आग करोड़ों की संपत्ति स्वाहा

होजाई (होसं)। होजाई में भीषण अग्निकांड से करोड़ों की संपत्ति जलकर स्वाहा। प्राप्त समाचारों के अनुसार होजाई के नोतून बाजार के डेली बाजार में आज प्रातः के समय लगी भयंकर आग में नो व्यवसाई प्रतिष्ठान जलकर वशीभूत हो गए। जिसमें लगभग करोड़ो की संपत्ति का नुकसान होने का अनुमान है। जानकारी के अनुसार प्रातः 3:30 बजे लगी आग की खबर लगते ही स्थानीय पुलिस प्रशासन व अग्निशमन वाहिनी की गाड़ियां उपस्थित हों कर अग्नि को नियंत्रित करने में जुट गई पर आग इतनी भयंकर थी कि अग्नि को बुझाने हेतु महकमा मुख्यालय शंकरदेव नगर और लंका से भी अग्निशमन वाहिनी को बुलाना। घंटों की मशक्कत के बाद आग को बुझाया जा सका। किंतु तब तक विनोद कुमार चौहान के कपड़े की दुकान, श्यामल दत्त की किराने दुकान, गोपाल कृष्ण सील की मिठाई दुकान, शिव नारायण गुप्ता की किराने की दुकान, शांति सेन की किराने दुकान, शंभू नाथ प्रसाद व कांति देवी की चिरवा मुरी की दुकान पूरी तरह जलकर ध्वंस हो गई। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार शार्ट सर्किट की वजह से उक्त अग्नि लगी हो सकती है इसका संदेह किया जा रहा है। वही अग्निकांड में 2 सिलेंडर फटने से अग्नि ने भयावह रूप लिया। उक्त अग्निकांड में एक 16 वर्षीय युवक के गंभीर रूप से घायल होने की खबर है उसका इलाज स्थानीय हाम अस्पताल में चल रहा है।

सीसुब ने आयोजित किया रक्तदान शिविर

गुवहाटी (हि.स.)। संयुक्त अस्पताल (केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल) पटगांव, गुवाहाटी द्वारा जी 20 शिखर सम्मेलन की अध्यक्षता के उपलक्ष्य में गुवाहाटी मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल, ब्लड बैंक के डॉक्टरों और तकनीशियनों के सहयोग से सीमा सुरक्षा बल (सीसुब) के फ्रंटियर मुख्यालय, पटगांव, गुवाहाटी में शुक्रवार को रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। रक्तदान शिविर का उद्घाटन सीसुब फ्रंटियर मुख्यालय, गुवाहाटी के महानिरीक्षक कमलजीत सिंह बन्याल के द्वारा उप महानिरीक्षक (चिकित्सा), संयुक्त अस्पताल, पटगांव के डॉ. आरके कोटनाला एवं अन्य वरिष्ठ अधिकारियों, अधीनस्थ अधिकारियों, सीमा प्रहरियों, संयुक्त अस्पताल पटगांव के स्वाथ्य कर्मियों तथा प्रथम वाहिनी आपदा मोचन बल, पटगांव, गुवाहाटी की उपस्थिति में किया गया। रक्तदान शिविर का उद्देश्य जीवन बचाने के साथ ही लोगों में रक्त की आवश्यकता के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए रक्तदान के महत्व का प्रचार करना था। महानिरीक्षक बन्याल ने सीमा प्रहरियों को निःस्वार्थ रूप से आगे आकर यह कार्य करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने व्यक्त किया कि जवानों का यह निःस्वार्थ कार्य कई लोगों को आवश्यकता की घड़ी में मदद करेगा। उन्होंने कहा कि रक्तदान एक नेक कार्य तथा महादान है और प्रत्येक रक्तदाता ने सामुदायिक विकास में योगदान दिया है। उक्त रक्तदान शिविर में बड़ी संख्या में सीमा सुरक्षा बल तथा आपदा मोचन बल कर्मियों (अधिकारियों, अधीनस्थ अधिकारियों और जवानों) ने रक्तदान किया। सीसुब द्वारा किए इस महत्वपूर्ण आयोजन के लिए चिकित्सा अधिकारी, गुवाहाटी मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल, गुवाहाटी तथा उनके अन्य सहयोगियों ने सीमा प्रहरियों द्वारा उनके उत्साह पूर्वक रक्तदान के लिए धन्यवाद किया।

सड़क दुर्घटना में एक व्यक्ति की मौत

गुवाहाटी (हि.स.)। कामरूप (ग्रामीण) जिला के रंगिया में हुई एक सड़क दुर्घटना में बाइक सवार की मौत हो गई। पुलिस सूत्रों ने शुक्रवार को बताया है कि सड़क हादसा राष्ट्रीय राजमार्ग-27 पर रंगिया के समीप भटकुची में बीती रात को हुआ। मृतक बाइक सवार की पहचान फतेमा कॉन्वेंट स्कूल में सहायक शिक्षक सनम दर्जी के रूप में हुई है। सनम दर्जी पड़ोसी देश भूटान के निवासी हैं। सनम दर्जी की बीती रात घोघरापार में अपने भाई के रेस्तरां से रंगिया जाते समय एक दुर्घटना में मौत हो गई। सनम दर्जी के परिजनों ने बताया है कि शिक्षक का शव नलबाड़ी और कामरूप जिला सीमावर्ती नोना नदी के पास राष्ट्रीय राजमार्ग 27 पर पड़ा था। परिजनों को संदेह है कि अज्ञात वाहन की चपेट में आने से यह हादसा हुआ है। दुर्घटना का शिकार हुई रॉयल एनफिल बाइक को सनम दर्जी ने कुछ दिन पहले ही खरीदी थी। सूचना मिलते ही रंगिया पुलिस मौके पर पहुंची और शव को रंगिया थाने ले आई।

पांडु जनरल स्टोर डिपो से अपने उपयोगकर्ता विभागों तक डोर डिलीवरी करेगा पूसीरे

गुवाहाटी (हि.स.)। पूर्वोत्तर सीमा रेल (पूसीरे) ने पांडू स्थित अपने जनरल स्टोर डिपो से आवश्यक सामान अपने उपयोगकर्ता विभागों तक डोर डिलीवरी करने की व्यवस्था की है। इसके लिए पूसीरे के महाप्रबंधक अंशुल गुप्ता ने गुरुवार को पांडू के जनरल स्टोर डिपो से परिवहन वाहनों के पहले बैच को झंडी दिखाकर रवाना किया। इससे रेलवे की जनशक्ति एवं संसाधनों की भागीदारी काफी कम होगी और बचत भी होगी। पूसीरे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी सब्यसाची डे ने शुक्रवार को बताया है कि अपने जनरल स्टोर डिपो से आवश्यक सामान अपने संबंधित उपयोगकर्ता विभागों को स्टॉक आइटम की डोर डिलीवरी करने के लिए यह नई प्रणाली शुरू की है। नई प्रणाली से संबंधित उपयोगकर्ता विभाग को उनके डिपो, गोदाम, कार्यालय में महत्वपूर्ण संरक्षा और अन्य गैर-संरक्षा वस्तुओं की त्वरित डिलीवरी की जाएगी। इन वस्तुओं को जनरल स्टोर डिपो, पांडु से डिलीवर किया जाएगा। इससे रेलवे की जनशक्ति एवं संसाधनों की भागीदारी काफी कम हो जाएगी। इससे स्टॉक सामग्री के परिवहन के लिए रेलवे द्वारा किए गए व्यय की बचत होगी। नई प्रणाली में सामग्रियों के हैंडलिंग और डिलीवरी करने में अधिक गतिशीलता और लचीलापन होगा। आवश्यक सामग्रियों की उपलब्धता पर स्पष्टता होगी, जो समग्र रूप से रेलवे के लिए अधिक किफायती होगा। पूसीरे के क्षेत्राधिकार में गुवाहाटी से लेकर हाफलंग, सिलचर, नाहरलगुन आदि तक विभिन्न स्थानों पर मांग अधिक है। नई प्रणाली के साथ सभी मांगकर्ता अपने डिपो, गोदाम, कार्यालय पर किसी भी अतिरिक्त जनशक्ति का उपयोग किए बिना अपने उद्देश्य के लिए आवश्यक सामग्री प्राप्त कर करेंगे। इस प्रणाली से रेलवे के राजस्व की बचत होगी और जोन में संरक्षा का स्तर भी बढ़ेगा।

एकल अभियान के राष्ट्रीय स्तर खेलकूद समारोह में पूर्वोत्तर प्रभाग का दबदबा

गुवाहाटी (विभास)। हाल ही में लखनऊ में एकल अभियान अभ्युदय यूथ क्लब द्वारा आयोजित राष्ट्रीय स्तर खेलकूद समारोह में पूर्वोत्तर प्रभाग का दबदबा देखने को मिला। असम के ग्रामीण क्षेत्र से निकलकर राष्ट्रीय स्तर पर पहुंचे खिलाड़ियों ने कुल 14 पदक जीतकर प्रतियोगिता में पूर्वोत्तर दूसरे स्थान पर रहा। इनमें 7 स्वर्ण, 4 रजत व 3 कांस्य पदक शामिल है। गुवाहाटी पहुंचे सभी 14 खिलाड़ियों का आज नारायणनगर स्थित हरियाणा भवन में आयोजित कार्यक्रम में सम्मानित किया गया। इस मौके पर एकल अभियान खेल आयोजक समिति के अध्यक्ष चंद्रकांत राय, कार्यकारी अध्यक्ष प्रमोद जैन, उपाध्यक्ष रीना भौमिक, एकल अभियान केंद्रीय कार्यकारिणी के उपाध्यक्ष पवन कुमार अगरवाला, वन बंधु परिषद पूर्वोत्तर क्षेत्र के जोनल चेयरमैन सुभाष सिकरिया, वन बंधु परिषद गुवाहाटी चैप्टर महिला समिति की अध्यक्ष रीता अगरवाला सहित कई गणमान्य लोग मौजूद थे। इस दौरान दौड़ में स्वर्ण पदक विजेता मेघाली पेगु, तुलिका देवी, बिभा स्वरा (2 स्वर्ण), मानस पेगु, ऊंची कूद में करीक इरिंग व विक्रम पेगु, दौड़ में रजत पदक मैना पेगु, पोली दोलै, ऊंची कूद में जैसमीन बोरा, लंबी कूद में कुमकुम चाम ओलिभिया (दक्षिण-पूर्वोत्तर संभाग), दौड़ में कांस्य पदक रितुपर्ण सइकिया, ऊंची कूद में गायत्री बोरी व लंबी कूद में वायनबोम विद्यापति (दक्षिण-पूर्वोत्तर संभाग) ने पदक झटक कर असम सहित पूर्वोत्तर का नाम राष्ट्रीय स्तर पर गौरवान्वित किया। इस मौके पर एकल अभियान खेल आयोजक समिति के अध्यक्ष चंद्रकांत राय ने बताया कि पहली बार एकल अभियान के अंतर्गत खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित किया गया, जिसमें देशभर से करीब 1 लाख गांवों से 6-10 वर्ष के शिशु तथा 10-14 वर्ष के बालक-बालिकाओं ने हिस्सा लिया। कार्यकारी अध्यक्ष प्रमोद जैन ने कहा कि इस प्रतियोगिता के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में छिपी प्रतिभाओं को राष्ट्रीय स्तर पर लाकर उन्हें एक ऐसा मंच देना था, जहां से वे लोग आने वाले समय में देश के लिए खेल सके। उपाध्यक्ष रीना भौमिक ने कहा कि पहली बार आयोजित खेलकूद प्रतियोगिता हमारी अपेक्षा से कई गुणा सफल रही। ऐसे में हर वर्ष इस प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा। इस दौरान केंद्रीय कार्यकारिणी अध्यक्ष पवन अग्रवाल ने कहा कि प्रतियोगिता में जिन बच्चों ने हिस्सा लिया, उन्हें कभी भी किसी तरह का कोई प्रशिक्षण नहीं मिला। ग्रामीण क्षेत्र में रह कर भी इन बच्चों ने राष्ट्रीय स्तर पर असम सहित पूर्वोत्तर का नाम गौरवान्वित किया है। उन्होंने कहा कि बच्चों के उत्साह को देखते हुए उनकी प्रतिभा को और निखारने का प्रयास एकल अभियान करता रहेगा ताकि यही बच्चे आगे चलकर अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर होने वाली क्रीड़ा प्रतिस्पर्धाओं में भारत का परचम लहरा सके।

फकीराग्राम म्यूनिसिपल बोर्ड के स्थायी कार्यालय का भूमि पूजन

कोकराझाड़ (हि.स.)। कोकराझाड़ जिला के फकीराग्राम म्यूनिसिपल बोर्ड को सुचारू रूप से चलाने के लिए शुक्रवार को फकीराग्राम म्युनिसिपल बोर्ड के स्थायी कार्यालय निर्माण के लिए पुराना बाजार में भूमि पूजन किया गया। भूमि पूजन कार्यक्रम में विभागीय सीएसडी लंकेश्वर ग्यारी, फकीराग्राम म्यूनिसिपल बोर्ड के अध्यक्ष सुरेंद्र शर्मा के साथ ही बोर्ड के सभी वार्ड सदस्य एंव कर्मचारी उपस्थिति थे। बोडोलैंड टेरिटोरियल काउंसिल (बीटीसी) के कार्यकारी पार्षद विल्सन हासदा ने बोर्ड के स्थायी कार्यालय का भूमि पूजन करते हुए कहा कि प्रमोद बोडो नेतृत्वाधीन बीटीसी सरकार हर विभाग के साथ आम जनता के लिए काम कर रही है। इसी कड़ी में फकीराग्राम म्युनिसिपल बोर्ड के स्थायी कार्यालय के निर्माण के लिए भूमि पूजन किया गया। उन्होंने बोडोलैंड पीपुल्स फ्रंट (बीपीएफ) पार्टी के अध्यक्ष हग्रामा महिलारी के बयानों पर कटाक्ष करते हुए कहा की कौन व्यापारी है यग सभी लोग जानतें हैं और रही बात ऑडिट करवाने की तो वो सरकारी नियमों अनुसार किया गया है। उन्होंने कहा कि प्रमोद बोडो सरकार पर सरकारी धन के दुरुपयोग का जो आरोप लगाया गया है वह सारासर गलत है। उन्होंने कहा कि फकीराग्राम म्युनिसिपल बोर्ड के स्थायी कार्यालय के निर्माण के लिए 25 लाख रुपए वर्तमान में आवंटित किए गए हैं और आने वाले दिनों में इसके लिए और अधिक धन का आवंटन किया जाएगा।

प्रधानमंत्री का छह महीने में राजस्थान में पांचवां कार्यक्रम, 12 को करेंगे सभा-एसपीजी ने लिया जायजा

जयपुर, (हि.स.)। राजस्थान में चुनाव की रणभेरी बजने से पहले राजनीतिक दलों ने व्यूह रचना शुरू कर दी है। प्रधानमंत्री मोदी 12 फरवरी को प्रदेश के दौरे पर पहुंच रहे हैं। पिछले छह महीने में राजस्थान में यह उनका पांचवां कार्यक्रम होगा। 2023 में प्रधानमंत्री का यह तीसरा दौरा होगा। प्रधानमंत्री मोदी 12 फरवरी को दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे के सोहना-दौसा खंड का लोकार्पण करेंगे। इस मौके दौसा के समीप धनावड़ रेस्ट एरिया में जनसभा को संबोधित भी करेंगे। एसपीजी के उच्च अधिकारियों एवं आईजीपी उमेशदत्त मिश्रा ने जिले के अधिकारियों के साथ सभास्थल का जायजा लिया है।अधिकारियों ने हेलीपेड व हाइवे का भी जायजा लिया। एक्सप्रेस वे पर 35 पैसे प्रति किलोमीटर का शुल्क लगेगा। सोहना और दौसा के बीच की यात्रा की दूरी 200 किलोमीटर है। ऐसे में करीब 70 रुपये टोल टैक्स के रूप में चुकाने होंगे। यह टोल टैक्स जब आप हाइवे छोड़ने लगेंगे तब आप से लिया जाएगा। टोल टैक्स फास्टटैग में माध्यम से ही लिया जाएगा। उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री पिछले साल 30 सितंबर को गुजरात चुनाव प्रचार के दौरान शक्तिपीठ अम्बाजी से आबूरोड आए थे। प्रधानमंत्री का यहां मानपुर हवाईपट्टी से वापसी का कार्यक्रम था। इस अवसर का उपयोग करने के लिए राजस्थान भाजपा को प्रधानमंत्री ने करीब आधा घंटे का समय दिया था। भाजपा ने यहां सिरोही, जालोर, पाली सहित पांच जिलों के जनप्रतिनिधियों को जुटाया था। प्रधानमंत्री रात 9 बजे पहुंचे थे। तब रात 10 बजे प्रधानमंत्री मंच पर पहुंचे। उन्होंने उपस्थित जनसमूह और संगठन की टीम को कहा कि आप लोगों ने इतना प्यार दिया कि मैं यहां दोबारा आऊंगा और इस प्यार को ब्याज सहित लौटाऊंगा। इसके बाद प्रधानमंत्री एक नवंबर को बांसवाड़ा जिले की मानगढ़ पहाड़ी पर आए। मानगढ़ पहाड़ी आदिवासियों का पवित्र स्थल है। यहां राजस्थान और गुजरात की राज्य सीमा मिलती है और मध्यप्रदेश भी मात्र 80 किलोमीटर है। कार्यक्रम में तीनों राज्यों के आदिवासी शामिल हुए। प्रधानमंत्री का 27 जनवरी को गुर्जर समाज के आराध्य भगवान देवनारायण के प्राकट्य दिवस पर भीलवाड़ा जिले के आसींद के निकट मालासेरी डूंगरी में आए। मोदी 5 फरवरी को फिर राजस्थान की जनता से मुखातिब हुए। इस बार वे यहां से वर्चुअली जुड़े। जयपुर ग्रामीण सांसद राज्यवर्धन सिंह राठौड़ की ओर से आयोजित जयपुर महाखेल के समापन समारोह में प्रधानमंत्री न केवल वर्चुअली जुड़े बल्कि उन्होंने एक कबड्डी मैच देखा और 20 मिनट तक संबोधन दिया।

जीआईएस-2023 का पीएम मोदी ने लखनऊ में किया उद्घाटन

-मुकेश अंबानी सहित देश के कई बड़े उद्योगपति हुए शामिल

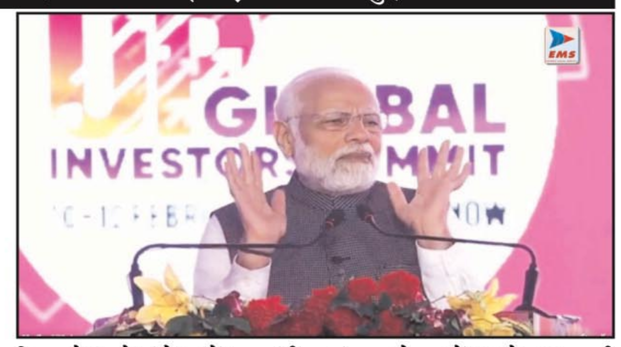

लखनऊ (ईएमएस)। उत्तर प्रदेश को नए भारत का ग्रोथ इंजन बनाने की कड़ी में आज 10 फरवरी से राजधानी लखनऊ में आयोजित निवेशकों के तीन दिवसीय महाकुंभ में नया इतिहास लिखा जाएगा। इस ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट का उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लखनऊ में किया। उनके साथ यूपी की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ मौजूद रहे।

नए भारत के लिए आशा का केंद्र बना यूपीः मुकेश अंबानी – रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन मुकेश अंबानी ने संबोधित करते हुए कहा कि कानून व्यवस्था में सुधार और ईज आफ डूइंग बिजनेस में सुधार के कारण यूपी नए भारत के लिए आशा का केंद्र बन गया है। उन्होंने कहा कि प्रदेश के विकास के लिए उद्योग और सहयोग दोनों की आवश्यकता है, जिसे यूपी पूरा कर रहा है।

निवेश के लिए आकर्षण बना यूपीः कुमार मंगलम बिरला – आदित्य बिरला ग्रुप के प्रमुख कुमार मंगलम बिरला ने अपने संबोधन में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की तारीफ करते हुए कहा कि सरकार ने ईज आफ डूइंग बिजनेस को लेकर कई शानदार कदम उठाए हैं, जिसके कारण यह निवेशकों के लिए आकर्षक प्रदेश बन गया है।

उन्होंने उद्योगपतियों से प्रदेश में निवेश की अपील की है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने यूपी ग्लोबल इंवेस्टर्स समिट-2023 का उद्घाटन कर दिया है। इस मौके पर उनके साथ रक्षामंत्री राजनाथ सिंह, प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ मौजूद रहे। लखनऊ के वृंदावन योजना में 10 से 12 फरवरी तक आयोजित होने वाले यूपी ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट-23 में देश-दुनिया की दिग्गज कारपोरेट हस्तियां उत्तर प्रदेश को सर्वोत्तम प्रदेश बनाने में साझीदार बनती दिखाई दीं। देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस 3 दिवसीय समिट का शुभारंभ किया। यूपीजीआईएस-23 के माध्यम से 30 लाख करोड़ रुपए से अधिक का प्रस्तावित निवेश न सिर्फ उत्तर प्रदेश की आर्थिक विकास दर को गति देगा, बल्कि बड़े पैमाने पर रोजगार सृजन का जरिया बनकर युवाओं के सपनों को भी साकार करेगा।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का 13 फरवरी को वाराणसी दौरा

-आईपीएस अफसर करेंगे सुरक्षा का नेतृत्व

वाराणसी, (हि.स.)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू पहली बार 13 फरवरी को वाराणसी आएंगी। राष्ट्रपति के आगमन को देखते हुए जिला प्रशासन ने सुरक्षा व्यवस्था को लेकर कवायद शुरू कर दी है। राष्ट्रपति के आने–जाने वाले मार्ग पर बैरिकेडिंग और मुख्य मार्ग से जुड़ने वाले गलियों और सड़कों पर बैरियर भी लगाया गया है। शहर में स्वच्छता अभियान के साथ गंगा घाटों की खास तौर पर साफ-सफाई और सजावट भी की जा रही है। राष्ट्रपति की सुरक्षा का खाका भी तैयार कर लिया गया है। पुलिस अफसरों ने राष्ट्रपति की सुरक्षा के मानक के अनुरूप तैयारी की हैं । प्रशासनिक अफसरों के अनुसार राष्ट्रपति की बाहरी सुरक्षा में जहां आठ आईपीएस तैनात रहेंगे । वहीं, आंतरिक सुरक्षा राष्ट्रपति के सुरक्षा कर्मी (प्रेसीडेंट्स बॉडी गार्ड्स) संभालेंगे। इसके अलावा आईपीएस अफसरों के नेतृत्व में 450 कांस्टेबल व हेड कांस्टेबल, 80 सब इंस्पेक्टर व इंस्पेक्टर, 26 डिप्टी एसपी और 16 एडिशनल एसपी सुरक्षा व्यवस्था व्यवस्था में तैनात रहेंगे। दशाश्वमेध घाट पर गंगा आरती के दौरान नौसेना के साथ ही जल पुलिस, पीएसी, बाढ़ राहत दल और एनडीआरएफ के जवान भी मुस्तैद रहेंगे। बाबतपुर एयरपोर्ट से शहर तक सड़क किनारे और सभी प्रमुख चौराहों-तिराहों पर क्षेत्रीय पुलिस, यातायात पुलिस कर्मियों की तैनाती रहेगी। अग्निशमन व बम निरोधक दस्ते के साथ डॉग स्क्वॉड की टीम भी सतर्क है। एलआईयू कर्मी भी आने–जाने वाले मार्ग पर चौकस रहेंगे।

इसरो ने अपना सबसे छोटा रॉकेट एसएसएलवी-डी 2 लॉन्च किया

श्रीहरिकोटा (आंध्र प्रदेश), (हि.स.)। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने आज सुबह सतीश धवन स्पेस सेंटर से अपने नए और सबसे छोटे रॉकेट (एसएसएलवी-डी 2) को अंतरिक्ष में लॉन्च कर दिया। एसएसएलवी-डी2 ने अपने साथ तीन सैटेलाइट लेकर अंतरिक्ष की उड़ान भरी। इनमें अमेरिकी कंपनी अंतारिस का सैटेलाइट जेएएनयूएस-1, चेन्नई के स्पेस स्टार्टअप स्पेसकिड्ज की सैटेलाइट आजादी सेट-2 और इसरो का सैटेलाइट ईओएस-07 शामिल हैं। ये तीनों सैटेलाइट्स 450 किलोमीटर दूर सर्कुलर ऑर्बिट में स्थापित किए जाएंगे। इसरो के अनुसार, एसएसएलवी 500 किलोग्राम तक की सैटेलाइट को लोअर ऑर्बिट में लॉन्च करने में काम में लाया जाता है। यह रॉकेट ऑन डिमांड के आधार पर किफायती कीमत में सैटेलाइट लॉन्च की सुविधा देता है। 34 मीटर लंबे एसएसएलवी रॉकेट का व्यास 2 मीटर है। यह रॉकेट कुल 120 टन के भार के साथ उड़ान भर सकता है। इस रॉकेट की पहली उड़ान पिछले साल अगस्त में विफल हो गई थी।

16 फरवरी को होगा दिल्ली मेयर का चुनाव 3 बार कोशिश रही नाकाम

अजय कुमार

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार ने महापौर का चुनाव कराने के लिए दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) की बैठक 16 फरवरी को बुलाने के लिए अपनी मंजूरी दे दी है। एक अधिकारी ने गुरुवार को यह जानकारी दी। एमसीडी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि निगम ने एक प्रस्ताव भेजकर इस तारीख का सुझाव दिया था। इससे पहले दिन में सूत्रों ने दावा किया था कि आम आदमी पार्टी (आप) की सरकार ने एमसीडी के सदन की 13 या 14 फरवरी को बैठक बुलाने का प्रस्ताव दिया था। लेकिन 13 फरवरी को इसी मामले की सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई है जिसको देखकर दिल्ली सरकार और एमसीडी 16 फरवरी को चौथी बार मेयर डिप्टी मेयर और स्टैंडिंग कमेटी चुनाव कराने पर सहमत हुए। आपको बता दें कि एमसीडी सदन अब तक तीन बार महापौर का चुनाव करने में विफल रहा है। जब-जब महापौर के चुनाव के लिए सदन की बैठक बुलाई जाती है तब-तब हंगामा होता है और कार्यवाही को स्थगित कर दिया जाता है। महापौर के चुनाव के लिए सदन की पिछली बैठक छह फरवरी को हुई थी और मनोनीत पार्षदों को मताधिकार देने को लेकर हुए हंगामे के बाद कार्यवाही को स्थगित कर दिया गया था। आम आदमी पार्टी (आप) ने प्रक्रिया को रोकने के लिए भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) पर साजिश रचने का आरोप लगाया है। को सदन की बैठक को हंगामे के बाद स्थगित कर दिया गया था। आप ने अदालत की निगरानी में चुनाव कराने के लिए उच्चतम न्यायालय का रुख किया। राष्ट्रीय राजधानी में एमसीडी का चुनाव पिछले साल चार दिसंबर को हुआ था और सात दिसंबर को नतीजे आए थे। आप ने 250 में से 134 वार्ड पर जीत हासिल की थी जबकि भाजपा को 104 सीट मिली थीं। इस बीच दिल्ली भाजपा के प्रवक्ता प्रवीण शंकर कपूर ने कहा ह्यअगर आम आदमी पार्टी वास्तव में चुनाव की अनुमति देती है तो हम महापौर चुनाव के लिए किसी भी तारीख का स्वागत करते हैं लेकिन यह समझ से परे है कि जब मामला अदालत में लंबित है और 13 फरवरी को सुनवाई होनी है तो चुनाव के लिए कोई तारीख प्रस्तावित करने की क्या तुक है।

ठग सुकेश की पत्नी की जमानत याचिका पर 27 को हाईकोर्ट में होगी सुनवाई

अजय त्यागी

नई दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय ने गुरुवार को 200 करोड़ रुपए के मनी लॉन्ड्रिंग मामले में कथित ठग सुकेश चंद्रशेखर की पत्नी लीना मारिया पॉलोज की जमानत याचिका को अगली सुनवाई के लिए 27 फरवरी को सूचीबद्ध कर दिया। पॉलोज की ओर से पेश वकील ने कहा कि वह 16 महीने से जेल में है और जीवन के अधिकार और मातृत्व के अधिकार की हकदार है। वकील ने कहा कि पॉलोज की उम्र 40 के आसपास है और वह एक बच्चा भी चाहती है और उसे जीने का अधिकार है। यह भी कहा कि उसका पति इस मामले में मुख्य आरोपी है और इसका मतलब यह नहीं है कि उसे सलाखों के पीछे रखा जाना चाहिए। पॉलोज के वकील ने कहा कि वर्तमान मामले में कुछ सह-आरोपी जमानत पर हैं। अदालत ने संबंधित पक्षों को निर्देश दिया कि वे अपनी लिखित दलीलें दाखिल करें। हाई कोर्ट ने 12 दिसंबर को पॉलोज की जमानत याचिका पर पुलिस को नोटिस जारी किया था। दिल्ली पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) द्वारा दर्ज मामले में जमानत के लिए पॉलोज ने 10 दिसंबर को उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया था।

जनवरी 2023 में अगली सुनवाई के लिए मामले को सूचीबद्ध करते हुए एकल न्यायाधीश की पीठ के न्यायमूर्ति दिनेश कुमार शर्मा ने पुलिस से छह सप्ताह के भीतर जवाब दाखिल करने को कहा था। ईओडब्ल्यू ने पिछले साल चंद्रशेखर के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की थी। इसने आईपीसी की विभिन्न धाराओं और मकोका के प्रावधानों के तहत चंद्रशेखर, पौलोज और अन्य सहित 14 अभियुक्तों को नामित करते हुए आरोप पत्र दायर किया। चंद्रशेखर ने कथित तौर पर रैनबैक्सी के पूर्व प्रमोटरों शिविंदर सिंह और मालविंदर सिंह की पत्नियों से 200 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी की थी। उसने अदिति सिंह और जपना सिंह को केंद्रीय कानून मंत्रालय के एक अधिकारी के रूप में प्रस्तुत करके और उनके पतियों के लिए जमानत सुनिश्चित करने के लिए कई करोड़ रुपये की धोखाधड़ी की थी। ईओडब्ल्यू के मुताबिक लीना, सुकेश और अन्य लोगों ने ठगी से कमाए गए पैसे को पार्क करने के लिए शेल कंपनियां बनाकर हवाला रूट का इस्तेमाल किया।

भारत की बढ़ती साख में उद्योग जगत का विशेष योगदानः राजनाथ सिंह

- मोदी के नेतृत्व में उद्योगों को लेकर लोगों की धारणा बदली

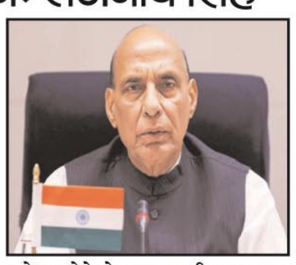

लखनऊ, (हि.स.)। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने शुक्रवार को उत्तर प्रदेश ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट को संबोधित करते हुए कहा कि भारत की लगातार बढ़ती साख में उद्योग जगत का विशेष योगदान है। उन्होंने कहा कि छद्म समाजवाद ने भारत के औद्योगीकरण को नुकसान पहुंचाया। पहले से स्थापित उद्योगों को बर्बाद करने का काम किया गया। उद्योगों के खिलाफ माहौल बनाया गया लेकिन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में अब यूपी व देश में उद्योगों को लेकर लोगों की धारणा बदली है। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर भरोसा होने के कारण ही आज नए भारत का नया उत्तर प्रदेश आकार ले रहा है। पुराने व अप्रभावी कानूनों को वर्तमान नेतृत्व ने बदलने का काम किया है। अब यूपी मतलब शिक्षा हब, यूपी मतलब इंवेस्टमेंट हब और यूपी मतलब निवेश फ्रेंडली माहौल वाला प्रदेश है। विदेशों से आए डेलीगेशन और इन्वेस्टर्स का उत्तर प्रदेश में स्वागत है।

देश को जातियों में बांटने की कोशिश दुर्भाग्यपूर्ण, नीतीश की जाति आधारित जनगणना मात्र राजनीतिः शान्ता कुमार

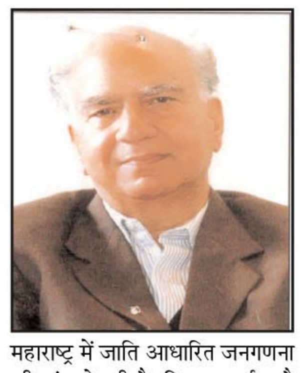

पालमपुर, (हि.स.)। हिमाचल प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री शान्ता कुमार ने कहा कि नीतीश कुमार अपनी राजनीति चमकाने के लिए बिहार में जाति आधारित जनगणना करवा रहे हैं। उस पर लगभग 500 करोड़ रुपये खर्च होंगे। शान्ता कुमार ने शुक्रवार को यहां जारी एक वक्तव्य में कहा कि 1857 के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम से घबरा कर अंग्रेजों ने भारत को हमेशा गुलाम रखने के लिए दो निर्णय किये थे। हिन्दु-मुस्लिम को लड़ाना और भारत में जातियों के आधार पर बंटवारा करना। उसके लिए 1931 में जाति आधारित जनगणना की योजना बनाई। महात्मा गांधी ने इसका विरोध किया। पूरे देश में इतना अधिक विरोध हुआ कि जाति गणना नहीं करवाई जा सकी। बाद में एक बार कर्नाटक में जाति आधारित जनगणना करवाई गई थी परन्तु उसका परिणाम कभी भी घोषित नहीं किया गया। अंग्रेज भारत को जातियों में बांटने में तो सफल नहीं हुए परन्तु उन्होंने हिन्दू-मुस्लिम को लड़ा कर 1947 में भारत का विभाजन करवा दिया, जिसमें 10 लाख बेगुनाह मारे गये और एक करोड़ अपने घरों से विस्थापित हुए। उन्होंने कहा कि बिहार के बाद अब महाराष्ट्र में जाति आधारित जनगणना की मांग हो रही है। कितना दुर्भाग्य है कि भारत को जाति आधारित षड्यंत्र से तोड़ने का जो काम अंग्रेज नहीं कर सके, उस काम को अब नीतीश कुमार और वोट की राजनीति करने वाले नेता कर रहे हैं। भारत में हजारों जातियां और लाखों उपजातियां हैं। यह भानुमती का पिटारा नहीं खुलना चाहिए। उन्होंने कहा कि भारत के सभी देश भक्त नेता इसका विरोध करते रहे। संविधान सभा में एक ऐतिहासिक भाषण में डा. अम्बेडकर ने कहा था कि भारत में जातियां राष्ट्र विरोधी हैं। जातियों में बांट कर देश को हानि हुई है। यदि एक राष्ट्र बनाना है तो जातियां समाप्त करनी होगी। शांता कुमार ने कहा कि यह एक ऐतिहासिक सच्चाई है कि जब भारत छोटे-छोटे प्रदेशों और जातियों में बंटा था तो भारत में गुलामी आई थी। एक भारत टूटने से ही हजारों साल की गुलामी भारत ने सही। लाखों शहीदों की कुर्बानियों से भारत आजाद हुआ है। अब आजाद भारत को जातियों में बांटने की कोशिश दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्होंने कहा कि समय आ गया है, जब भारत की एकता के लिए और गरीबी को पूरी तरह से समाप्त करने के लिए जाति आधारित आरक्षण को समाप्त करके केवल आर्थिक आधार पर आरक्षण देना होगा। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि हिमाचल और राजस्थान में 1977 में अन्त्योदय योजना द्वारा आर्थिक आधार पर गरीबी को दूर करने का प्रयोग किया गया था। 1977 में मुख्यमंत्री बनने पर हिमाचल प्रदेश में अन्त्योदय योजना शुरू की थी। प्रदेश के सबसे गरीब एक लाख लोग चुने गये थे। उनमें सभी जातियों के गरीब लोग थे। दो साल में उनमें 30 प्रतिशत लोग गरीबी की रेखा से ऊपर हो गये थे। उन्होंने कहा कि यदि 1977 में पूरे देश में अन्त्योदय योजना से आर्थिक आधार पर आरक्षण दिया गया होता तो आज भारत में एक भी गरीब नहीं होता।

सर्वे में खुलासा बड़ी संख्या में राजधानी की स्ट्रीट लाइटें खराब

राकेश शर्मा

नई दिल्ली। ज्यादातर सड़कों पर अंधेरा रहने से राजधानी के लोग असुरक्षित सफर करने को मजबूर हैं। बुधवार रात दिल्ली में 126 किलोमीटर की लंबाई के 143 प्रमुख मार्गों व स्थानों पर कुल 1116 स्ट्रीट लाइटें खराब थीं। ये खुलासा दिल्ली ट्रैफिक पुलिस व पीसीआर के सर्वे में सामने आया है। कुछ स्ट्रीट लाइट एक माह से खराब हैं। ऐसे में दिल्ली के डार्क स्पॉट खत्म होने का नाम नहीं ले रहे हैं। इस मामले को उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने भी संज्ञान में लिया और महिला सुरक्षा को लेकर गुरुवार को बैठक में नगर निगम एनडीएमसी और पीडब्ल्यूडी के अधिकारियों को जमकर लताड़ लगाई। पूरी दिल्ली में प्रमुख मार्गों पर लगी स्ट्रीट लाइटों का हर रात निरीक्षण किया जाता है। पुलिस सर्वे के बाद खराब स्ट्रीट लाइटों की सूचना संबंधित विभागों को भेजती है। पुलिस ने चार जुलाई 22 को सर्वे किया था जिसके तहत 280 मार्गों व स्थानों पर 3482 स्ट्रीट लाइटें खराब थीं। इसी तरह छह फरवरी 2023 को कुल 2740 लाइटें खराब मिलीं। इनमें से 1437 लाइटें एक महीने से खराब थीं इन्हें ठीक करने के लिए संबंधित विभागों को कई बार लिखा गया था। वहीं ट्रैफिक पुलिस व पीसीआर यूनिट ने बुधवार रात भी खराब स्ट्रीट लाइटों को लेकर सर्वे किया तो 1116 स्ट्रीट लाइटें खराब मिलीं। इनमें से भी कई एक माह से खराब थीं।

खास बात ये भी है कि सुरक्षा के लिहाज से अति संवेदनशील मनाने जाने वाले इलाकों में भी स्ट्रीट लाइटें खराब थीं। पुलिस अधिकारियों के अनुसार उपराज्यपाल ने दिल्ली पुलिस को महिलाओं की सुरक्षा बढ़ाने के आदेश दिए हैं। ऐसे में पुलिस इस तरह के सर्वे आगे भी करवाती रहेगी। उपराज्यपाल के आदेश पर पुलिस सर्वे कर रही है।

केंद्र ने चीन सहित छह देशों के लिए कोरोना जांच की निगेटिव रिपोर्ट को सुविधा पोर्टल पर अपलोड करने के नियम को हटाया

नई दिल्ली, (हि.स.)। केंद्र सरकार ने चीन सहित छह देशों के लिए कोरोना जांच की नेगेटिव रिपोर्ट को सुविधा पोर्टल पर अपलोड करने के नियम को हटा दिया है। हालांकि एयरपोर्ट पर अंतरराष्ट्रीय यात्रियों में 2 प्रतिशत रैंडम टेस्टिंग जारी रहेगी। इस संबंध में केन्द्रीय स्वास्थ्य सचिव राजेश भूषण ने 9 फरवरी को नागरिक उड्डयन सचिव राजीव बंसल को चिट्ठी लिख कर इस नियम को संशोधित करने को कहा है। एयर सुविधा पोर्टल पर 13 फरवरी से चीन, सिंगापुर, हॉगकॉग, कोरिया, थाईलैंड और जापान से आने वाले यात्रियों को कोरोना नेगेटिव रिपोर्ट अपलोड करने की आवश्यकता नहीं होगी। हालांकि सभी अंतरराष्ट्रीय यात्रियों के लिए दो प्रतिशत रैंडम जांच की व्यवस्था जारी रखी जाएगी। स्वास्थ्य सचिव द्वारा लिखे पत्र में कहा गया है कि पिछले चार हफ्तों में इन देशों में कोरोना के मामलों में गिरावट देखी गई है। इसके साथ विश्व स्वास्थ्य संगठन ने भी कोरोना के मामलों में 89 प्रतिशत की कमी की पुष्टि की है। राजेश भूषण ने पत्र में कहा है कि भारत में भी नए मामलों की संख्या 100 से कम हो गई है। इसलिए इन छह देशों से आने वाले यात्रियों के लिए एयर सुविधा पोर्टल पर स्वघोषित फार्म भरे जाने और कोरोना निगेटिव प्रमाणपत्र को अपलोड करने की अनिवार्यता को हटा दिया जाना चाहिए। सचिव ने कहा है कि स्वास्थ्य मंत्रालय कोरोना के मद्देनजर समय समय पर दिशा-निदेर्शों में परिस्थिति के अनुरूप बदलाव करता है। मौजूदा स्थिति को देखते हुए 13 फरवरी से इस नियम को संशोधित किया गया है।

पंजाबी बाग इलाके की झुग्गियों में लगी भीषण आग

आशीष वर्मा

नई दिल्ली। पश्चिमी जिले के पंजाबी बाग इलाके में गुरुवार रात झुग्गियों में आग लग गई। आग की लपटें इतनी भयावह थी कि कई झुग्गियां जलकर राख हो गईं और लोगों के समान जल गए। इस घटना के बाद पूरे इलाके में हड़कंप मच गया। हालांकि घटना में जानमाल का कोई नुकसान नहीं हुआ। पुलिस के अनुसार, पंजाबी बाग इलाके के ट्रांसपोर्ट नगर की झुग्गियों में आग लग गई। सूचना मिलने पर फायर ब्रिगेड की कई गाड़ियां और पुलिस की टीम घटनास्थल पर पहुंची और कई घंटों की मशक्कत के बाद 50 फायर ब्रिगेड कर्मियों की टीम ने आग पर काबू पाया। फिलहाल फायर ब्रिगेड की टीम के द्वारा कूलिंग का काम किया जा रहा है। वहीं दमकल विभाग के अनुसार, गुरुवार देर रात 1:45 बजे सूचना मिली की पंजाबी बाग की झुग्गियों में आग लगी है। मौके पर अलग-अलग फायर स्टेशनों से आग बुझाने वाली 10 गाड़ियां भेजी गई। लगभग सवा तीन घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद सुबह 5:00 बजे आग पर काबू पाया गया। फिलहाल कूलिंग का काम किया जा रहा है। इस आग की घटना में कितनी झुग्गियां जली हैं, इसका अभी पता नहीं चल पाया है। इसकी जांच स्थानीय पुलिस द्वारा की जा रही है। वहीं आग लगने की वजह का भी पता फिलहाल नहीं चल पाया है। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है।

भारत की बढ़ती साख में उद्योग जगत का विशेष योगदानः राजनाथ सिंह

– मोदी के नेतृत्व में उद्योगों को लेकर लोगों की धारणा बदली

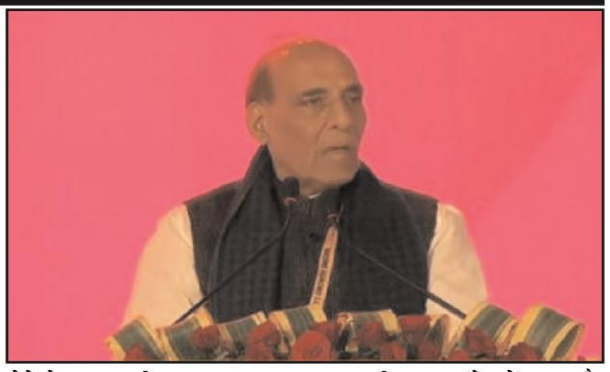

लखनऊ, (हि.स.)। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने शुक्रवार को उत्तर प्रदेश ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट को संबोधित करते हुए कहा कि भारत की लगातार बढ़ती साख में उद्योग जगत का विशेष योगदान है। उन्होंने कहा कि छद्म समाजवाद ने भारत के औद्योगीकरण को नुकसान पहुंचाया। पहले से स्थापित उद्योगों को बर्बाद करने का काम किया गया। उद्योगों के खिलाफ माहौल बनाया गया लेकिन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में अब यूपी व देश में उद्योगों को लेकर लोगों की धारणा बदली है। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर भरोसा होने के कारण ही आज नए भारत का नया उत्तर प्रदेश आकार ले रहा है। पुराने व अप्रभावी कानूनों को वर्तमान नेतृत्व ने बदलने का काम किया है। अब यूपी मतलब शिक्षा हब, यूपी मतलब इंवेस्टमेंट हब और यूपी मतलब निवेश फ्रेंडली माहौल वाला प्रदेश है। विदेशों से आए डेलीगेशन और इन्वेस्टर्स का उत्तर प्रदेश में स्वागत है।

देखिए सोशल मीडिया पर शेयर हो रही मन्दिर निर्माण की ताजा तस्वीरें

अयोध्या, (हि. स.)। श्री राम जन्मभूमि तीर्थक्षेत्र के निमार्णाधीन गर्भगृह में चौखठ पूजन कर चौखठ (उंबरा) लगाने का कार्य प्रारंभ हो गया है। मकर संक्रांति 2024 से मन्दिर को राम भक्तों को दर्शन के लिए खोलने की तैयारी तेज गति से चल रही है। शुक्रवार को श्रीराम जन्मभूमि तीर्थक्षेत्र ट्रस्ट महासचिव चम्पत राय ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर मंदिर निर्माण कार्य की आज ली गई फोटो साझा की हैं। अभी विगत दिनों श्री राम जन्मभूमि तीर्थक्षेत्र के निमार्णाधीन गर्भगृह में विधि विधान द्वारा पहली चोखठ (उंबरा)लगाकर पूजा सम्पन्न किया गया था। जिसमें ट्रस्ट सदस्य जिलाधिकारी नितीश कुमार, एल एंड टी के विनोद मेहता, टाटा से विनोद शुक्ला, ट्रस्टी डॉअनिल मिश्रा आदि उपस्थित थे। ट्रस्ट द्वारा जारी की गई ताजा फोटो से मन्दिर निर्माण कार्य अब स्पष्ट रुप से दिखाई देने लगा है। मन्दिर निर्माण कार्य अपने तय समय सीमा से पहले तैयार कर लिया जायेगा। मन्दिर निर्माण का अभी तक70 प्रतिशत से भी अधिक कार्य पूर्ण कर लिया गया है।

दिन में गर्मी ने असर दिखाना शुरू किया, रात और सुबह सामान्य सर्दी बरकरार

कानपुर, (हि.स.)। मौसम में बदलाव अब दिखने लगा। सूरज की किरणे शुक्रवार सुबह से अपनी तेज का असर दिखाना शुरू कर दिया। रात एवं दिन के तापमान में उतार-चढ़ाव फिलहाल जारी रहेगा। जबकि गुरुवार को दिन के तापमान में 04.4 डिग्री की वृद्धि हुई लेकिन रात का पारा दो डिग्री गिर गया। अनुमान है कि शुक्रवार से रविवार तक हवाएं तेज चलेंगी। सीएसए यूनिवर्सिटी के मौसम विज्ञानी डॉ. एस.एन. सुनील पांडेय ने बताया कि पश्चिमी विक्षोभ के कारण तापमान में वृद्धि होगी। इसके बाद जब पश्चिमी विक्षोभ का असर खत्म हो जाएगा तो फिर तापमान में गिरावट दर्ज की जाएगी। सात फरवरी को अधिकतम पारा 30.8 तक चला गया। अगले ही दिन बुधवार को 24 डिग्री पर आ गया। फिर गुरुवार को तापमान 04.4 डिग्री बढ़कर 28.4 डिग्री पर पहुंच गया जो सामान्य से 5.4 डिग्री अधिक है। रात के तापमान में दो डिग्री की कमी आई और तापमान 12.4 से 10.4 डिग्री पहुंच गया। यह सामान्य से दो डिग्री अधिक है। शुक्रवार सुबह से ही कड़ी धूप निकली हुई है।

तापमान में लगातार वृद्धि जारी – मौसम विज्ञानी के मुताबिक उत्तर पश्चिमी तेज हवाएं चलने के बावजूद तापमान में वृद्धि जारी है। हवा की रफ्तार 20 किमी प्रति घंटा तक रही। पर इससे तापमान में कोई विशेष प्रभाव नहीं पड़ा। धूप चढ़ने से नमी का प्रतिशत भी कम होने लगा है। पश्चिमी विक्षोभ के पहले बढ़ने और फिर असर कम होने के कारण तापमान में उतार-चढ़ाव बना हुआ है।

देवघर में महाशिवरात्रि पर भोलेनाथ की होगी चार प्रहर पूजा

रांची, (हि.स.)। महाशिवरात्रि 18 फरवरी को है। देवघर बाबा मंदिर में रात नौ बजे तक जलार्पण के बाद मंदिर का पट बंद कर दिया जायेगा। साढ़े नौ बजे से बाबा भोलेनाथ की चार प्रहर की विशेष पूजा की जायेगी। इसके लिए मंदिर प्रशासन ने तैयारी तेज कर दी है। महाशिवरात्रि पर परंपरा के अनुसार बाबा भोलेनाथ की श्रृंगार पूजा नहीं होगी। सेंट्रल जेल के कैदियों के बनाए मुकुट को बाबा मंदिर भेजने की परंपरा नहीं होगी। इस मुकुट को बासुकिनाथ भेजा जायेगा। जेल के कर्मचारी पूरी पवित्रता के साथ बासुकिनाथ मंदिर को सौंपेंगे। बाबा मंदिर प्रशासनिक भवन से पारंपरिक बारात निकाली जायेगी। यह बारात रात करीब सवा नौ बजे से ढोल नगाड़े की थाप पर मंदिर कर्मी सरु राउत मशाल जलाकर बारात की अगुवानी करेंगे। बारात के साथ सरदार पंडा श्रीश्री गुलाबनंद ओझा, आचार्य गुलाब पंडित, उपचारक भक्तिनाथ फलहारी सहित चार प्रहार पूजा में लगने वाले सभी पूजा सामग्री को लेकर भंडारी और सिकदार निकास द्वार पहुंचेंगे। बारात को यहां संपन्न कर सभी लोग गर्भगृह में प्रवेश करेंगे। इसके बाद बाबा भोलेथ की चार प्रहर पूजा प्रारंभ होगी। चार प्रहर की पूजा के दौरान हर प्रहर में बाबा को दूध, दही, घी, मधु शक्कर, गुलाब जल, इत्र आदि अर्पित करने के बाद बाबा के पर चावल, डाभ, धतूरा आदि चढ़ाये जायेंगे। इसके बाद धोती-चादर चढ़ायी जायेगी। बाबा को वर की तरह माला आदि पहनाकर दूल्हे की तरह सजाने के बाद विग्रह पर साड़ी व श्रृंगार सामग्री अर्पित कर विग्रह पर सरदार पंडा बेलपत्र से सिंदूर अर्पित कर हर प्रहर की पूजा को संपन्न करेंगे। उल्लेखनीय है कि साल में एक बार महाशिवरात्रि पर ही बाबा के विग्रह पर सिंदूर अर्पित करने की परंपरा है।

मुख्यमंत्री के पिता शिबू सोरेन की तबीयत स्थिर

-इलाजरत पिता से मिलने पहुंचे हेमंत सोरेन

रांची, (हि.स.)। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के पिता और राज्यसभा सांसद शिबू सोरेन की गुरुवार को अचानक तबीयत बिगड़ने पर आनन-फानन में रांची के मेदांता अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां डॉक्टर अमित कुमार की निगरानी में उनका इलाज चल रहा है।

चिकित्सकों के मुताबिक उनकी छाती में इंफेक्शन की शिकायत है, फिलहाल शिबू सोरेन की हालत स्थिर बताई जा रही है। पिता शिबू सोरेन की तबीयत खराब होने की सूचना मिलते ही मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन खुद उनका हाल जानने गुरूवार देर शाम अस्पताल पहुंचे। इसके साथ ही राज्य के कृषि मंत्री बादल पत्रलेख भी अस्पताल में शिबू सोरेन के स्वास्थ्य का हाल जानने पहुंचे। मुख्यमंत्री और उनकी पत्नी कल्पना सोरेन करीब तीन घंटे तक शिबू सोरेन के साथ समय बिताए और डॉक्टरों से उनके स्वास्थ्य की जानकारी ली।

रक्सौल के सन्नी ने एनटीए परीक्षा में मारी बाजी, पिता चलाते है पान दुकान

-लगा बधाईयों का तांता

मोतिहारी, (हि.स.)। जिले के सीमाई शहर रक्सौल शहर के सन्नी ने अपने लगन मेहनत बुलंद हौसले से वो कर दिखाया है,जिस पर रक्सौल ही नहीं पूरे जिले के लोग गर्व की अनुभूति कर रहे है। सन्नी ने देश की अहम परीक्षा एनटीए अर्थात नेशनल टेस्टिंग एजेंसी की परीक्षा में 96 परसेंटाइल अंक के साथ उत्तीर्ण किया है। उल्लेखनीय है,कि सन्नी के पिता कृष्णा यादव रक्सौल के नहर चौक पर एक छोटा सा पान की दुकान चलाते हैं। जिससे कम आमदनी होती है लेकिन बचपन से ही कुशाग्र बुद्धि के अपने पुत्र सन्नी को पढाने में काफी संघर्ष किया। आज उनके बेटे ने उनके सपनो को मानो पंख सा लगा दिया है। बताते है कि सन्नी की प्रारम्भिक पढ़ाई रक्सौल शहर के लक्ष्मीपुर स्थित एसएवी विद्यालय से हुई उसके बाद नवोदय विद्यालय में दाखिला लेकर वर्ष 2022 में 2 में सफलता पाई। अब उसने इस मुकाम को हासिल किया है। उसके इस उपलब्धि पर उनके पिता के साथ एसएवी विद्यालय के प्राचार्य साइमन रेक्स, शिक्षक विक्टर देका, नीतीश कुमार, अभिमन्यु कुमार एवं मंदीप कुमार काफी प्रफुल्लित है। सन्नी के घर पर बधाई देने वाले लोगो का तांता लगा हुआ है, जिसमे शहर के कई गणमान्य लोग शामिल है।

क्या है एनटीए – मानव संसाधन विकास मंत्रालय के द्वारा शिक्षा व्यवस्था में बड़े सुधार के लिए गठित एनटीए का पूरा नाम नेशनल टेस्टिंग एजेंसी है। जो भारत में राष्ट्रीय स्तर पर परीक्षाओं का आयोजन कराता है। इसके द्वारा देश के विभिन्न उच्च शिक्षण संस्थानों में प्रवेश व फैलोशिप के लिए परीक्षाएं आयोजित कराई जाती है।

ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट को लेकर कानपुर में वाहनों के आवागमन में प्रतिबंध

कानपुर, (हि.स.)। ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के आयोजन को लेकर शहर के यातयात में नो एंट्री को लेकर परिवर्तन किया गया है। शुक्रवार से नो एंट्री का समय सुबह पांच बजे से 11 बजे तक रहेगा। यह प्रतिबंध 15 फरवरी तक लागू रहेगा। डीसीपी यातायात तेज स्वरूप सिंह ने शुक्रवार को बताया कि सभी ट्रांसपोर्ट यूनियन एवं व्यवसायिक वाहनों के संचालकों को सूचित किया गया है कि ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट की वजह से शहर के अंदर यातायात को व्यवस्थित करने के लिए 10 फरवरी से 15 फरवरी तक यह नो एंट्री का परिवर्तित समय लागू रहेगा। किसी भी दशा में कोई भी व्यवसायिक वाहन सुबह पांच बजे से रात्रि 11 बजे तक शहर के अंदर प्रवेश ना करें। उन्होंने बताया कि ऐसे सभी मालवाहन एवं भारी माल वाहन 16 चक्के अथवा उससे बड़े वाहन व ट्रेलर आदि जो दिल्ली, पश्चिमी उप्र, हिमाचल, हरियाणा, पंजाब, जम्मू, मध्य प्रदेश तथा राजस्थान आदि राज्यों की तरफ से आ रहे हैं और जिन्हें बिहार, झारखण्ड, पश्चिम बंगाल, पूर्वोत्तर के राज्य जैसे- सिक्किम, आसाम, मणिपुर, मेघालय, मिजोरम, नागालैण्ड, अरुणाचल प्रदेश और त्रिपुरा आदि को जाना है वे कानपुर से प्रयागराज, वाराणसी, बक्सर, पटना बाईपास से, सोनपुर होते हुए निकले। इसके अतिरिक्त दूसरे वैकल्पिक मार्ग कानपुर से प्रयागराज, वाराणसी, भभुआ, सासाराम होते हुए आगे की ओर यात्रा करें। यह प्रतिबन्ध नौ फरवरी की सुबह से 13 फरवरी तक के लिए लागू रहेगा। दूसरी सूचना के मुताबिक छह और आठ चक्कों के सामान्य आकार वाले ट्रकों को उन्नाव की सीमा से लखनऊ की तरफ रात्रि के 11:00 बजे के बाद एवं सुबह 04:00 बजे तक जाने की अनुमति दो जाएगी। अतएव ऐसे सभी ट्रक जो दिल्ली अथवा आस-पास के क्षेत्र राजस्थान, पंजाब, हरियाणा, हिमाचल, पश्चिमि उप्र व मध्य प्रदेश आदि से आ रहे हो और यदि उन्हे लखनऊ की तरफ जाना है तो उन्हें कानपुर नगर से लखनऊ की ओर जाने की अनुमति रात्रि 9:30 के बाद से सुबह 2:15 तक ही दी जायेगी, उसके पश्चात पुनः ऐसे ट्रकों पर नो-एंट्री जारी रहेगी। इसी तरह सभी छह से आठ चाक्का के ट्रक एवं मालवाली वाही स्वयं इस समय का पालन करें अतः नौ फरवरी से 13 फरवरी तक इस निर्देश के क्रम में चलना है।

तीसरा महत्वपूर्ण परिवर्तन – सूचना सभी वाहन बड़े ट्रक एवं ट्रेलर जो पंजाब, हरियाणा, हिमाचल, दिल्ली, पश्चिमी उप्र, राजस्थान, मप्र व उत्तराखण्ड आदि राज्यों से आ रहे है और जिन्हें बाराबंकी, अयोध्या, गोरखपुर, कुशीनगर, देवरिया, उत्तर बिहार के पूर्वी चम्पारन, पश्चिमी चम्पारन, गोपालगंज, सीवान, छपरा, वैशाली, मधुवनी, खगरिया इत्यादि क्षेत्रों को जाना है वे कानपुर से प्रयागराज होते हुए जौनपुर, आजमगढ़ होते हुए जाने का कष्ट करें और अपना अप्रितिम्भ सहयोग प्रदान करें।

चौथा परिवर्तन – उत्तर भारत के सभी प्रमुख शहरों दिल्ली, गाजियाबाद, चंडीगढ़, लुधियाना, जम्मू, देहरादून, जयपुर, अजमेर, अलवर , भोपाल, झांसी, आगरा, मथुरा, अलीगढ़ व कानपुर आदि स्थित सभी ट्रांसपोटरों से अनुरोध है कि वे इस समय सारणी का स्वयं भी उपयोग करें तथा उत्तर भारत के सभी राज्यों, पश्चिमी उप्र, मध्य उ.प्र. के सभी ट्रांसपोटरों से साथ ही विभिन्न राज्यों के ट्रांसपोटरों से इस सूचना को ज्यादा से ज्यादा साझा कर अपने लिए व सभी के लिए जनहित में सहयोग करने का कष्ट करें।

पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे पर दुर्घटना में मोटर साइकिल सवार पिता-पुत्री की मौत

आजमगढ, (हि.स.)। बिलिरयागंज थानाक्षेत्र स्थित पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे पर शुक्रवार को वाहन की चपेट में आने से मोटर साइकिल सवार पिता-पुत्री की मौत हो गई। पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। मुबारकपुर थाना क्षेत्र के मुबारकपुर कस्बे के बवाली मोड़ निवासी 24 वर्षीय अभिताभ तीन साल की बेटी सुनैना को लेकर ससुराल जाने के लिए जौनपुर के लिए घर से बाइक पर आज निकले थे। बिलरियागंज के श्रीनगर सियरहा के पास पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे के पास पहुंचने पर अज्ञात वाहन ने उनकी मोटर साइकिल में टक्कर मार दी। हादसे में पिता-पुत्री की मौत हो गई। सूचना के बाद पहुंची पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर मामले की जांच शुरू कर दी है।

सोनमेर माता मंदिर परिसर में शिव - पार्वती की प्राण प्रतिष्ठा शुरू, निकली भव्य कलाश यात्रा

खूंटी, (हि.स.)। कर्रा प्रखंड के ऐतिहासिक सोनमेर माता मंदिर प्रांगण में शिव-पार्वती की प्रतिमा की प्राण प्रतिष्ठा के पहला दिन शुक्रवार को भव्श कलश यात्रा निकाली गई। 31 सौ महिलाओं ने कलश यात्रा में शामिल होकर पांच किलोमीटर दूर नंगे पांव छाता नदी पहुंचकर गंगा पूजा किया और वहां से पवित्र जल लेकर श्रद्धालु सोनमेर मंदिर प्रांगण पहुंचे और मंदिर की परिक्रमा की। मुख्य पुजारी किशोर बड़ाईक और अमित साहू सपत्निक अनुष्ठान में शामिल हुए। आचार्य राम मोहन पंडा द्वारा गंगा और धरती माता की पूजा के साथ सभी धार्मिक अनष्ठान संपन्न कराये। डोल-नगाड़े और पैका नृत्य के साथ निकाली गई एक किलोमीटर से अधिक लंबी कलश यात्रा की भव्यता देखते बनती थी।

पूरा वाताचरण हर-हर महादेव जय भोलेनाथ की जयकारों से गुंजायमान रहा। प्राण प्रतिष्ठा को लेकर सोनमेर माता मंदिर परिसर में एक सप्ताह पहले से ही बकरे की बलि पर प्रतिबंध लगा दिया गया है।

बिहार के गोपालगंज में सड़क हादसे में चार की मौत

पटना/गोपालगंज, (हि.स.)। बिहार के गोपालगंज जिले में तेज रफ्तार के कारण सड़क हादसे में चार लोगों की मौत हो गई है। गोपालगंज जिले के श्रीपुर ओपी के मिश्र बतरहा गांव के पास पिकअप वैन और बाइक में भिड़ंत हो गई। जिससे पिकअप पर सवार दो बराती और बाइक पर सवार दो लोग समेत कुल चार लोगों की मौत हो गई। बताया जा रहा है कि शादी समारोह से गुरुवार की देर रात पिकअप वाहन लौट रहा था। इस दौरान सामने से आ रहे दो साइकिल सवार को बचाने की चक्कर में पिकअप वाहन अनियंत्रित होकर दो साइकिल सवार लोगों पर पलट गयी। जिससे साइकिल सवार दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि पिकअप पलट जाने से उसपर सवार दो लोगों की मौत हो गयी। जानकारी के अनुसार, मीरगंज थाना क्षेत्र के कालोपट्टी गांव से रमेश पांडेय की बेटी की शादी को लेकर उत्तर प्रदेश में बारात गयी थी।

रात में ही शादी समारोह से पिकअप वाहन लौट रहा था। तभी मिश्र बतरहां गांव के पास पहुंचते ही चालक ने वाहन से नियंत्रण खो दिया और पिकअप वाहन साइकिल सवार दोनों लोगों पर पलट गयी। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया है।

कब्रिस्तान की अनाधिकृत दीवार नहीं तोड़े जाने के खिलाफ गिरिराज करेंगे आमरण अनशन

पटना, (हि.स.)। केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने बेगूसराय इलाके में एक कब्रिस्तान की अनधिकृत दीवार नहीं तोड़े जाने से विकास कार्यों में हो रही परेशानी को लेकर आंदोलन की बात कही है। मामला सिमरिया-खगड़िया फोरलेन सड़क निर्माण से जुड़ा है, जहां सड़क निर्माण का कार्य चल रहा है। गिरिराज सिंह ने कहा है कि बेगूसराय को संवारने और 6 लेन सड़क बनाने के लिए ना जाने कितने मंदिर तोड़े गए लेकिन एक कब्रिस्तान की अनाधिकृत दीवार सड़क और शहर की चमक फीकी और दुर्घटना को न्योता दे रही है। अगर सर्विस लेन का निर्माण जल्द नहीं कराया गया तो आंदोलन होगा। गिरिराज सिंह ने सोशल मीडिया पर इस खबर को ट्विट करते हुए लिखा है कि किस तरह से कब्रिस्तान की अनाधिकृत दीवार नहीं तोड़े जाने से सड़क निर्माण में बाधा आ रही है। प्रशासन से सवाल करते हुए गिरिराज सिंह ने कहा है कि पता नहीं क्यों प्रशासन के हाथ पांव फुले हुए हैं? सांसद प्रतिनिधि अमरेंद्र कुमार अमर ने मीडिया से बातचीत में कहा कि फोरलेन सड़क निर्माण के लिए सिमरिया से खगड़िया के बीच कई जगह मंदिरों को तोड़ा गया। यदि तीन माह के भीतर कब्रिस्तान के समीप सर्विसलेन सड़क निर्माण नहीं हुआ तो केंद्रीय मंत्री आमरण अनशन पर बैठेंगे।

उल्लेखनीय है कि वर्ष 2016 में 567 करोड़ रुपये की लागत से 61 किलोमीटर लम्बी सिमरिया-खगड़िया फोरलेन सड़क निर्माण कार्य प्रारम्भ किया गया था। निर्माण एजेंसी पुंज लॉयड के प्रोजेक्ट मैनेजर अजय कुमार सिंह का कहना है कि सिमरिया-खगड़िया फोरलेन सड़क निर्माण का कार्य पूरा कर लिया गया है। मार्च में इस नवनिर्मित फोरलेन सड़क को भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण को सुपुर्द कर दिया जायेगा।

ग्लोबल इन्वेस्टर समिट में कानपुर के लिए होगा सबसे अधिक निवेश

कानपुर, (हि.स.)। प्रदेश की राजधानी लखनऊ में शुक्रवार से शुरू होने वाले ग्लोबल इन्वेस्टर समिट में औधोगिक नगरी छाएगी। निवेश के इस महाकुंभ में अकेले कानपुर के लिए 85 हजार करोड़ रुपए से अधिक निवेश किया जाएगा। सबसे अधिक एमओयू ऊर्जा, रियल एस्टेट, डेयरी, पशुपालन, केमिकल में किए गए है।

निवेश महाकुंभ का सीएसए में होगा लाइव प्रसारण – उपायुक्त उद्योग सुधीर श्रीवास्तव ने बताया कि निवेश के महाकुंभ का शुक्रवार से लखनऊ में शुरू होगा और 12 फरवरी तक चलेगा। समिट का सीएसए के कैलाश भवन सभागार में लाइव प्रसारण किया जाएगा। 12 फरवरी को जीटी रोड के एक होटल में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के संबोधन का लाइव प्रसारण होगा। पन्द्रह दिन पूर्व 75 हजार करोड़ रुपए के निवेश एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए थे। लेकिन अब आंकड़ा बढ़कर 85 हजार करोड़ हो गया है। यानी 15 दिन में 10 हजार करोड़ का नया निवेश आ चुका है। प्रदेश में निवेश के लिहाज से कानपुर टॉप थ्री जिलों में से एक है। उपायुक्त उद्योग ने बताया कि कॉरपोरेट में 1.5 करोड़, कृषि विभाग 108 करोड़, पशुपालन 81.7 करोड़, डेयरी 628 करोड़, ऊर्जा विभाग 3,500 करोड़, एक्साइज विभाग 50 करोड़, मेडिकल विभाग 878, अतिरिक्त ऊर्जा विभाग 16,450 करोड़, करोड़, एमएसएमई और निर्यात प्रोत्साहन 9,229.91 करोड़, हैंडलूम और टेक्सटाइल विभाग 584.51 करोड़, आईटी और इलेक्ट्रॉनिक्स विभाग 3825 करोड़, उप्र स्टेट इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट अथॉरिटी 13,299 करोड़ और अर्बन डेवलपमेंट में 17253 करोड़ रुपए का भारी निवेश किया जाएगा। जेके सीमेंट ने 1200 करोड़ के निवेश के लिए एमओयू साइन किए हैं। कंपनी आगामी 12 महीनों में 500 करोड़ के निवेश से प्रयागराज में एक यूनिट लगाएगी। कंपनी यूपी में 700 करोड़ की दो परियोजनाओं पर पहले से ही काम कर रही है। कंपनी के डिप्टी एमडी और सीईओ माधव कृष्ण सिंघानिया ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में भाग लेंगे।

हाई कोर्ट का सख्त निर्देश, रांची में रात 10 बजे के बाद नहीं बजने चाहिए लाउडस्पीकर

रांची, (हि.स.)। झारखंड हाई कोर्ट के जस्टिस डॉ. एसएन पाठक की कोर्ट में शुक्रवार को रांची में प्रदूषण को लेकर कोर्ट के स्वतः संज्ञान पर सुनवाई हुई। कोर्ट ने ध्वनि प्रदूषण को लेकर शपथ पत्र दाखिल नहीं करने पर राज्य सरकार को कड़ी फटकार लगाई। कोर्ट ने मौखिक रूप से कहा कि रात में 10 बजे के बाद किसी भी हालत में रांची शहर में लाउडस्पीकर नहीं बजनी चाहिए। इस संबंध में अगर जरूरत पड़े तो एफआईआर किया जाए। कोर्ट ने रांची एसएसपी, ट्रैफिक एसपी एवं नगर आयुक्त को कहा कि वह मिलकर यह देखें की ध्वनि प्रदूषण की रोकथाम हो रही है या नहीं। ध्वनि प्रदूषण रोकथाम के संबंध में कोर्ट के आदेश का अनुपालन सुनिश्चित करें। सुनवाई के दौरान रांची डीसी , रांची एसएसपी एवं डिप्टी नगर आयुक्त कोर्ट में सशरीर उपस्थित हुए। कोर्ट ने मौखिक कहा कि रांची शहर में ध्वनि प्रदूषण की रोकथाम के लिए क्या कदम उठाए जा रहे हैं। इस संबंध में कोर्ट को जानकारी नहीं दी गई है जबकि कोर्ट ने पिछली सुनवाई में सरकार को ध्वनि प्रदूषण के लिए उठाए गए कदम के संबंध में रिपोर्ट देने को कहा था। इस पर रांची डीसी की ओर से कहा गया कि हाईकोर्ट के आसपास एवं अशोकनगर में साइलेंस जोन को लेकर होडिंग लगाए गए हैं। ध्वनि प्रदूषण को लेकर आठ प्राथमिकी दर्ज की गई है। कोर्ट ने कहा कि ध्वनि प्रदूषण की समस्या पूरे रांची में है। इसलिए पूरे शहर में ध्वनि प्रदूषण रोकने के लिए अभियान चलाया जाना चाहिए। कोर्ट ने मामले की सुनवाई 17 मार्च निर्धारित करते हुए राज्य सरकार को शपथ पत्र दाखिल करने का निर्देश दिया। कोर्ट ने अगली सुनवाई में रांची डीसी, रांची एसएसपी, ट्रैफिक एसपी सहित अन्य अधिकारियों की उपस्थिति से छूट प्रदान की।

मोतिहारी पुलिस ने दो लूटकांड का कुछ ही घंटो में किया उद्भेदन

-हरसिद्धि पेट्रोल पंप लूट में शामिल 3 अपराधी गिरफ्तार
-लूट का 95 सौ व आर्म्स, दो जिंदा कारतूस व दो मोबाइल फोन बरामद
-निजी बैंक कर्मी ने खुद रची थी लूट की साजिश, गिरफ्तार

मोतिहारी, (हि.स.)। जिला पुलिस को एक बार फिर बड़ी सफलता मिली है।दो लूटकांड का महज कुछ ही घंटो में उद्भेदन करते हुए इसमे शामिल अपराधियो को गिरफ्तार किया है। हरसिद्धि के मेहता टोला में पेट्रोल पंप लूट में तीन बदमाशो को पुलिस ने आर्म्स के साथ गिरफ़्तार कर लिया है। एसपी कांतेश कुमार मिश्र ने आज बताया कि डीएसपी अरेराज रंजन कुमार के नेतृत्व में पुलिस ने बदमाशों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार अपराधियों में हरसिद्धि जगापाकड़ रामनगर गांव का जितेंद्र पाल,रवीश कुमार व राकेश कुमार शामिल है। बदमाशों के पास से लूट का 9500 नगद,एक पिस्टल , दो जिंदा कारतूस व दो मोबाइल फोन बरामद किया गया है। यहां बता दें कि ओलहा मेहता टोला में पैक्स अध्यक्ष ओम प्रकाश मिश्र का पेट्रोल पंप से बदमाशों ने 8 फरवरी की शाम नोजल मैन से 10000 लूट लिया था। गिरफ्तार अपराधियो में जीतेन्द्र पाल वर्ष 2021 में चर्चित पैक्स अध्यक्ष पवन गुप्ता हत्याकांड में शामिल था। जो फरार चल रहा था। छापेमारी टीम में हरसिद्धि थानाध्यक्ष ज्वाला कुमार सिंह, दरोगा रवि रंजन कुमार, राजकुमार राय, कुमारी विभा भारती, जमादार सुबोध कुमार सिंह सहित सशस्त्र बल के जवान शामिल थे।

निजी बैंक कर्मी ने रची थी लूट की साजिश,पुलिस ने किया भंडाफोड़ – राहुल कुमार मिडलैंड फाइनेंस बैंक कर्मी पूरन छपरा चकिया ने घोड़ासहन के लौखान और बलान चौक के बीच बदमाशो द्वारा 82500 रुपये लूट लेने का केस दर्ज कराय था। रिपोर्ट मिलने के महज 5 घण्टे के अंदर टेक्निकल सेल की मदद से घटना का उद्भेदन कर दिया गया। उक्त राशि लूट की साजिश खुद राहुल ने ही रचा था। पुलिस ने उसके मोटर साइकिल की टूल बॉक्स से पूरा कैश व उसका सुपर स्प्लेंडर बाइक जब्त किया गया है। पुलिस टीम में एसडीपीओ सिकरहना राजेश कुमार, घोड़ासहन एसएचओ संतोष शर्मा, जितना अनिल कुमार, घोड़ासहन सतेंद्र कुमार सिंह, सिपाही अर्जुन पंडित, बिनय कुमार आदि शामिल थे।

संपादकीय

पीएम का चुनावी जवाब

प्रधानमंत्री मोदी ने न तो कांग्रेस नेता राहुल गांधी का नाम लिया और न ही अडानी-अंबानी सरीखे 'मित्र' उद्योगपतियों को लेकर कुछ कहा। प्रधानमंत्री ने इशारों में व्यंग्य जरूर किए। बल्कि यह कहा जाए कि उन्होंने तमाम 'दाग़दार' आरोपों की परवाह ही नहीं की। उन्हें एक तरफ सरका दिया और अपनी सरकार की प्रमुख उपलब्धियों का ही बखान किया। प्रधानमंत्री ने भ्रष्टाचार का ठीकरा कांग्रेस पर ही फोड़ा और 2004-मई, 2014 तक यूपीए सरकार के कालखंड को 'घोटालों का दशक' करार दिया। यदि प्रधानमंत्री मोदी राहुल गांधी के सवालिया आरोपों के जवाब देते, तो उससे आरोपों को ही वैधता मिलती। नतीजतन राहुल और कांग्रेस की राजनीति का एक

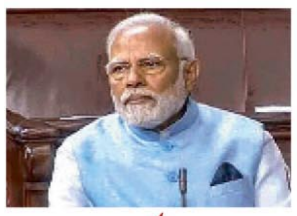

प्रधानमंत्री ने भ्रष्टाचार का ठीकरा कांग्रेस पर ही फोड़ा और 2004-मई, 2014 तक यूपीए सरकार के कालखंड को 'घोटालों का दशक' करार दिया। यदि प्रधानमंत्री मोदी राहुल गांधी के सवालिया आरोपों के जवाब देते, तो उससे आरोपों को ही वैधता मिलती। नतीजतन राहुल और कांग्रेस की राजनीति का एक चरण कामयाब हो सकता था। उससे आरोपों का सिलसिला भी बन सकता था और वे चुनावी मुद्दों में तबदील हो सकते थे। उस संभावित दुष्प्रचार का जवाब देते रहना, राजनीतिक तौर पर, मुश्किल होता। अब न केवल स्पीकर ओम बिरला ने, नियमों के तहत और सबूत पेश न करने के मद्देनजर, राहुल द्वारा चस्पा किए गए आरोपों को लोकसभा के रिकॉर्ड से निकलवा दिया, बल्कि प्रधानमंत्री के भाषण को जस का तस रिकॉर्ड में दर्ज करा दिया। बहरहाल राष्ट्रपति अभिभाषण पर सदन ने धन्यवाद प्रस्ताव पारित कर दिया, लेकिन विपक्ष की राजनीति में अडानी-अंबानी को लेकर प्रधानमंत्री पर जो सवाल थोपे जाते थे, वह अध्याय भी समाप्त हो गया। बहरहाल राष्ट्रपति अभिभाषण पर सदन ने धन्यवाद प्रस्ताव पारित कर दिया, लेकिन विपक्ष की राजनीति में अडानी-अंबानी को लेकर प्रधानमंत्री पर जो सवाल थोपे जाते थे, वह अध्याय भी समाप्त हो गया।

चरण कामयाब हो सकता था। उससे आरोपों का सिलसिला भी बन सकता था और वे चुनावी मुद्दों में तबदील हो सकते थे। उस संभावित दुष्प्रचार का जवाब देते रहना, राजनीतिक तौर पर, मुश्किल होता। अब न केवल स्पीकर ओम बिरला ने, नियमों के तहत और सबूत पेश न करने के मद्देनजर, राहुल द्वारा चस्पा किए गए आरोपों को लोकसभा के रिकॉर्ड से निकलवा दिया, बल्कि प्रधानमंत्री के भाषण को जस का तस रिकॉर्ड में दर्ज करा दिया। बहरहाल राष्ट्रपति अभिभाषण पर सदन ने धन्यवाद प्रस्ताव पारित कर दिया, लेकिन विपक्ष की राजनीति में अडानी-अंबानी को लेकर प्रधानमंत्री पर जो सवाल थोपे जाते थे, वह अध्याय भी समाप्त हो गया। विपक्ष की राजनीति का एक अहम पटाक्षेप भी हो गया, क्योंकि इस मुद्दे पर विपक्ष सर्वसम्मत नहीं हो पाया। सिर्फ राहुल गांधी और कांग्रेस 2024 के आम चुनाव तक 'अडानी अध्याय' को खींचते रहेंगे। 2019 के आम चुनाव में राफेल लड़ाकू विमान सौदे के संदर्भ में, कांग्रेस अध्यक्ष के तौर पर, राहुल गांधी ने जमकर प्रचार किया था-'चौकीदार चोर है।' प्रचार और चुनाव बेहद नाकाम रहे। संसद में इस बहस के बाद अब प्रधानमंत्री मोदी ने राजनीति के दो कालखंड तय कर दिए हैं। 2004-14 के 10 साल यूपीए सरकार बनाम 2014-24 के 10 साल मोदी सरकार...। इस तरह प्रधानमंत्री ने 2024 के चुनाव की आधार-भूमि भी तैयार कर दी है। उन्होंने पार्टी सांसदों, काडर और मंत्रियों को स्पष्ट निर्देश दिया है कि चुनाव प्रचार का फोकस सरकार के कामों और उपलब्धियों पर ही रहना चाहिए। उससे सत्ता-विरोधी लहर नहीं बनेगी। प्रधानमंत्री ने संसद में भी भरपूर विश्वास के साथ दावा किया है कि देश के 140 करोड़ लोगों के 25 करोड़ परिवार उनका सुरक्षा-कवच हैं। उसे कोई नहीं भेद सकता। जिन 81 करोड़ से ज्यादा गरीबों को मुफ्त राशन मिल रहा है, जिन्हें 3 करोड़ से अधिक पक्के घरों की छत नसीब हुई है, जिन महिलाओं के परिवारों में 11 करोड़ से ज्यादा शौचालयों के रूप में 'इज्जत घर' बनाए गए हैं, जिन करोड़ों घरों में नल से जल पहुंचना शुरू हो गया है, जिन गरीबों, पिछड़ों, आदिवासियों के गांवों में बिजली रोशन हुई है, वे मोदी पर भरोसा करेंगे या कांग्रेस पर...? इसी से स्पष्ट है कि मोदी और भाजपा का चुनावी जवाब क्या है?

कुछ अलग

पर्यटन अनुभव के लिए

हिमाचल में सैलानी नहीं और पर्यटन चाहिए, लेकिन इसके लिए ऐसे अध्ययन की जरूरत है जो बता सके कि प्रदेश यहां तक कैसे पहुंचा और इसके लिए निजी क्षेत्र का क्या योगदान रहा। पिछले एक वर्ष में हिमाचल को पर्यटन गंतव्य मान कर 1.27 करोड़ सैलानी अगर यहां पहुंचे, तो क्या हमने इन सभी का मुकम्मल सुविधाओं के साथ स्वागत किया या गिने गए सारे पर्यटक क्षमतावान थे। एक-एक पर्यटक के आगमन को पर्यटन आर्थिकी में समझना होगा। ऐसे में पर्यटन की अहमियत केवल डेस्टिनेशन नहीं, बल्कि हिमाचल के हर प्रवेश द्वार से आगे बढने तक का अनुभव है। दुर्भाग्यवश हम पर्यटन अनुभव की व्याख्या में योगदान नहीं कर रहे, बल्कि सैलानी खुद ही सोशल मीडिया के जरिए या अपने मोबाइल के माध्यम से दृश्यावलियों के मोह में यहां आ रहा है। प्रदेश को प्रकृति ने

प्रदेश को प्रकृति ने जितना खुशहाल किया है, उससे कहीं अधिक यानी राज्य की कुल आबादी से दो गुना पर्यटकों ने इसे कबूल किया है, फिर भी हम गोवा, राजस्थान, कर्नाटक या केरल जैसे राज्यों की तरह पर्यटन की क्षमता का दोहन नहीं कर पा रहे हैं। पर्यटन को एक सुदृढ़ व स्थायी परिवहन नीति की जरूरत है, जो पर्यटक वाहनों को प्रमुख भूमिका से जोड़े। हम अब तक यह कबूल नहीं कर रहे कि पिछले कुछ सालों से हिमाचल में युवा पर्यटन कई कारणों से बढ़ा है। युवा पर्यटकों को या तो निजी वोल्वो बसों ने हिमाचल से जोड़ा या निजी वाहनों के जरिए वे पहाड़ की खोज में निकल पड़े।

जितना खुशहाल किया है, उससे कहीं अधिक यानी राज्य की कुल आबादी से दो गुना पर्यटकों ने इसे कबूल किया है, फिर भी हम गोवा, राजस्थान, कर्नाटक या केरल जैसे राज्यों की तरह पर्यटन की क्षमता का दोहन नहीं कर पा रहे हैं। पर्यटन को एक सुदृढ़ व स्थायी परिवहन नीति की जरूरत है, जो पर्यटक वाहनों को प्रमुख भूमिका से जोड़े। हम अब तक यह कबूल नहीं कर रहे कि पिछले कुछ सालों से हिमाचल में युवा पर्यटन कई कारणों से बढ़ा है। युवा पर्यटकों को या तो निजी वोल्वो बसों ने हिमाचल से जोड़ा या निजी वाहनों के जरिए वे पहाड़ की खोज में निकल पड़े। ऐसे में हिमाचल परिवहन निगम को यह अध्ययन करना चाहिए था कि उसके माध्यम से कितने सैलानी आए या उसकी बसों को अगर यह भूमिका मजबूत करनी है, तो अलग से क्या करना होगा। मसलन हिमाचल को मसूरी, श्रीनगर, जयपुर, अमृतसर, ग्वालियर, वृंदावन और कुरुक्षेत्र के लिए बस सेवाओं को पर्यटन बस सेवा में बदलने के लिए क्रांतिकारी कदम उठाने होंगे। प्रदेश में अस्सी फीसदी सैलानी धार्मिक पर्यटन के रास्ते आगे बढ़ते हैं, तो इस क्षमता का दोहन मनाली, अटल टनल, शिमला, मकलोडगंज या डलहौजी जैसे डेस्टिनेशन से कहीं बेहतर करने की जरूरत है। धार्मिक स्थलों को पर्यटन नगरियों के रूप में विकसित करने के लिए आसपास के पांच से दस किलोमीटर के दायरे को नियोजित करना होगा ताकि धार्मिक यात्रा के चंद घंटे पर्यटन अनुभव के कुछ दिनों में परिवर्तित हो जाएं। हिमाचल ने उड़ान योजना के साथ अपनी हेलिकाप्टर तथा विमान सेवाएं तो जोड़ीं, लेकिन इन्हें पर्यटन की उड़ान नहीं बनाया। मसलन शिमला-मंडी हेलिटैक्सी को अगर पर्यटन पैकेज से जोड़ देते तो छोटी काशी की खूबियों में इसका औचित्य बढ़ जाता। शिमला-कुल्लू व शिमला-कांगड़ा की हवाई यात्राओं का वृतांत यात्री सेवा के बजाय पर्यटन यात्रा के रूप में विकसित करना है, तो इसे भी पैकेज की शक्ल देनी होगी। शिमला से धर्मशाला अगर वाया कुल्लू आना-जाना किया जाए, तो हवाई सेवा का सर्किट ही नहीं, बल्कि क्षमतावान पर्यटन की संभावना भी परिलक्षित होगी। फिलहाल शिमला, भुंतर और कांगड़ा हवाई अड्डों के लिए पर्यटन निगम को अपनी बस सेवाएं चलानी होंगी ताकि यात्रियों को विश्वसनीय आतिथ्य का आभास हो।

प्रशासन ने दो करोड़ एकड़ सरकारी जमीन इन 'माननीय' लोगों के कब्जे से छुड़ा ली

कश्मीर में सरकारी जमीन पर कब्जा

कुलदीप चंद अग्निहोत्री

2019 में अनुच्छेद 370 का कवच टूट गया। कुछ दिन बाद जम्मू-कश्मीर उच्च न्यायालय ने रोशनी एक्ट का कवच भी तार-तार कर दिया। तब कश्मीर के नेताओं का कब्जा अभियान दिन की रोशनी में नंगे चिट्टे रूप में दिखाई देने लगा। सरकार ने इन महानुभावों से सरकारी जमीन छुड़ाने का अभियान शुरू कर दिया। अब तक 'सरकारी जमीन कब्जाओ' अभियान चल रहा था, अब अचानक 'सरकारी जमीन छुड़ाओ' अभियान शुरू हो गया। लेकिन अब तक तो सरकारी जमीन पर चार-चार मंजिल के महल बन चुके थे। मार्केट बन चुकी थीं। पहले तो आम कश्मीरी ने सोचा कि फालतू का हो-हल्ला सरकार कर रही है। अब तक अजलाफ/पसमान्दा के नाम पर अपना घर भरते रहे अशरफ समाज के ख्वाजाओं पर कार्रवाई करने की हिम्मत किसी में भी नहीं है।

जम्मू कश्मीर में अनुच्छेद 370 की आड़ में इतने दशकों तक जो कुकर्म होते रहे, उसकी जैसे-जैसे परतें खुल रही हैं तैसे-तैसे कुकर्म करने वालों में बेचैनी बढ़ रही है। इन कुकर्मों की एक लंबी फेहरिस्त है। अब उसका एक नया अध्याय खुला है, जम्मू-कश्मीर की सरकारी जमीन को बाप की जमीन समझ कर उस पर कब्जा जमा लेना। पता चला है अब तक लाखों एकड़ सरकारी जमीन पर कुछ प्रभावशाली लोगों, मसलन राजनीतिज्ञों, नौकरशाहों, आतंकवादियों, हुर्रियत वालों और उनके रिश्तेदारों ने कब्जा कर लिया था। इसमें उन्हें किसी का डर भी नहीं था। सरकार भी इन्हीं की और कागज़ात भी इन्हीं के। सैंया भए कोतवाल तो फिर डर काहे का। अनुच्छेद 370 का कवच तो था ही। उसके पिछवाड़े में जो कुछ मजऱी करते रहो, कोई पूछने वाला नहीं था। लेकिन नौकरशाहों ने सुझाया होगा कि कोई हल्का सा क़ानूनी कवच भी तैयार कर लेना चाहिए ताकि भविष्य में भी कोई कब्जे में की गई सरकारी जमीन छुड़ा न सके। इसके लिए रोशनी एक्ट पास कर दिया गया। प्रतीकात्मक रूप से सैकड़ों एकड़ सरकारी जमीन के दो पैसे सरकारी खजाने में जमा करवा कर वह जमीन सरकारी रिकार्ड में भी अपने नाम करवा ली गई। इस सरकारी जमीन पर कब्जा क्या आम कश्मीरियों ने किया? जमीन पर कब्जा करने वाले हांजी, वाजा, सोफी, भंगी, हज्जाम, गिलकर, सिप्पी, गद्दी नहीं थे बल्कि कब्जा करने वाले ज़्यादातर सैयद व शेख थे। या फिर नकली शेख थे। देसी मुसलमान कश्मीरी नहीं थे बल्कि विदेशी मूल के अशरफ थे। अजलाफ/पसमान्दा तो इस गुंडागर्दी को केवल देखने वालों में से थे। अलबत्ता अशरफों ने इस 'सरकारी जमीन कब्जाओ' मुहिम में गुज्जरों के नाम का भी दुरुपयोग किया और कई स्थानों पर उनके नाम से भी सरकारी जमीन हड़प ली। लेकिन जैसे कि कहा गया है, सब दिन रहत न एक समान। 2019 में अनुच्छेद 370 का कवच टूट गया। कुछ दिन बाद जम्मू-कश्मीर उच्च न्यायालय ने रोशनी एक्ट का कवच भी तार-तार कर दिया। तब कश्मीर के नेताओं का कब्जा अभियान दिन की रोशनी में नंगे चिट्टे रूप में दिखाई देने लगा। सरकार ने इन महानुभावों से सरकारी जमीन छुड़ाने का अभियान शुरू कर दिया। अब तक 'सरकारी जमीन कब्जाओ' अभियान चल रहा था, अब अचानक 'सरकारी जमीन छुड़ाओ' अभियान शुरू हो गया। लेकिन अब तक तो सरकारी जमीन पर चार-चार मंजिल के

महल बन चुके थे। मार्केट बन चुकी थीं। पहले तो आम कश्मीरी ने सोचा कि फालतू का हो-हल्ला सरकार कर रही है। अब तक अजलाफ/पसमान्दा के नाम पर अपना घर भरते रहे अशरफ समाज के ख्वाजाओं पर कार्रवाई करने की हिम्मत किसी में भी नहीं है। दरअसल आम कश्मीरी का यह सोचना भी सही था। पिछले सत्तर साल से सत्ता पर प्रत्यक्ष या परोक्ष कब्जा उन्हीं का रहा था जिन्होंने सरकारी जमीन कब्जा रखी थी। लेकिन जब सरकारी बुलडोज़र अवैध कब्जे वाली इमारतों को गिराने लगे तो आम कश्मीरी का विश्वास भी प्रशासन पर जमने लगा। पता चला है कि अब तक प्रशासन ने दो करोड़ एकड़ सरकारी जमीन इन 'माननीय' लोगों के कब्जे से छुड़ा ली है। कब्जा करने वालों में कई पूर्व मंत्री, विधायक और नौकरशाह भी हैं। ऐसा नहीं कि ये किसी एक राजनीतिक दल या किसी एक आतंकवादी संगठन के लोग ही थे। इसमें लगभग सभी राजनीतिक दलों के लोग शामिल हैं। चुनाव में आपस में लड़ते हैं, लेकिन सरकारी जमीन कब्जाने में सांझा मोर्चा बना कर काम करते हैं। कुछ ने तो हवा का रुख़ पहचान कर स्वयं ही सरकारी जमीन सरकार को वापस करनी शुरू कर दी है। सरकार के कब्जा छुड़ाओ अभियान के विरोध में सभी गुपकार मोर्चा बना रहे हैं। उमर अब्दुल्ला मानते हैं कि कश्मीर में उस मामले में केवल मुसलमानों पर शिकंजा कसा जा रहा है। वैसे पूछा जा सकता है कि कश्मीर में हिंदू-सिख बचे ही कहां हैं। लेकिन उमर अब्दुल्ला जान बूझ कर इसे मुसलमानों से जोड़ रहे हैं। जबकि असलियत यह है कि घाटी के 98 फीसदी देसी मुसलमानों सा अजलाफ/पसमान्दा का इससे कुछ लेना-देना नहीं है। यह कब्जा एटीएम (अरब-तुर्क-मुगल मंगोल) वालों का है। अलबत्ता इसमें कुछ ऐसे देसी मुसलमान जरूर शामिल हैं जो देसी होते हुए भी अरबी टाईटल शेख/सैयद इत्यादि का प्रयोग करते हैं। वे भी एटीएम के साथ मिल कर कब्जा अभियान का हिस्सा बन गए थे। उमर अब्दुल्ला इसे बख़ूबी जानते हैं लेकिन संकट की इस घड़ी में एक बार फिर कश्मीर के देसी मुसलमानों को वे कवच की तरह इस्तेमाल करना चाहते हैं, जैसा कि वे अब तक करते आए हैं। वे जीतते देसी कश्मीरी मुसलमानों की वोट से हैं और रक्षा अशरफ के आर्थिक व सामाजिक हितों की करते हैं। महबूबा मुफ़्ती का कष्ट और गहरा है। वे समझ चुकी हैं कि जिन्होंने सरकारी जमीन पर कब्जा किया है, वे ज़्यादातर उसी के राजनीतिक व सामाजिक कुनबे के लोग हैं। इसलिए वे चिल्ला रही हैं कि कश्मीर को अफगानिस्तान की तरह नष्ट किया जा रहा है। महबूबा जानती हैं कि अफगानिस्तान को पूर्व काल में अरबों और तुर्कों ने नष्ट किया था और आधुनिक काल में गोरों और रूसियों ने नष्ट किया है। भारत ने अफगानिस्तान को कभी नष्ट नहीं किया बल्कि हर संकट में पश्तूनों की सहायता ही की है। महबूबा मुफ़्ती क्या बताएंगी कि उनकी बिरादरी आज भी पठान को अशरफ का हिस्सा क्यों नहीं मानती? महबूबा 'कब्जा छुड़ाओ अभियान' का विरोध करने के लिए अपनी बिरादरी को लेकर दिल्ली पहुंच गईं। उसका कहना था कि वे संसद को सुनाना चाहती थीं कि हमसे सरकारी जमीन से कब्जा नहीं छुड़ाना चाहिए। यह बहुत बड़ा अत्याचार है। वैसे महबूबा इतना तो जानती ही हैं कि संसद के अंदर जाकर बात करने के लिए पहले हिंदुस्तान के किसी भी इलाके से चुन कर आना पड़ता है। लेकिन वे बिना चुने ही संसद को कुछ सुनाना चाहती हैं। अभी कांग्रेस से छिटक कर गए गुलाम नबी आज़ाद, जिन्होंने अपनी ख़ुद की पार्टी डेमोक्रेटिक आज़ाद पार्टी बना ली है, का कहना है कि बहुत से कब्जाधारी राजस्व विभाग के कर्मचारियों को रिश्वत दे रहे हैं कि उनका नाम किसी तरह से कब्जाधारियों की लिस्ट में से निकाल दिया जाए। इसका अर्थ हुआ कि गुलाम नबी ने यह तो स्वीकार कर लिया है कि प्रदेश में सरकारी जमीन पर कब्जा बड़े स्तर पर हुआ है। लेकिन मामला फिर वहीं का वहीं है कि उस हमाम में सभी नंगे हैं। इसलिए गुलाम नबी का कहना है कि यदि कब्जा छुड़ाओ अभियान बंद न किया तो लोग सडक़ों पर निकल आएंगे और फिर पत्थरबाज़ी का युग शुरू हो जाएगा। इसका अर्थ है गुलाम नबी शुरू से जानते हैं कि पत्थरबाज़ों का नियंत्रण कहां से होता है और उन्हें कब-कब मैदान में उतारना है।

अकादमियों के लिए धन का प्रावधान हो

हिमाचल प्रदेश के कई महाविद्यालयों के पास अंतरराष्ट्रीय स्तर का खेल ढांचा तैयार खड़ा यूं ही बेकार हो रहा है। इस कॉलम के माध्यम से पहले भी इस विषय पर बहुत बार लिखा जा चुका है, मगर सरकार का रवैया उदासीन रहा है। खेल विंगों के लिए सरकार को न तो खेल ढांचा खड़ा करना पड़ता है और न ही नया छात्रावास बनाना पड़ता है।केवल खेल विशेष का प्रशिक्षक और खिलाडियों के लिए खुराक व रहने का प्रबंध करना होता है जो आसानी से बहुत कम धन राशि खर्च करके हो सकता है।हिमाचल प्रदेश में विभिन्न खेलों का स्तर राज्य में खेल छात्रावासों के खुलने के बाद काफी सुधरा है। स्कूली स्तर पर खेल छात्रावासों को आज से तीन दशक पहले शुरू कर दिया गया था। पपरोला का बास्केटबॉल खेल छात्रावास तत्कालीन भारतीय खेल प्राधिकरण के प्रशिक्षक जन्म चंद कटोच के प्रशिक्षण में काफी फला-फूला था। स्कूली स्तर पर एशियाई प्रतियोगिता में कई खिलाडियों ने शिरकत की थी।सुरेश व सुरजीत जैसे अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी इसी प्रशिक्षण की देन हैं।

बजट 2023-24 में सरकार प्रतिभा व सुविधा के अनुसार हिमाचल प्रदेश के विश्वविद्यालयों व महाविद्यालयों में भी खेल विंग, स्कूलों में और अधिक खेलों के लिए छात्रावास तथा जिला व उपमंडल स्तर पर खेल अकादमियां खोलती है तो भविष्य में हिमाचल के खिलाड़ी राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन कर सकते हैं। हिमाचल प्रदेश के कई महाविद्यालयों के पास अंतरराष्ट्रीय स्तर का खेल ढांचा तैयार खड़ा यूं ही बेकार हो रहा है। इस कॉलम के माध्यम से पहले भी इस विषय पर बहुत बार लिखा जा चुका है, मगर सरकार का रवैया उदासीन रहा है। खेल विंगों के लिए सरकार को न तो खेल ढांचा खड़ा करना पड़ता है और न ही नया छात्रावास बनाना पड़ता है। केवल खेल विशेष का प्रशिक्षक और खिलाडियों के लिए खुराक व रहने का प्रबंध करना होता है जो आसानी से बहुत कम धन राशि खर्च करके हो सकता है। हिमाचल प्रदेश में विभिन्न खेलों का स्तर राज्य में खेल छात्रावासों के खुलने के बाद काफी सुधरा है। स्कूली स्तर पर खेल छात्रावासों को आज से तीन दशक पहले शुरू कर दिया गया था। पपरोला का बास्केटबॉल खेल छात्रावास तत्कालीन भारतीय खेल प्राधिकरण के प्रशिक्षक जन्म चंद कटोच के प्रशिक्षण में काफी फला-फूला था। स्कूली स्तर पर एशियाई प्रतियोगिता में कई खिलाडियों ने शिरकत की थी। सुरेश व सुरजीत जैसे अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी इसी प्रशिक्षण की देन हैं। हाकी में माजरा स्कूली खेल छात्रावास की लड़कियों ने पिछले कई वर्षों से राष्ट्रीय स्कूली खेलों में हिमाचल प्रदेश को पदक तालिका में

स्थान दिलाया है। इन लड़कियों को एस्ट्रोटर्फ मिलें तो यहां से और भी अच्छे परिणाम आ सकते हैं। क्या इस खेल छात्रावास को फिडिंग रख कर अच्छे खिलाडियों को एस्ट्रोटर्फ पर प्रशिक्षण के लिए ऊना में एक और नया स्कूल स्तर पर लडक़े व लड़कियों के लिए छात्रावास जल्द ही हिमाचल प्रदेश के शिक्षा विभाग को खोलना चाहिए। हिमाचल प्रदेश के स्कूली लडक़ों ने भी कुछ वर्ष पहले अंडर 17 वर्ष आयु वर्ग में हिमाचल प्रदेश को राष्ट्रीय स्तर पर रजत पदक हासिल किया था। स्कूल स्तर की राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में हिमाचल प्रदेश का प्रदर्शन सम्मानजनक खेल छात्रावासों के कारण रहता है। हिमाचल प्रदेश में स्कूली स्तर पर पपरोला में लडक़ों के लिए बास्केटबॉल, सुंदरनगर व नादौन में लडक़ों की हाकी, माजरा में लड़कियों के लिए हाकी में खेल छात्रावास चल रहे हैं। वालीबाल में स्कूली स्तर पर प्रशिक्षण का अच्छा प्रबंध है। मतियाणा व रोहडू में लडक़ों को तथा कोटखाई में लड़कियों के लिए खेल छात्रावासों को वर्षों पहले से शुरू किया गया है। रोहडू में फुटबॉल का भी खेल छात्रावास है। इन छात्रावासों में अच्छे प्रशिक्षकों के साथ-साथ खेल सुविधाओं में काफी सुधार की जरूरत है। हिमाचल प्रदेश में भारतीय खेल प्राधिकरण ने तीस वर्ष पहले शिलारू में विशेष खेल क्षेत्र योजना के अंतर्गत खेल छात्रावास शुरू किया था जो राष्ट्रीय स्तर पर अच्छे परिणाम देने के बावजूद बंद हो गया था। उसी समय बिलासपुर व धर्मशाला में भारतीय खेल प्राधिकरण ने खेल छात्रावासों की शुरुआत की और ये आज तक चल रहे हैं। बिलासपुर में साई के तत्कालीन वालीबाल प्रशिक्षक स्वर्गीय एनके शर्मा ने बंगाणा क्षेत्र के सुरजीत सहित कई अंतरराष्ट्रीय खिलाडियों को तराश कर भविष्य के लिए उदाहरण प्रस्तुत किया है। कबड्डी में साई प्रशिक्षकों में नंदलाल ठाकुर व जयपाल चंदेल ने अपने-अपने कार्यकाल में अच्छा प्रशिक्षण कार्यक्रम चलाया है। एथलेटिक्स में स्वर्गीय बलदेव सिंह, जीआर मेहता व स्वर्गीय सतीश कुमार ने यहां से अच्छे धावक व धाविकाओं को प्रशिक्षित कर राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर का सफर तय करवाया है। अंतरराष्ट्रीय कबड्डी खिलाड़ी पदमश्री व अर्जुन अवार्ड से सम्मानित अजय ठाकुर व धावक अमन सैनी बिलासपुर साई खेल छात्रावास की देन हैं। धर्मशाला खेल छात्रावास से साई प्रशिक्षक मेहर चंद वर्मा ने कबड्डी में पूजा ठाकुर व कविता ठाकुर को एशियायी खेलों के स्वर्ण पदक विजेता टीम का सदस्य बनने का सफर अपने प्रशिक्षण कार्यक्रम से पूरा करवाया है। एथलीट प्रशिक्षक केहर सिंह पटियाल का प्रशिक्षण कार्यक्रम भी काफी सफल रहा है। धाविका सीमा ने यूथ एशिया स्तर पर कांस्य पदक जीता तथा यूथ ओलंपिक में भारत का प्रतिनिधित्व किया है। हिमाचल प्रदेश सरकार ने भी बिलासपुर व ऊना में विभिन्न खेलों के लिए छात्रावास चलाए हैं। बिलासपुर से महिला कबड्डी में पहले स्वर्गीय दौलत व उसके बाद रतन ठाकुर ने अच्छा प्रशिक्षण कार्यक्रम चला कर अंतरराष्ट्रीय स्तर तक अच्छे परिणाम दिए हैं। एशिया स्तर पर पदक विजेता प्रियंका व रितू नेगी सहित कई महिला खिलाडियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। ऊना का राज्य खेल छात्रावास वह खेल परिणाम अभी तक नहीं दे पाया है जिसकी इससे अपेक्षा है। निजी स्तर पर नब्बे के दशक से सुंदरनगर में मुक्केबाजी तथा हमीरपुर में जूडो व एथलेटिक्स पर प्रशिक्षण कार्यक्रम जो शुरू हुआ था, उसी से मुक्केबाजी में परशुराम अवार्ड से सम्मानित शिव चौधरी व आशीष चौधरी के लिए आधार प्रशिक्षक नरेश कुमार ने तैयार किया। हमीरपुर से जूडो में परशुराम अवार्डी नूतन को प्रशिक्षक कुलदीप शर्मा ने तराशा था। हमीरपुर के एथलेटिक्स प्रशिक्षण कार्यक्रम से परशुराम अवार्डी पुष्पा ठाकुर ने तेज गति की दौड़ों में व संजो ठाकुर ने भाला प्रक्षेपण में राष्ट्रीय स्तर पर हिमाचल प्रदेश को पहचान दिलाई तथा इस महाविद्यालय की चार महिला एथलीट 2010 राष्ट्रमंडल खेलों के लिए लगे इंडिया कैम्प तक सीधी अखिल भारतीय अंतर विश्वविद्यालय एथलेटिक्स चैंपियनशिप में विजेता बन कर चयनित हुई थीं। मोरसिंघी में स्नेह लता द्वारा चलाए गए हैंडबाल प्रशिक्षण कार्यक्रम से कई महिला खिलाडियों ने हिमाचल प्रदेश को कई बार पदकों से सजाते हुए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत का प्रतिनिधित्व किया है। हिमाचल की खेलों के लिए स्नेह लता और उनके पति अंतरराष्ट्रीय हैंडबाल खिलाड़ी सचिन चौधरी उदाहरण पेश किए हुए हैं। इस बजट में सरकार हिमाचल प्रदेश में अधिक से अधिक खेल विंग, छात्रावास व अकादमी, चाहे वो सरकारी क्षेत्र हो या निजी में खुलती हैं, तो हिमाचल प्रदेश की खेलों को गति मिलेगी।

नागरिक बोध

गुरु बिना ज्ञान कहां?

गुरु बिन ज्ञान कहां। सुन तो लिया था, लेकिन सुना नहीं था। मुझे लग रहा था मैं प्रेम में बिना गुरू बनाये सफल नहीं हो सकता। लव गुरू की तलाश में निकला तो छोटे-मोटे तो प्रेम प्रबंधन में माहिर मिल गये, लेकिन मुझे पहुंचे और घुटे हुये लव गुरू की तलाश थी। फिर किसी ने बताया कि विश्वविद्यालय के किसी प्रोफेसर से मिलो। मैं विश्वविद्यालय के हिन्दी डिपार्टमैंट में गया तो खाली पड़ा था, एक अधेड़ से व्यक्ति स्टाफ रूम में आंख बन्द किये मनन कर रहे थे। मैंने कहा-'गुरू देव नमस्कार।' उनकी तंद्रा एकदम टूटी और फिर वे थोड़ा सहज होकर बोले-'आपका परिचय ?' मैं बोला-'मैं इसी शहर का रहने वाला हूँ। वेलेंटाइन डे नजदीक है और मुझे लव गुरू की तलाश है। क्या आप मेरे लव गुरू बनना पसंद करेंगे?' मेरी बात पर वे थोड़ी कृपणता से हंसे और बोले-'पहले अपना नाम-परिचय तो दीजिये।' मैंने कहा-'मैं शर्मा हूँ। शादीशुदा हूँ। दाम्पत्य जीवन में रस नहीं है। पत्नी रोज बात-बेबात में कलह करती है और मैं प्यार की अथाह प्यास लिये इधर से उधर भटकता हूँ। सुना है बिना गुरू ज्ञान लिये प्रेम का सूत्रपात नहीं हो पाता। आप हिन्दी के आचार्य हैं। यदि तनिक कृपादृष्टि हो जाये तो मैं निहाल हो जाऊँगा। अब तो आपको मेरा पूरा परिचय मिल गया होगा!' 'मैं समझ गया शर्मा जी, आपको लवगुरू की तलाश है। मैं हिन्दी का ही प्राध्यापक हूँ, परन्तु मैं आपकी कोई मदद नहीं कर पाऊंगा। वैसे मैं खुद रससिद्ध हूँ, बिहारी भी मैं ही पढ़ाता हूँ। परन्तु आप देख रहे होंगे, सारा डिपार्टमैंट चला गया और मैं अकेला यहां पड़ा हुआ हूँ। गृह कलह से परेशान मैं खुद आप ही की तरह निराशा के अंधेरे में भटक रहा हूँ। आप ऐसा करिये हमारे विभाग के एक पारंगत लवगुरू हैं, उन्हें इसी आसक्ति भाव को लेकर निलंबित किया हुआ है, उनसे मिल लीजिये। उनके घर का पता मैं लिखे देता हूँ। उन्हें कुछ पत्र पुष्प अर्पित करना, वे सहर्ष आपके लवगुरू का दायित्व ओढ़ लेंगे।' मैंने कहा-'धन्यवाद आपको। बस इतनी बात जरूर याद रखें कि गुरूजी जूते नहीं पड़वा दें।' वे बोले-'घबराने की बात नहीं है। वे खुद कई बार पिट-पिटाकर ही लवगुरू का दर्जा ले सके हैं। कुछ दिन बतौर सावधानी के हैलमेट जरूर पहनकर रहना।

देश दुनीया से

हंगामे के बीच बाजार की सेहत

इससे भारतीय शेयर बाजार को मजबूती मिली, जिसके परिणामस्वरूप वैश्विक स्तर पर यह बात स्थापित हुई है कि अब भारत का शेयर बाजार बहुत सशक्त और आत्मनिर्भर है। जनवरी के अंतिम सप्ताह की सर्दियों में अचानक आर्थिक चर्चाओं का बाजार खूब गर्म हो उठा। वैसे हर साल इस दौरान बजट के लिए चर्चाओं का दौर चलता है, पर इस बार नजारा कुछ अलग था। एक विदेशी शोध कंपनी ने अपनी एक रिपोर्ट में भारत के एक बड़े औद्योगिक घराने को लेकर जब कुछ वित्तीय अनियमितताओं का जिक्र किया, तो इसने वैश्विक चर्चा का रूप ले लिया। भारतीय शेयर बाजार में खलबली-सी मच गई। उसे लेकर सोशल मीडिया पर अलग-अलग तरीके से विश्लेषण होने लगे। महसूस किया जाने लगा कि उसकी छाप कहीं न कहीं आने वाले बजट पर भी दिखेगी। निश्चित रूप से यह हर किसी के लिए एक आर्थिक झटका था। हर किसी के सामने यही प्रश्न था कि कहीं यह भी नब्बे के दशक के शेयर घोटाले जैसा तो नहीं है, इसका असर कितने अरसे तक रहेगा। भारत निश्चित रूप से अब एक ऐसी मजबूत अर्थव्यवस्था बन चुका है, जिसमें कोई औद्योगिक घराना बड़ा नहीं, बल्कि सबसे बड़ा निवेशक है। इस संदर्भ में अगर 24 जनवरी से लेकर 3 फरवरी तक के मुंबई स्टाक एक्सचेंज के सेंसेक्स के आंकड़ों को देखें, तो पता चलता है कि इन दिनों में यह मात्र 137 अंक नीचे आया। 1991 के आर्थिक सुधारों के बाद से भारतीय अर्थव्यवस्था ने पूरी तरह पूंजीवाद की तरफ रुख कर लिया है। शेयर बाजार इसमें मुख्य भूमिका निभा रहा है। शुरुआती समय में भारतीय आर्थिक तंत्र इतना मजबूत नहीं था, जितना कि आज है, इसलिए शेयर बाजार के कुछ आर्थिक घोटाले सामने आए और उनका असर लंबे अरसे तक भारतीय शेयर बाजार में दिखा, क्योंकि उसने एक आम निवेशक के आत्मविश्वास को तोड़ा था। इस समय की परिस्थिति इससे बिल्कुल हटकर है, इसलिए शेयर बाजार के पहले के आर्थिक घोटालों को आज के औद्योगिक घरानों के साथ प्रत्यक्ष रूप से जोड़ कर देखना सही नहीं होगा। इसके पीछे कई आधार हैं। मुख्य तौर पर यह समझा जा सकता है कि आज के समय में भारतीय अर्थव्यवस्था पूर्णतया वैश्विक परिस्थितियों के साथ अंतर्निहित होकर संचालित हो रही है, जो उस समय नहीं थी। दूसरे, पहले के आर्थिक घोटालों के तथ्य भारत के निष्पक्ष पत्रकारों ने खोले थे, जबकि इस समय एक ऐसी विदेशी रिसर्च कंपनी ने खोला है, जिसकी खुद की विश्वसनीयता दांव पर है। इसलिए कि ऐसी जांच के पीछे उसका मुख्य उद्देश्य खुद मुनाफा कमाना होता है। यह विदेशी रिसर्च कंपनी खुद पहले बड़े औद्योगिक घरानों के शेयर भारी मात्रा में बेचती और फिर मूल्य गिरने पर उन्हें खरीद लेती है। शेयर बाजार की भाषा में इसे 'शार्ट सेलिंग' कहते हैं। इस दौरान एक सकारात्मक तथ्य यह सामने आया है कि भारतीय शेयर बाजार में निवेशकों ने हड़बड़ी नहीं दिखाई और भारतीय आर्थिक तंत्र की नीतियों में विश्वास रखते हुए अपने निवेश को सुरक्षित रखा। इससे भारतीय शेयर बाजार को मजबूती मिली, जिसके परिणामस्वरूप वैश्विक स्तर पर यह बात स्थापित हुई है कि अब भारत का शेयर बाजार बहुत सशक्त और आत्मनिर्भर है। इस विश्वास को नए बजट ने और पुख्ता किया। चर्चा में आया भारतीय औद्योगिक घराना पिछले लंबे अरसे से ऐसे क्षेत्रों के व्यापार में सलंग्न है, जिनमें आर्थिक घाटे का पूर्वानुमान करना भी लगभग असंभव-सा प्रतीत होता है। यह औद्योगिक घराना लगभग एकाधिकार के रूप में विभिन्न व्यावसायिक क्षेत्रों में खुद को स्थापित कर चुका है। इस बात का अंदेशा बिल्कुल एकतरफा प्रतीत होता है कि इस औद्योगिक घराने को व्यापारिक आर्थिक घाटा हो जाएगा और उसके द्वारा लिए गए विभिन्न ऋणों का भुगतान नहीं हो पाएगा।

भारतीय शेयर बाजार में खलबली-सी मच गई। उसे लेकर सोशल मीडिया पर अलग-अलग तरीके से विश्लेषण होने लगे। महसूस किया जाने लगा कि उसकी छाप कहीं न कहीं आने वाले बजट पर भी दिखेगी। निश्चित रूप से यह हर किसी के लिए एक आर्थिक झटका था। हर किसी के सामने यही प्रश्न था कि कहीं यह भी नब्बे के दशक के शेयर घोटाले जैसा तो नहीं है, इसका असर कितने अरसे तक रहेगा। भारत निश्चित रूप से अब एक ऐसी मजबूत अर्थव्यवस्था बन चुका है, जिसमें कोई औद्योगिक घराना बड़ा नहीं, बल्कि सबसे बड़ा निवेशक है। इस संदर्भ में अगर 24 जनवरी से लेकर 3 फरवरी तक के मुंबई स्टाक एक्सचेंज के सेंसेक्स के आंकड़ों को देखें, तो पता चलता है कि इन दिनों में यह मात्र 137 अंक नीचे आया। 1991 के आर्थिक सुधारों के बाद से भारतीय अर्थव्यवस्था ने पूरी तरह पूंजीवाद की तरफ रुख कर लिया है।

अमेरिका का दावा चीनी गुब्बारा खूफिया जासूसी कर रहा था, चीन ने जो बाइडेन के बयान पर जताई नाराजगी

वॉशिंगटन।
अमेरिका ने चीन के जासूसी गुब्बारे को बीते दिनों अटलांटिक महासागर में निशाना बनाकर गिरा दिया था। अब अमेरिका ने दावा किया है कि चीन का यह गुब्बारा खूफिया जासूसी करने में सक्षम था और इसमें सिग्नल इंटेलीजेंस कलेक्शन की क्षमता थी। सीएनएन ने अमेरिकी सरकार के वरिष्ठ अधिकारी के हवाले से यह खुलासा किया है। यह भी बताया गया है कि चीन का यह जासूसी गुब्बारा 5 महाद्वीपों और 40 से ज्यादा देशों के ऊपर उड़ान भर चुका था।

अमेरिका का दावा- जासूसी कर रहा था चीनी गुब्बारा

अमेरिकी अधिकारियों का कहना है कि चीनी गुब्बारा इलेक्ट्रोनिक सर्विलांस तकनीक से लैस था और अमेरिका के कम्यूनिकेशंस की मॉनिटरिंग कर रहा था। अमेरिकी अधिकारियों ने कहा कि वह जानते हैं कि चीन का यह गुब्बारा हमारी निगरानी कर रहा था। दावा किया जा रहा है कि जिस गुब्बारे के निशाना बनाया गया, वह चीन की सेना द्वारा बनाया गया था और इसे सर्विलांस के लिए इस्तेमाल किया जा रहा था। गुब्बारे में कई एंटीना भी थे। फिलहाल अटलांटिक महासागर में गुब्बारे के मलबे को इकट्ठा करने के लिए ऑपरेशन चल रहा है।

चीन अमेरिका के रिश्तों में तनाव

बता दें कि जासूसी गुब्बारे की वजह से चीन और अमेरिका के रिश्तों में तनाव आ गया है। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन ने चीनी जासूसी गुब्बारे को लेकर चीन की आलोचना की थी और सभी देशों को चीन के खिलाफ एकजुट होने की अपील की थी। इससे पहले अमेरिका के विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकेन ने अपना चीन का दौरा भी रद्द कर दिया था। वहीं चीन ने जो बाइडेन के बयान से नाराजगी जताई है। चीन ने जो बाइडेन के उस बयान पर तीखी प्रतिक्रिया दी है, जिसमें बाइडेन ने कहा था कि चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग कई सारी समस्याओं से घिरे हुए हैं। इस पर चीन ने कहा है कि यह बेहद ही गैर जिम्मेदाराना बयान है।

चीन के खिलाफ सहयोगियों को एकजुट करेगा अमेरिका

चीन के जासूसी गुब्बारे वाले प्रकरण के बाद अमेरिका ने कूटनीतिक स्तर पर चीन पर शिकंजा कसने की तैयारी शुरू कर दी है। इसके तहत अमेरिका अपने दोस्त देशों और सहयोगियों खासकर क्वाड देशों जापान, भारत, ऑस्ट्रेलिया की मदद से चीन पर कूटनीतिक दबाव बनाने की कोशिश करेगा। अमेरिका ने सहयोगी देशों के साथ चीन के जासूसी गुब्बारे से संबंधित जानकारी साझा की है ताकि भविष्य में चीन की ऐसी किसी कोशिश को रोका जा सके। अमेरिकी सरकार के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि व्हाइट हाउस और केंद्र सरकार चीन के जासूसी गुब्बारे का संचालन करने वाली कंपनियों पर प्रतिबंध लगाने की तैयारी कर रही है। हालांकि चीन की तरफ से किसी जासूसी कार्यक्रम को चलाने की बात से इनकार किया जा रहा है।

न्यूज ब्रीफ

भारत के साथ रक्षा संबंधों पर जोर, इंडो-रूस संबंधों पर ध्यान देने की जरूरत

वाशिंगटन। अमेरिका में विदेश मामलों की संसदीय समिति की रिपोर्ट में कहा गया है कि अमेरिका को भारत और रूस संबंधों और लोकतांत्रिक मूल्यों और संस्थानों के प्रति गिरते विश्वास पर भी ध्यान देना चाहिए। सीनेट की इस रिपोर्ट में एक मजबूत और लोकतांत्रिक भारत का समर्थन करने की अपील की गई है। विदेश मामलों की संसदीय समिति के अध्यक्ष रॉबर्ट मेनेंडेज ने कहा है कि अमेरिका को इंडो-पैसिफिक को अच्छी तरह से पुनर्जीवित करने के साथ सैन्य-सुरक्षा, राजनयिक, आर्थिक क्षेत्र में पूर्ण सरकारी दृष्टिकोण की आवश्यकता है। रिपोर्ट में एक मजबूत और लोकतांत्रिक भारत का समर्थन करने का आह्वान किया गया है। यहां तक कि भारत को एक महत्वपूर्ण सुरक्षा भागीदार के रूप में सही माना गया है। कह गया है कि रूस पर भारत की निर्भरता और उसके संबंधों पर ध्यान देने की आवश्यकता होगी। रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत के वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय ने जून 2022 में बताया था कि अमेरिका के साथ भारत का व्यापार चीन से अधिक हो गया है, जो वाशिंगटन और नई दिल्ली के बीच बढ़ते घनिष्ठ संबंधों का सबूत है। इस रिपोर्ट में कहा गया है कि हाल के वर्षों में सुरक्षा संबंध गहरे हुए हैं क्योंकि दोनों चीन के बढ़ते प्रभुत्व से चिंतित हैं। वहीं, अमेरिका और भारत अब प्रमुख रक्षा साझेदार हैं और दोनों देशों ने क्वांटम कंप्यूटिंग, 5जी और 6जी नेटवर्क, अंतरिक्ष, सेमीकंडक्टर्स, बायोटेक और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पर सहयोग बढ़ाने के लिए महत्वपूर्ण और उभरती प्रौद्योगिकियों पर एक नई पहल शुरू की है। रिपोर्ट में सिफारिश की गई है कि बाइडन प्रशासन को राजनयिक और विकास एजेंसियों के लिए धन में काफी वृद्धि करनी चाहिए और विदेशी सहायता का एक बड़ा हिस्सा इंडो-पैसिफिक में अग्रिम प्राथमिकताओं के लिए समर्पित करना चाहिए।

अमेरिका ने कराया था नॉर्ड स्ट्रीम गैस पाइपलाइन में ब्लास्टः नाटो देशों के लिए खतरा थी जून में बनी रूस से आने वाली पाइपलाइन

वॉशिंगटन। अमेरिकी पत्रकार ने दावा किया है। उन्होंने कहा है कि बाल्टिक सागर में नॉर्ड स्ट्रीम अंडरवाटर गैस पाइपलाइन को 26 सितंबर 2022 को अमेरिकी राष्ट्रपति बाइडेन के इशारे पर गुप्त तरीके से उड़ाया गया था। उन्होंने रिपोर्ट में कहा कि अंडरवाटर गैस पाइपलाइनों पर हुई बमबारी एक गुप्त ऑपरेशन के तहत नॉर्वे से सीआईए की ओर से की गई थी। तब गहरे समुद्र में अमेरिकी गोताखोरों ने उन पाइपलाइनों के आस पास बारूदी सुरंग बिछाकर धमाका किया था। हालांकि इन दावों से वाइट हाउस ने नकार दिया है। वाइट हाउस के प्रवक्ता एंड्रीन बेस्टर ने इस रिपोर्ट को झूठा बताया है। बेस्टर ने कहा कि ये महज ख्याली बातें हैं। दूसरी ओर, पत्रकार सीमोर का दावा है कि पाइपलाइन को नाटो देशों के द्वारा खतरे के तौर पर देखा जा रहा था। नॉर्ड स्ट्रीम एक जर्मनी के लिए एक वरदान की तरह थी। इस वजह से जर्मनी को रूस से सस्ती कीमतों पर गैस सप्लाई की जा रही थी।

चीन-दलाई लामा को लेकर सांसदों ने पेश किया कानून, कहा- शांतिवार्ता शुरू कराने की अमेरिकी नीति होगी मजबूत

वाशिंगटन। चीन से तनातनी के बीच अमेरिकी सांसदों ने अपनी तिब्बत पॉलिसी को लेकर एक कानून पेश किया है। यह कानून चीन और तिब्बत के बीच बातचीत शुरू करने की अमेरिकी नीति को मजबूत करता है। सांसदों के एक

द्विदलीय समूह ने अमेरिकी प्रतिनिधि सभा और और सीनेट में इस कानून को पेश किया है। यह कानून तिब्बती लोगों की स्वतंत्रता और शांतिपूर्ण तिब्बत पर उनके मतभेदों का समाधान करने की दिशा में पेश किया गया है। दावा किया गया है कि यह कानून तिब्बतियों और चीन के बीच वार्ता के माध्यम से शांतिपूर्वक मतभेदों को हल करने के दीर्घकालिक अमेरिकी सरकार के लक्ष्य को मजबूत बनाता है। अमेरिकी सांसद जिम मैकगवर्न ने कहा, अंतरराष्ट्रीय कानून के तहत तिब्बती लोग भी अपने अधिकारों को पाने के हकदार हैं। उनके अधिकारों को चीनी सरकार ने बाधित कर रखा है।

आर्थिक तंगी से जूझ रहे पाकिस्तान को थोड़ी राहत

रुके हुए बेलआउट पैकेज को लेकर आईएमएफ से हुई डील

इस्लामाबाद।
नकदी संकट तंगी से जूझ रहे पाकिस्तान को गुरुवार को थोड़ी राहत मिली। पाकिस्तान और आईएमएफ ने कड़ी बातचीत के बाद एक कर्मचारी स्तर के समझौते पर हस्ताक्षर किए। इस समझौते के बाद पाकिस्तान की बीमार अर्थव्यवस्था के लिए विस्तारित निधि सुविधा (ईएफएफ) के तहत एक अरब अमेरिकी डालर से अधिक की ऋण राशि दी जाएगी।

शहबाज शरीफ और आईएमएफ प्रतिनिधिमंडल के बीच हुई बैठक - प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के प्रतिनिधिमंडल के बीच एक बैठक हुई, जिसमें मिशन ने समझौते के बारे में प्रधानमंत्री को सूचित किया। सरकारी सूत्रों के मुताबिक, दोनों पक्षों के बीच कर्ज के ब्योरे को लेकर आम सहमति बनी और प्रधानमंत्री शरीफ ने भी इस सौदे को मंजूरी दी। वित्त मंत्री इशाक डार को इसे मीडिया के माध्यम से जनता के साथ साझा करने का काम सौंपा गया है। दोनों पक्षों ने पाकिस्तान की बीमार अर्थव्यवस्था के सभी पहलुओं पर चर्चा की और आईएमएफ ने बजट घाटे में अंतर को पाटने के लिए बिजली और गैस की कीमतों में वृद्धि और नए करों को बढ़ाने सहित कठिन परिस्थितियों पर जोर दिया। ऋण योजना के विवरण पर दोनों पक्ष अंततः आम सहमति पर पहुंच गए। नाथन पोर्टर के नेतृत्व में आईएमएफ प्रतिनिधिमंडल ने 31 जनवरी को वित्त मंत्री डार की अध्यक्षता वाली पाकिस्तान की ओर से सरकार की राजकोषीय नीति पर मतभेदों को सुलझाने के लिए बातचीत शुरू की, जिसने बेलआउट पैकेज से एक अरब अमेरिकी डालर से अधिक की रिलीज को रोक दिया था।

आईएमएफ फंडिंग पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था के लिए महत्वपूर्ण - बातचीत के पहले चरण में पाकिस्तान की आईएमएफ के साथ तकनीकी चर्चा तीन फरवरी तक चली। इसके बाद नीतिगत वार्ताओं का दूसरा चरण शुरू हुआ, जो 9 फरवरी को संपन्न हुआ। इसमें आर्थिक और वित्तीय नीतियों के एक ज्ञापन को अंतिम रूप देने पर चर्चा की गई। भुगतान संतुलन के संकट से जूझ रही 350 अरब डॉलर की पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था के लिए आईएमएफ फंडिंग महत्वपूर्ण है, क्योंकि देश का विदेशी मुद्रा भंडार नौ साल में पहली बार गुरुवार को तीन अरब डॉलर से नीचे चला गया। पाकिस्तान ने 2019 में इमरान खान की सरकार के दौरान छह अरब अमेरिकी डॉलर ऋण के लिए आईएमएफ कार्यक्रम में प्रवेश किया था, जिसे पिछले साल बढ़ाकर सात अरब अमेरिकी डॉलर कर दिया गया था। कार्यक्रम की नौवीं समीक्षा आईएमएफ अधिकारियों और सरकार के बीच 1.18 अरब अमेरिकी डालर जारी करने के लिए बातचीत के साथ लंबित थी। आईएमएफ के पैसे की उपलब्धता से पाकिस्तान डिफॉल्ट होने से बच जाएगा, लेकिन इससे रोजमर्रा की जरूरत की चीजों की कीमतों में बढ़ोतरी की सुनामी आने की आशंका है।

कश्मीर पर पाक की बयानबाजी से भड़क रहे ब्रिटेन के मुस्लिम, खालिस्तान समर्थकों से भी सावधानी जरूरी

लंदन। ब्रिटेन सरकार द्वारा आतंकवाद को रोकने के लिए बनाई गई योजना की समीक्षा के दौरान इस्लामी चरमपंथ को देश के लिए बड़ा खतरा बताया गया है। समीक्षा में सिफारिश की गई है कि देश को इसे प्राथमिक खतरा मानते हुए निपटने की योजना बनाई चाहिए। इसके अलावा अन्य क्षेत्रों को लेकर भी चिंता जाहिर की गई है, जिसमें कट्टरवाद भी शामिल है। समीक्षा में खालिस्तान उग्रवाद समर्थक अैर कश्मीर मसले पर ब्रिटेन के मुसलमानों को लेकर भी चिंता जताई गई है। इसी सप्ताह प्रकाशित आतंकवाद-विरोधी प्रारंभिक हस्तक्षेप रोकथाम रणनीति की समीक्षा में चेतावनी दी गई है कि कश्मीर को लेकर पाकिस्तान की बयानबाजी, ब्रिटेन के मुस्लिम समुदायों को प्रभावित कर रही है और उनमें भारत विरोधी भावनाएं भड़काने का प्रयास किया जा रहा है। इसके अलावा ब्रिटेन में सक्रिय खालिस्तान समर्थक समूहों द्वारा प्रसारित किए जा रहे भारत विरोधी झूठ के खिलाफ भी चेतावनी दी गई है। रिपोर्ट में कहा गया है कि इस बात के साक्ष्म मिले हैं, जिसमें चरमपंथी समूह हिंसा फैलाने का आह्वान कर रहे हैं।

नॉर्थ कोरिया की सबसे बड़ी मिसाइल परेड

तानाशाह किम जोंग की मौजूदगी में आईसीबीएम का प्रदर्शन, सॉलिड-फ्यूल मिसाइल का प्रोटोटाइप भी नजर आया

प्योंगयांग।
नॉर्थ कोरिया में सेना की स्थापना की 75वीं सालगिरह के मौके पर बुधवार को सैन्य परेड का आयोजन हुआ। इस दौरान राजधानी प्योंगयांग में करीब 1 दर्जन इंटरकॉन्टिनेंटल बैलिस्टिक मिसाइल प्रदर्शित की गईं। परेड प्योंगयांग के किम इल सुंग स्क्वायर से शुरू हुई। इस दौरान तानाशाह किम जोंग उन अपनी पत्नी और बेटी के साथ नजर आए। नॉर्थ कोरियन मीडिया केसीएनए ने परेड की तस्वीरें जारी करते हुए इसे देश की न्यूक्लियर अटैक की क्षमता का सबूत बताया। इन फोटोज में 11 ह्वासोंग-17 मिसाइलें नजर आ रही हैं। ये नॉर्थ कोरिया की सबसे बड़ी इंटरकॉन्टिनेंटल बैलिस्टिक मिसाइल है जो दुनिया में कहीं भी न्यूक्लियर हमला कर सकती है। परेड में नई सॉलिड-फ्यूल आईसीबीएम के प्रोटोटाइप भी नजर आए। ज्यादातर देशों की बड़ी बैलिस्टिक मिसाइलों में लिक्विड फ्यूल का इस्तेमाल होता है। 2017 के बाद से उत्तर कोरिया ने लिक्विड फ्यूल के साथ ही आईसीबीएम का परीक्षण किया है। लिक्विड फ्यूल से मिसाइल लॉन्च में ज्यादा समय लगता है। जबकि सॉलिड फ्यूल की मदद से मिसाइल को ज्यादा मोबिलिटी मिलती है और लॉन्चिंग में भी कम समय लगता है। इसे देखते हुए माना जा रहा है कि नॉर्थ कोरिया नई मिसाइलों में सॉलिड फ्यूल का इस्तेमाल कर रहा है। परेड में सॉलिड-फ्यूल आईसीबीएम का प्रोटोटाइप दिखाया गया है। सॉलिड फ्यूल आईसीबीएम बनाना लंबे समय से नॉर्थ कोरिया का मुख्य टारगेट रहा है। इससे जंग होने पर इन परमाणु मिसाइलों को पहचान कर टारगेट करना मुश्किल हो सकता है। हालांकि नॉर्थ कोरिया इन मिसाइलों की टेस्टिंग कब करेगा, इसकी कोई जानकारी नहीं है। इससे पहले भी उत्तर कोरिया ने परेड में मिसाइलों के प्रोटोटाइप प्रदर्शित किए हैं। परेड शुरू होने से पहले रंग-बिरंगी रोशनी वाले कई जेट्स, टर्बोप्रॉप विमान और हेलिकॉप्टर किम इल सुंग स्क्वायर के ऊपर कम ऊंचाई पर उड़ते नजर आए। यूनाइटेड नेशन्स सिक्योरिटी काउंसिल के प्रतिबंधों के बावजूद नॉर्थ कोरिया लगातार बड़ी और एडवांस्ड मिसाइलों की टेस्टिंग करता रहा है।

दक्षिण अफ्रीका में बिजली संकट से आपदा की स्थिति, राष्ट्रपति रामाफोसा ने पद छोड़ने से किया इनकार

जॉहानेसबर्ग।
दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति सिरिल रामाफोसा ने केपटाउन में अपने सालाना स्टेट ऑफ द नेशन संबोधन के दौरान देश में बिजली संकट के कारण आपदा की स्थिति का एलान किया। इस दौरान रामाफोसा ने ये भी कहा कि वह पद छोड़ने पर विचार कर रहे थे लेकिन अब उन्हें पूर्व राष्ट्रपति नेल्सन मंडेला से प्रेरणा मिली है, जिसके बाद उन्होंने पद पर बने रहने का फैसला किया है। अपने संबोधन में दक्षिण अफ्रीकी राष्ट्रपति सिरिल रामाफोसा ने कहा कि देश इस समय कई संकटों का सामना कर रहा है, जिनमें बिजली संकट, बेरोजगारी, अपराध और हिंसा में बढ़ोतरी जैसे मुद्दे हैं।

अंतरात्मा ने पद पर बने रहने को कहा

रामाफोसा ने कहा कि उनकी सरकार और पार्टी अफ्रीकी राष्ट्रीय कांग्रेस जिन संकटों का सामना कर रही थी, इनके बीच उनकी अंतरात्मा ने उन्हें पद पर बने रहने को कहा। बता दें कि बीते साल दिसंबर में ऐसी चर्चाएं थी कि सिरिल रामाफोसा राष्ट्रपति पद से इस्तीफा दे सकते हैं। दरअसल एक स्वतंत्र पैनल की रिपोर्ट में दावा किया गया था कि राष्ट्रपति सिरिल रामाफोसा ने भ्रष्टाचार कानून की कई धाराओं का उल्लंघन किया है। रामाफोसा के निजी गेम फार्म से डकैतों द्वारा बड़ी संख्या में नकदी चोरी हुई थी। रामाफोसा ने इसकी शिकायत दर्ज नहीं कराई थी और यह नकदी कहां से आई, इस पर भी रामाफोसा संतोषजनक जवाब नहीं दे पाए थे। इसे लेकर रामाफोसा को काफी आलोचना झेलनी पड़ी थी।

महाभियोग की कार्यवाही से बचे राष्ट्रपति

हालांकि महाभियोग कार्यवाही के दौरान कुछ संसद सदस्यों द्वारा पार्टी लाइन से हटकर रामाफोसा का समर्थन किया गया था, जिसके चलते रामाफोसा के खिलाफ महाभियोग की कार्यवाही नहीं हो सकी थी। अब रामाफोसा ने भी इस्तीफे का विचार त्याग दिया है। वहीं बिजली संकट से निपटने के लिए रामाफोसा ने एक बिजली मंत्री नियुक्त किया है। रामाफोसा ने अपना संबोधन के अंत में कहा कि मेरी अंतरात्मा मुझे कहती थी।

ब्रिटिश मेडिकल जर्नल में छपी रिपोर्टः पति-पत्नी प्रेम से रहें या झगड़कर... साथ रहेंगे तो डायबिटीज समेत कई मर्ज से बचेंगे

वॉशिंगटन।
जैसे-जैसे उम्र बढ़ती जाती है, शुगर-बीपी जैसी बीमारियां घेरने लगती हैं, लेकिन नए शोध से पता चला है कि साथ रहने वाले दंपती में डायबिटीज का स्तर कम रहता है। वे शुगर की अधिकता से बार-बार परेशान नहीं होते। ब्रिटिश मेडिकल जर्नल में छपी रिपोर्ट कहती है- इस बात से फर्क नहीं पड़ता कि पति-पत्नी का आपसी संबंध बेहतर है या बुरा, उनके साथ रहने से ब्लड शुगर लेवल कम होने की संभावना बढ़ जाती है। जबकि तलाक या अन्य वजह से उनके अलग होने पर ब्लड शुगर लेवल बढ़ने का खतरा ज्यादा होता है। कई बार तो अकेले रहने वालों में डायबिटीज टाइप-2 विकसित हो जाता है। इस शोध की शोधार्थी ओटावा की कैर्लटन यूनिवर्सिटी की कैथरीन फोर्ड कहती हैं- इंग्लैंड में 50 से 89 साल के 3,335 लोगों पर शोध में साथ रहने से डायबिटीज पर पड़ने वाले सकारात्मक फर्क का तो पता चला, लेकिन इसके ऐसा होने की स्पष्ट वजह नहीं पता चली। अध्ययन बताते हैं कि साथ रहने से सिर्फ डायबिटीज ही कम नहीं होती, बल्कि ब्लड प्रेशर भी नियंत्रण में रहता है। अकेले रहने वाले लोगों में डायबिटीज और बीपी दोनों का स्तर हाई होता है। साथ रहने वाले दंपतियों में दिल का दौरा पड़ने की आशंका भी कम होती है। शोध से यह भी पता चला कि शादीशुदा पुरुषों की औसत उम्र अकेले रहने वाले पुरुषों से करीब 10 साल ज्यादा होती है। यूनिवर्सिटी ऑफ ईस्ट एंग्लिया के शोधार्थी क्रिस एम विल्सन अपने शोध 'हाऊ डज मैरिज एफेक्ट फिजिकल एंड साइकोलॉजिकल हेल्थ' में कहते हैं- शादी का फायदा मनोवैज्ञानिक स्तर पर महिलाओं से ज्यादा पुरुषों को होता है। इससे पुरुषों का मानसिक स्वास्थ्य बेहतर होता है। अमेरिका के एशर सेंटर फॉर द स्टडी एंड ट्रीटमेंट ऑफ डिप्रेसिव डिसऑर्डर्स के डॉक्टर शीहान डी फिशर कहते हैं- साथ रहने वाले दंपती में एंग्जाइटी इतनी ज्यादा नहीं होती कि डिप्रेशन में चले जाएं, लेकिन अगर वे डिप्रेशन की हालत में चले भी जाते हैं तो उससे अकेले रहने वालों के मुकाबले जल्दी उबर जाते हैं। वे कहते हैं- किसी बड़ी सर्जरी के बाद होने वाले दर्द से भी दंपती जल्दी उबरते हैं। कई दूसरे शोधों से यह भी पता चला कि पति और पत्नी के बीच आपसी संबंध अगर बेहतर है तो इम्यून सिस्टम भी बेहतर होता है। उनकी रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है और वे अकेले रहने वाले लोगों की तुलना में कम बीमार पड़ते हैं।

नेपाल में आ गई है 'रिवेंज पोर्न' की बाढ़, सैकड़ों युवतियों का जीवन हुआ मुहाल

काठमांडो।
नेपाल में रिवेंज पोर्न (पोर्न के जरिए युवतियों को ब्लैकमेल करने) की घटनाओं में गुजरे कुछ महीनों में तेजी से इजाफा हुआ है। इससे देश के साइबर ब्यूरो की चुनौतियां बढ़ गई हैं। ब्यूरो ने इस सिलसिले में कुछ गिरफ्तारियां भी की हैं। उन लोगों पर इलेक्ट्रॉनिक ट्रांसग्रेशन एक्ट के तहत मुकदमा दायर किया गया है।

नेपाल के कानून में बिना संबंधित व्यक्ति की सहमति के उसकी उत्तेजक या अश्लील तस्वीर को सोशल मीडिया पर डालने को रिवेंज पोर्न के रूप में परिभाषित किया गया है। खास कर युवतियों को इसका शिकार होना पड़ रहा है। बीते वित्त वर्ष के जारी हुए आंकड़ों के मुताबिक देश में साइबर अपराध के 4,646 मामले दर्ज हुए। उनमें रिवेंज पोर्न के 1,011 मामले शामिल हैं। इस वित्त वर्ष में अब तक रिवेंज पोर्न के 680 मामले दर्ज हो चुके हैं। नेपाल में वित्त वर्ष जुलाई से जून तक होता है।

साइबर ब्यूरो के अधिकारियों ने कुछ खास मामलों की जानकारी मीडिया को दी है। इसके तहत सिमी (असली नाम नहीं) नाम की युवती के फेसबुक मेसेंजर पर एक अनजान व्यक्ति संदेश आया। उसमें सिमी की खूबसूरती की तारीफ की गई थी। उस व्यक्ति ने बताया कि वह संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में रहता है और सिमी को जानता है। इसके बाद वे दोनों फेसबुक मेसेंजर के जरिए लगातार बातचीत करने लगे। उस व्यक्ति ने सिमी के सामने कि एक डांस क्लब में नौकरी करने का प्रस्ताव रखा। कहा कि वहां डांस के बदले उसे 18 लाख नेपाली रुपये की मासिक तनख्वाह मिलेगी। आने-जाने का टिकट भी फ्री होगा। इस 19 वर्षीया सिमी ने हां कह दिया। इसके बाद उस व्यक्ति ने सिमी से कुछ अर्ध नग्न तस्वीरें और वीडियो मंगवाए। कुछ रोज बाद वह सिमी को ब्लैकमेल करने लगा। उसने उसकी तस्वीरों को सोशल मीडिया पर सर्कुलेट कर दिया। इसके बाद सिमी ने साइबर ब्यूरो के पास केस दर्ज कराया।

इसी तरह टिक-टॉक या इंस्टाग्राम जैसे सोशल मीडिया पर फ्रेंड बने लोगों ने कई युवतियों को फांसा है। एक मामले में एक लड़की की नग्न तस्वीर मंगवाने के बाद एक व्यक्ति ने उसे ब्लैकमेल करना शुरू कर दिया। उसने कहा कि अगर उस युवती ने दो लाख रुपये नहीं दिए, तो वह उन तस्वीरों को सोशल मीडिया पर वायरल कर देगा। अधिकारियों के मुताबिक ऐसे अपराधी ज्यादातर वैसी युवतियों को शिकार बना रहे हैं, जो अकेले रहती हैं या अकेलेपन की शिकार हैं।

साइबर ब्यूरो के प्रवक्ता भोताहिती राय ने कहा कि ऐसे मामलों की संख्या की इतनी तेजी से बढ़ी है कि ब्यूरो के लिए उनकी पड़ताल करना मुश्किल पड़ रहा है। राय ने बताया कि ऐसे अपराधों में कोरोना महामारी के दौरान तेजी से इजाफा हुआ, जब लोगों को लॉकडाउन के कारण महीनों तक अपने घरों के अंदर रहना पड़ा। उन्होंने कहा- तब से अन्य साइबर अपराधों के साथ-साथ रिवेंज पोर्न की घटनाओं में अभूतपूर्व वृद्धि हुई है।

साइबर ब्यूरो के मुताबिक रिवेंज पोर्न के कई मामलों में पुराने दोस्त और यहां तक कि रिश्तेदार भी शामिल हुए हैं। कुछ मामलों में प्रेम संबंध टूटने के बाद पहले लिए गए फोटो या वीडियो के जरिए एक्स बॉय फ्रेंड ने ऐसा जुर्म किया है।

राजस्थान विधानसभा में छह मिनट तक पिछला बजट भाषण पढ़ते रहे मुख्यमंत्री गहलोत, विपक्ष का जोरदार हंगामा

श्री अशोक गहलोत (मुख्य मंत्री)

जयपुर, (हि.स.)। राजस्थान विधानसभा में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत द्वारा शुक्रवार को बजट 2023-24 पेश करने के दौरान जबरदस्त हंगामा हुआ। विपक्ष के बजट लीक के आरोपों के बाद हुए हंगामे को देखते हुए कार्यवाही दो बार स्थगित करनी पड़ी। भाजपा के विधायक सदन में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत पर पुराना बजट भाषण पढ़ने का आरोप लगाते हुए उनसे माफी की मांग करते हुए हंगामा करते रहे। सुबह 11 बजे सदन की कार्रवाई आरंभ होने के बाद करीब 6 मिनट तक मुख्यमंत्री बजट पढ़ते रहे, तभी जलदाय मंत्री महेश जोशी ने आकर उनके कान में कुछ कहा और वो ठिठक गए। गहलोत का भाषण रुका तो विपक्ष ने हंगामा शुरू कर दिया। विपक्षी सदस्य जोरदार हंगामा करते हुए वेल में आ गए। विपक्ष ने यह भी आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री ने पुराना बजट पढ़ा है। हंगामे के कारण सदन की कार्रवाई आधा घंटा के लिए स्थगित कर दी गई। इसके बाद मुख्यमंत्री ने मुख्य सचिव उषा शर्मा को तलब किया और अफसरों की लापरवाही पर नाराजगी व्यक्त की। सदन की कार्रवाई 11 बजकर 42 मिनट पर दूसरी बार आरंभ हुई तो नेता प्रतिपक्ष गुलाबचंद कटारिया ने कहा कि कुछ मिनट तक गलत पढ़ने के बाद तीसरे व्यक्ति ने आकर बताया कि गलत पढ़ रहे हैं। बजट लीक हुआ है, बजट गोपनीय होता है और इसकी कॉपी मुख्यमंत्री के अलावा किसी दूसरे के पास कैसे पहुंच गई। सीएम को तीसरे आदमी ने आकर बताया, यह बजट किसी तीसरे व्यक्ति को कैसे मालूम पड़ा। सदन का मान रखना चाहते हैं तो इस बजट को दूसरे दिन अलग से पेश किया जाए। आज की घटना से लोकतंत्र शर्मसार हुआ है।

कटारिया ने मुख्यमंत्री से माफी की मांग की। इस पर मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने सफाई दी। उन्होंने कहा कि 'बजट भाषण की इस कॉपी में फर्क हो तो बताइए। एक एक्स्ट्रा पेज लग गया गलती से। मैं एक पेज गलत पढ़ने लग गया। नेता प्रतिपक्ष कटारिया ने कहा कि पुराना बजट पढ़ने पर मुख्यमंत्री को माफी मांगनी चाहिए। इस पर विधानसभा अध्यक्ष जोशी ने इस मामले में माफी मांगी तथा कहा कि सदन की आज हुई कार्रवाई डिलीट नहीं की जाएगी। इसके बावजूद सतीश पूनियां, राजेन्द्र राठौड़ भाजपा सदस्यों के साथ वेल में आकर हंगामा करते रहे। विधानसभा अध्यक्ष जोशी ने समझाते हुए कहा कि इससे पहले भी बजट भाषण में गलतियां होती रही है, जिन्हें सुधारा गया है। उन्होंने कहा कि विपक्षी सदस्य सदन में गलत परंपरा डाल रहे हैं, जो ठीक नहीं है। उन्होंने सदन में बैठी पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे की तरफ इशारा करते हुए कहा कि भाजपा के सदस्य ही अपनी पार्टी का नाम बदनाम करने पर तुले हुए हैं और नई परंपरा डाल रहे हैं, जो उनके लिए ही ठीक नहीं है। भाजपा विधायकों के हंगामे को देखते हुए विधानसभा अध्यक्ष जोशी ने सदन की कार्रवाई दूसरी बार 15 मिनट के लिए स्थगित कर दी। राजस्थान में पहली बार बजट भाषण के दौरान सदन की कार्यवाही स्थगित की गई। पहली बार करीब आधा घंटा के लिए, फिर 15 मिनट के लिए। दोबारा सदन शुरू होने पर विधानसभा अध्यक्ष सीपी जोशी ने कहा कि जो कुछ घटनाक्रम हुआ, वह दुर्भाग्यपूर्ण है। मुख्यमंत्री ने जो भाषण दिया है, वह ठीक नहीं होगा। आज की घटना से आहत हुए हैं। मानवीय भूल होती रहती है। इस अनहोनी घटना के लिए जो सारी कार्यवाही हुई है, उसे निरस्त करता हूं। 11 बजे से 11:42 तक की पूरी घटना को विधानसभा की कार्यवाही से निकाल दिया गया है। स्पीकर की ओर से बजट दोबारा पेश करने की अनुमति मिलने के बाद गहलोत ने बोलना शुरू किया। उन्होंने कहा कि कॉपी वही आपको मिली है, जो बजट में पढ़ने वाला था। एक एकस्ट्रा पेज था। ये बजट को प्रेस में मैंने नहीं छपाया। मुझे बताइए अगर मैं एक पेज गलत पढ़ने लग गया, वो ही लोग जिन्होंने बजट बनवाया, उनमें से कोई मुझे कनवे करें कि पेज गलत आ गया। इसे कहां लीक होने की बात आती है। बजट की गरिमा होती है, बजट के आधार पर गवर्नेंस चलती है। इसमें पक्ष-विपक्ष कुछ नहीं होता। इस बीच विपक्ष हंगामा करता रहा। गहलोत ने कहा कि ऐसे मानवीय गलती पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे के समय भी हुई हैं। इसके जवाब में राजे ने कहा कि कोई भी सीएम अगर अपने भाषण में इस तरह की गलती करे तो आई फील कि राजस्थान का क्या होगा? इससे पहले पूर्व सीएम राजे ने इस मुद्दे पर ट्वीट भी किया। उन्होंने लिखा, 'जिस प्रदेश के मुख्यमंत्री बिना चेक किए 8 मिनट तक पुराना बजट पढ़ते रहे, आप समझ सकते हैं कि उनके हाथ में प्रदेश कितना सुरक्षित है? ये इतिहास में पहली बार हुआ है। पूरे घटनाक्रम पर मुख्यमंत्री ने भी ट्वीट कर भाजपा पर हमला करते हुए लिखा, 'भाजपा सिर्फ.यह दिखाना चाहती है कि वह राजस्थान के विकास और तरक्की के खिलाफ है। इनका मनगढ़ंत आरोप कि बजट लीक हो गया यह दशार्ता है कि बजट को भी यह अपनी ओछी राजनीति से नहीं छोड़ेंगे। 'बचत, राहत, बढ़त' में एक ही बाधा है - भाजपा।'

रैपिड एक्शन फोर्स का पुलिस लाइन में लाइव प्रदर्शन

जोधपुर, (हि.स.)। केन्द्रीय मंत्रालय के अधीन गृह सुरक्षा की दृष्टि से रैपिड एक्शन फोर्स का जोधपुर में अभी अभ्यास वर्क जारी है। शुक्रवार को तीसरे दिन फोर्स के जवानों ने पुलिस लाइन मैदान में अपना प्रदर्शन दिखाया। फोर्स को यातायात एवं कानून व्यवस्था एवं मुख्यालय के ड-ीसीपी विनीत कुमार बंसल ने संबोधित कर उनकी कार्य प्रणाली को सराहा। रैपिड एक्शन फोर्स की तरफ से तीसरे दिन शहर में पुलिस लाइन स्थित मैदान में अपना लाइव प्रदर्शन दिखाया। फोर्स के जवानों ने अपनी कार्यप्रणाली को दशार्या। इस अवसर पर यातायात एवं कानून व्यवस्था मुख्यालय के डीसीपी विनीत कुमार बंसल ने जवानों की हौंसला अफजाई करते हुए संबोधन दिया। उन्होंने फोर्स के जवानों की कार्यप्रणाली की सराहना करते हुए देश प्रेम की भावना को बताया। उल्लेखनीय है कि फोर्स की तरफ से गत दो दिनों से भीतरी शहर में सांप्रदायिक सौहार्द एवं भाईचारे के लिए रूट मार्च किया गया है। फोर्स द्वारा कमिश्नरेट के अलग अलग थाना क्षेत्रों में रूट मार्च निकाल कर मानचित्र का अवलोकन के साथ हर परिस्थिति से निपटने के लिए तैयारी का अभ्यास चल रहा है।

पीएम नरेंद्र मोदी के राजस्थान दौरे से पहले सचिन पायलट ने लिखी ईआरसीपी को लेकर चिट्ठी

सचिन पायलट

आदरणीय प्रधानमंत्री जी,

जयपुर, (हि.स.)। पीएम नरेंद्र मोदी 12 फरवरी को दौसा दौरे पर रहेंगे। इससे पहले पूर्व उप मुख्यमंत्री सचिन पायलट ने ईस्टर्न राजस्थान कैनाल प्रोजेक्ट को लेकर प्रधानमंत्री को चिट्ठी लिखी है। इस चिट्ठी में सचिन पायलट ने ईआरसीपी प्रोजेक्ट को लेकर मोदी से राजस्थान के मसले पर अपील करते हुए अपेक्षित एलान की बात कही है। पायलट ने चिट्ठी में 13 जिलों के पेयजल की समस्या का जिक्र किया है और इसके लिए आगामी 12 जनवरी को दौसा दौरे के दौरान समाधान निकालने की मांग की है। पायलट ने लिखा है कि 2018 में एक सभा के दौरान आपने ईस्टर्न राजस्थान कैनल प्रोजेक्ट को राष्ट्रीय परियोजना का दर्जा देने का भरोसा दिलाया था। प्रदेश की जनता पेयजल की उपलब्धता के लिए आज भी इस घोषणा के पूरे होने का इंतजार कर रही है। आप से यह उम्मीद है कि जब 12 तारीख को आप राजस्थान आएंगे, तो दौसा में आयोजित जनसभा के दौरान इस प्रोजेक्ट को राष्ट्रीय परियोजना का दर्जा भी देंगे। पायलट ने लिखा कि ईस्टर्न राजस्थान के इस प्रोजेक्ट को मंजूरी मिलने के बाद प्रदेश की आधी आबादी की सिंचाई एवं पेयजल की समस्या का समाधान हो जाएगा। साल 2017-18 के राज्य बजट में राजस्थान की तत्कालीन सरकार ने राजस्थान के 13 जिलों झालावाड़, बारां, कोटा, बूंदी, सवाईमाधोपुर, अजमेर, टोंक, जयपुर, दौसा, करौली, अलवर, भरतपुर और धौलपुर के लिए पेयजल-सिंचाई की योजना बनाई थी। पूर्वी राजस्थान नहर परियोजना नाम के इस प्रोजेक्ट के जरिए पेयजल और सिंचाई की समस्या के स्थायी समाधान को तलाश करने की कोशिश की गई थी। कांग्रेस का आरोप है कि परियोजना के ऐलान के बाद साल 2018 में राजस्थान में आयोजित एक सभा में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस प्रोजेक्ट को राष्ट्रीय परियोजना का दर्जा देने का भरोसा दिलाया था। इस मसले पर राजस्थान में बीते एक साल से कांग्रेस और भाजपा के बीच बयानबाजी का दौर जारी है। पूर्वी राजस्थान के लोग भी जल्द से जल्द प्रोजेक्ट को पूरा किए जाने की मांग कर रहे हैं। इस सिलसिले में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत केंद्र से 90 के मुकाबले 10 वीं फीसदी के अनुपात से राज्य और केंद्र के बीच योजना का काम पूरा करवाने की मांग कर रहे हैं।

सुरक्षा मामले में हरियाणा को फिसड्डी बताने वाली रिपोर्ट आधारहीन: कृषि मंत्री

भिवानी, (हि.स.)। कृषि मंत्री जेपी दलाल ने सुरक्षा मामले में हरियाणा को सबसे फिसड्डी बताने वाली रिपोर्ट को आधारहीन बताया। उन्होंने कांग्रेस के आरोपों का पलटवार करते हुए कहा कि राहुल गांधी ने विदेशी कंपनी हायर कर अपनी छवि सुधारने की कोशिश कर रहे हैं। मंत्री दलाल शुक्रवार को भिवानी में पत्रकारों के जवाब दे रहे थे। पत्रकार वार्ता के दौरान मंत्री दलाल ने भिवानी में हो रही भाजपा की दो दिवसीय प्रदेश कार्यसमिति की बैठक की जानकारी दी। कृषि मंत्री जेपी दलाल ने बताया कि भिवानी में 10 व 11 फरवरी को भाजपा की दो दिवसीय प्रदेश कार्यसमिति की बैठक हो रही है, जिसमें मुख्यमंत्री मनोहर लाल, केंद्रीय मंत्री, प्रदेश अध्यक्ष समेत तमाम पदाधिकारी व नेता भाग लेंगे। उन्होंने कहा कि यह बैठक 24 के चुनाव में जीत व संगठन मजबूती के लिए हो रही है। उन्होंने सरपंचों के विरोध संबंधी एक सवाल के जवाब में कहा कि प्रजातंत्र में हर फैसला जनहित में लिया जाता है। सरपंच अपना काम करें, कोई दिक्कत या परेशानी आएगी तो उसे दूर किया जाएगा। उन्होंने अडानी मामले पर हावी हो रहे विपक्ष और बेरोजगारी के बाद सुरक्षा मामले में आई रिपोर्ट में हरियाणा को सबसे फिसड्डी होने पर कहा कि विपक्ष अपनी पसंद की विदेशी कंपनियों व एजेंसियों से ये भ्रम फैला रहा है। जबकि जनता हर बार भाजपा व मोदी की नीतियों पर मुहर लगाती है। उन्होंने कहा कि बच्चा-बच्चा जानता है कि हरियाणा में कानून व्यवस्था, किसानों की हालत व रोजगार देश में सबसे बेहतर हैं। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी ने अपनी छवि सुधारने के लिए विदेशी कंपनी हायर कर यात्रा निकाली, धारा 370 दोबारा लागू कहने की बात कही, जिसे हरियाणा के लोग कभी स्वीकार नहीं करेंगे। जेपी दलाल ने कहा कि विपक्ष को कामयाब होना है तो ड्रामा करने की बजाय अपने पुराने कामों की माफी मांग कर जनता के बीच जाना चाहिए।

गुम बकरी की तलाश में दो गुटों के बीच संघर्ष,1 शख्स की पीट-पीट कर हत्या

चंडीगढ़ (ईएमएस)। पंजाब के संगरूर में गुम हुई एक बकरी तलाश के दौरान दो गुटों के बीच हुई हिंसक झड़प में एक व्यक्ति का कत्ल कर दिया गया है, जबकि एक अन्य व्यक्ति बुरी तरह से घायल हो गया। इस घटना के बाद दलित समुदाय के लोगों ने आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग करते हुए थाने के बाहर शव को रखकर विरोध प्रदर्शन किया। दलित समुदाय के लोगों ने आरोपियों को तुरंत गिरफ्तार करने और मामले में एससी-एसटी एक्ट जोड़ने की मांग की है। हालांकि पुलिस के आश्वासन के बाद लोगों ने अपना प्रदर्शन खत्म कर दिया। पुलिस से हासिल जानकारी के मुताबिक घटना संगरूर जिले के गुजरा गांव की है। यहां के निवासी दमनजीत सिंह बकरी पालक है और रोजाना बकरियां चराने के लिए खेतों में जाता था। दमनजीत ने 7 फरवरी को अपनी बकरियां चराने के लिए उसके रिश्तेदार बूटा सिंह को दी, क्योंकि उसको किसी काम से गांव के बाहर जाना था। बूटा सिंह जब शाम को बकरियां चराकर वापस लौटा तो दमनजीत सिंह ने पाया कि उसकी एक बकरी गुम है। इस पर वह अपने बेटे हंसा सिंह और बूटा सिंह को लेकर बकरी को तलाश करने के लिए निकल पड़ा। गांव में नारंग सिंह भी बकरी पालने का काम करता है। बकरी को तलाश करते समय नारंग सिंह के परिवार से बूटा सिंह और दमनजीत सिंह की बहस हो गई, जो देखते ही देखते हिंसक झड़प में बदल गई। दोनों पक्षों में हुई हिंसक झड़प में दमनजीत सिंह का बेटा हंसा सिंह और बूटा सिंह बुरी तरह घायल हो गए जिन्हें उपचार के लिए अस्पताल ले जाया गया, जहां पर बूटा सिंह को डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने मामले में नारंग सिंह के बेटे मघर सिंह सहित कुल 6 लोगों के खिलाफ धारा 302, 365, 341, 342, 323, 148, 149 के तहत एफआईआर दर्ज की है।

ढांचागत विकास, स्वास्थ्य, रोजगार सृजन व सामाजिक कल्याण पर फोकस करेगा बजट

-मुख्यमंत्री ने ली दस विभागों की बैठक

चंडीगढ़, (हि.स.)। अमृतकाल में हरियाणा के नागरिकों के कल्याणार्थ वर्ष 2023-24 का राज्य बजट पेश करने से पहले मुख्यमंत्री मनोहर लाल निरंतर प्री- बजट बैठकें कर रहे हैं। इसी कड़ी में मुख्यमंत्री ने शुक्रवार को हरियाणा निवास में मंत्रियों व विभागों के प्रशासनिक सचिवों के साथ बजट पूर्व परामर्श की अहम बैठक की। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि बजट में शिक्षा, स्वास्थ्य, ग्रामीण विकास, पर्यावरण इत्यादि क्षेत्रों पर मुख्य रूप से फोकस रखते हुए बजट बनाया जाए। सभी हितधारकों से जो परामर्श प्राप्त हुए हैं, उनके सुझावों को बजट में शामिल कर एक अच्छा व संतुलित बजट तैयार करें। उन्होंने कहा कि नई योजनाओं को आम आदमी के लिए बाधारहित व बेहतर तकनीक पर आधारित बनाया जाना चाहिए, ताकि ईज ऑफ लिविंग की अवधारणा चरितार्थ हो सके। उन्होंने कहा कि राज्य बजट में केंद्रीय बजट की तर्ज पर ढांचागत विकास, स्वास्थ्य, रोजगार सृजन, आवास, सामाजिक कल्याण, कृषक कल्याण, उच्च शिक्षा, नवाचार एवं अनुसंधान सहित हर क्षेत्र पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा, जिससे हर वर्ग को लाभ होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 2023 को प्रदेश में अंत्योदय अरोग्य वर्ष के रूप में मना रहे हैं। वंचितों को वरीयता देते हुए कल्याणकारी बजट प्रस्तुत किया जाएगा। उन्होंने कहा कि गरीब व जरूरतमंदों का सरकारी सुविधाओं व सेवाओं पर पहला हक है। इसलिए अंत्योदय की भावना से काम करते हुए हम आगे बढ़े हैं। आईटी का उपयोग करते हुए व्यवस्थाएं बदल रहे हैं। बैठक में मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने बारी-बारी से प्रदेश के सभी विभागों के मंत्रियों व प्रशासनिक सचिवों से उनके विभाग से संबंधित सुझाव लिए। अधिकारियों ने नई योजनाओं को शुरू करने के संबंध में महत्वपूर्ण सुझाव दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि पैसे की कमी की वजह से किसी भी योजना को रुकने नहीं दिया जाएगा। प्रदेश का चहुंमुखी विकास करना सरकार की पहली प्राथमिकता है। इस बार के बजट के लिए भी औद्योगिक इकाईयों, सांसदों, विधायकों व अन्य हितधारकों के साथ प्री- बजट बैठकें हुई हैं। इस अवसर पर स्कूल शिक्षा मंत्री कंवर पाल, परिवहन मंत्री मूलचंद शर्मा, सहकारिता मंत्री डॉ बनवारी लाल, शहरी स्थानीय निकाय मंत्री डॉ कमल गुप्ता, विकास एवं पंचायत मंत्री देवेंद्र सिंह बबली, महिला एवं बाल विकास राज्य मंत्री श्रीमती कमलेश ढांडा और श्रम राज्य मंत्री अनूप धानक मौजूद रहे।

गुलमर्ग में खेलो इंडिया शीतकालीन खेल का अनुराग ठाकुर ने किया उद्घाटन

श्रीनगर, (हि.स.)। विश्व प्रसिद्ध स्की रिसार्ट गुलमर्ग में खेलो इंडिया शीतकालीन खेल 2023 की शुक्रवार को शुरूआत हो गई। केन्द्रीय खेल मंत्री अनुराग ठाकुर व जम्मू-कश्मीर केन्द्र शासित प्रदेश के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने इसका उद्घाटन किया। खेलो इंडिया शीतकालीन खेल 14 फरवरी तक चलेंगे। इनमें देश के 29 राज्यों के 1500 खिलाड़ी हिस्सा ले रहे हैं। इस अवसर पर अनुराग ठाकुर ने खिलाड़ियों व दर्शकों का हौसला बढ़ाते हुए कहा कि इससे खिलाड़ियों को तो लाभ होगा ही पर्यटकों की संख्या भी बढ़ेगी। उन्होंने कहा कि भारी बर्फबारी के बाद भी खेलों के प्रति लोगों का उत्साह देखकर पता चलता है कि फिट इंडिया अभियान को प्रशासन ने गांव-गांव तक पहुंचाया है। उन्होंने कहा कि लोगों का उत्साह बता रहा है कि वे शीतकालीन खेल के लिए कितने उत्सुक हैं। दो वर्षों के बाद फिर से गुलमर्ग में इसका आगाज हो गया है। उधर देश भर से आए खिलाड़ी भी पूरे जोश के साथ प्रदर्शन को तैयार हैं। युवा बढ़-चढ़कर खेलों में हिस्सा ले रहे हैं। खुशी है कि कश्मीर में पर्यटन लगातार बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार यहां पर और सुविधाएं बढ़ाएगी जिससे टूरिज्म के साथ रोजगार भी बढ़ेगा। उन्होंने कहा कि दूसरी ओर बर्फबारी के मौसम में लोग रात में स्कीइंग और लेजर शो का आनंद ले रहे हैं। इससे पता चलता है कि जम्मू कश्मीर बदल चुका है। प्रधानमंत्री विकास पैकेज के तहत जम्मू-कश्मीर प्रशासन शानदार काम कर रहा है। इस योजना के तहत खेल की सुविधाएं, मैदान और इंडोर स्टेडियम बनाने का काम अच्छे तरीके से किया गया है। उन्होंने कहा कि खेलो इंडिया एक ऐसा अभियान है, जिसमें युवा खेल, विश्वविद्यालय खेल व शीतकालीन खेल आयोजित होते हैं। जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने कहा कि खेलो इंडिया विंटर गेम्स 14 फरवरी तक चलेंगे। इससे खिलाड़ियों को फायदा होगा और पर्यटकों की संख्या भी बढ़ेगी। प्रशासन खिलाड़ियों व पर्यटकों की हर सुविधा व सुरक्षा का पूरा ध्यान रख रहा है। जम्मू-कश्मीर अब विकास के साथ-साथ शांति व समृद्धि की ओर बढ़ चला है। उल्लेखनीय है कि देश भर से आये हुए खिलाड़ी स्कीईंग, एल्पाइन स्कीईंग, स्नो रग्बी, आइस स्टाक स्पोर्ट, स्नो बेसबाल, पर्वतारोहण, स्नो शू रनिंग, आइस हाकी, फिगर स्केटिंग और स्पीड स्केटिंग में अपना दम खम दिखायेंगे। इससे पहले गुरुवार को अनुराग ठाकुर ने टंगमर्ग में स्नो क्रिकेट प्रतियोगिता का उद्घाटन किया था और खुद भी बर्फ के बीच क्रिकेट खेलने का मजा लिया।

भूस्खलन के चलते जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग यातायात के लिए बंद

जम्मू, (हि.स.)। जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग भूस्खलन के चलते यातायात के लिए शुक्रवार को बंद है। मार्ग को साफ करने का कार्य जारी है। रामबन जिले के मेहद, पंथियाल और कैफेटेरिया मोड़ में गुरुवार को हुई भारी बारिश के कारण कई भूस्खलन हुए और पहाड़ों से पत्थरों के गिरने से विभिन्न स्थानों पर राष्ट्रीय राजमार्ग अवरुद्ध हो गया है। जिसके कारण बड़ी संख्या में वाहन राजमार्ग पर विभिन्न स्थानों पर फंसे हुए हैं। एक अधिकारी ने बताया कि सड़क को साफ करने का काम चल रहा है और अगले कुछ घंटों में राष्ट्रीय राजमार्ग पर वाहनों की आवाजाही फिर से शुरू हो जाएगी। हालांकि अधिकारियों ने यात्रियों को रामबन, श्रीनगर और जम्मू के यातायात नियंत्रण इकाइयों से सड़क की स्थिति की पुष्टि करने के बाद ही राष्ट्रीय राजमार्ग पर यात्रा करने की सलाह दी है। इसी बीच ऐतिहासिक मुगल रोड जो जम्मू क्षेत्र के राजौरी और पुंछ के जुड़वां सीमावर्ती जिलों को कश्मीर घाटी के शोपियां जिले से जोड़ने वाला वैकल्पिक राष्ट्रीय राजमार्ग है, पिछले साल दिसंबर से ही बंद है।

प्रदेश प्रशासन ने रौशनी एक्ट के अंतर्गत वापिस ली जा रही भूमि को लेकर अपनी पार्टी कार्यकर्ता ने किया प्रदर्शन

उधमपुर, (हि.स.)। जम्मू कश्मीर अपनी पार्टी के कार्यकर्ताओं ने दोमेल चैक के पास प्रदेश सरकार द्वारा रौशनी एक्ट में ली गई जमीनों को वापिस प्राप्त करने हेतु चलाये जा रहे अभियान को लेकर जोरदार नारेबाजी कर प्रदर्शन किया। प्रदर्शन की अगुबाई जम्मू कश्मीर अपनी पार्टी के जिला ऊधमपुर के महासचिव सतपाल चलोत्रा ने की। इस अवसर पर चलोत्रा का कहना था कि प्रदेश सरकार द्वारा राज्य भूमि वापिस लेने के लिए जो अभियान चलाया जा रहा है वह केवल छोटे लोगों को तंग करने के लिए है। उनका कहना था कि इस अभियान के अंतर्गत ज्यादातर उन्हीं लोगों पर कार्रवाई जा रही है जिनके पास केवल 5 से दस मरले या फिर एक कनाल तक भूमि है जबकि बड़ी मछलियों को अभी भी बचाया जा रहा है। उनका कहना था कि एलजी प्रशासन को चाहिए था कि वह उन लोगों पर कार्रवाई करते जिन्होंने हजारों, सैंकडों कनाल भूमि पर अवैध कब्जे कर रखे हैं तथा उन पर आलीशान आशियाने बनाये हुए हैं। उन गरीब लोगों को क्यों तंग किया जा रहा है जिन पास केवल गुजारे लायक ही भूमि है। उन्होंने कहा कि अब लोगों को समझ में आ गया कि भाजपा ने उनके साथ धोखा किया है तथा आगामी चुनावों में लोग सबक सीखाने का मन बना चुके हैं। उन्होंने लोगों से एकजुट होने तथा इस अत्याचार के खिलाफ खड़ा होने की अपील की। उन्होंने उपराज्यपाल से आग्रह किया कि वह इस मूहिम के अंतर्गत गरीब लोगों को तंग न करें तथा भू-माफिया, राजनेताओं, आदि पर कार्रवाई करें जिन्होंने लाखों करोड़ों रूपयों की भूमि पर कब्जा कर रखा है।

सूरजकुंड मेला : शौचालय बंद होने से परेशान होते हैं हस्तशिल्पी और पर्यटक

फरीदाबाद, (हि.स.)। सूरजकुंड में चल रहे 36वें अंतरराष्ट्रीय मेले में आठों राज्य के हस्तशिल्प कलाओं का स्टॉल लगाया गया है, लेकिन वहां पर एक भी शौचालय नहीं होने से हस्तशिल्पियों को लगभग 600 मीटर दूर जाना पड़ता है। हस्तशिल्प कलाकार राजू तुमंग की स्टॉल के पास एक हरियाणा टूरिज्म विभाग ने शौचालय तो बनवाया है लेकिन वह चारों तरफ से बंद है। ऐसा नहीं कि मेले में शौचालय नहीं हैं शौचालय तो हैं लेकिन उनके लिये कोई साइन मार्क न होने के चलते मेले में आये पर्यटकों को इधर-उधर भटकना पड़ता है और सबसे ज्यादा परेशानी तो मेले में आये दिव्यांगजनों को झेलनी पड़ती है। हरियाणा टूरिज्म विभाग का शौचालय का दरवाजा खोजने के लिए इसकी पूरी परिक्रमा देनी पड़ती है, लेकिन इसके दरवाजे को तो वैल्डिंग करके पूरी तरह से बंद कर दिया गया है और अंत मे दरवाजा ना पाकर उन्हें निराशा हाथ लगती है। स्टॉल संचालक दिव्यांग राजू तुमंग ने बताया कि उन्हें शौचालय बन्द होने के चलते परेशान होना पड़ता है। इस मामले में मेले के नोडल अधिकारी यूएस भारद्वाज से कोई ध्यान नहीं दे रहे हैं।

मेले में टयूनिशिया के ओईली वुड आईटमस को देखने उमड़ रही पर्यटकों की भीड़

फरीदाबाद, (हि.स.)। 36वें सूरजकुंड अंतरराष्ट्रीय हस्तशिल्प मेला में उतरी अफ्रीका महाद्वीप के अरब राष्ट टयूनिशिया के लकडी से बने उत्पाद न केवल मेला की शोभा बढ़ा रहे हैं,साथ ही मेला देखने आए पर्यटकों के लिए आकर्षण का केंद्र बन रहे हैं। इन उत्पादों में न केवल भारतीय हस्तशिल्प कला की झलक देखने को मिल रही है, बल्कि लकड़ी पर उकेरी गई विदेशी कला के पर्यटक दीवाने हो चले हैं। इन आईटम्स के लिए पर्यटक एक बार जरूर इस स्टाल का अवलोकन करते हुए जानकारी भी जुटा रहे हैं। बेशक विदेशी धरा पर ओईली वुड से इन प्रोडेक्टों को तैयार किया गया हो,मगर इन उत्पादों का भारतीय संस्कृति विशेषकर हरियाणवी कल्चर से पूरा मेल मिलता दिखाई देता है। एंबेसी आफ दा रिपब्लिक आफ टयूनिशिया के नाम से स्टाल पर आने वाले प्रत्येक पर्यटक को बाकायदा बारीकी से उत्पादों से रूबरू कराया जा रहा है। म्हरो हरियाणा में टयूनिशिया के ये उत्पाद मेले की शोभा को चार चांद लगा रहे हैं। इस स्टाल पर ओईली वुड आईटम्स में मुख्य रूप से पानी बोतल, बीयर जार, कप, टेबल, घरेलु सजावटी आईटम्स के अलावा आधुनिक रसोई में रखे जाने वाले सभी आईटम्स उपलब्ध हैं, जिन्हें पर्यटक न केवल खरीदारी कर रहे हैं, बल्कि पहले रूचि लेकर उनकी जानकारी भी हासिल कर रहे हैं। टयूनिशिया से आए स्टाल संचालक कैबी फाऊजी कहते हैं कि उनके लिए यह मेला किसी विशेष लम्हों से कम नहीं है, बेसक वो अपने उत्पादों को लेकर सूरजकुंड अंतर राष्ट्रीय मेला आए हैं, मगर यहां भारत वर्ष के कोने-कोने से आए पर्यटकों से मिलकर उनको बेहद खुशी का अहसास हो रहा है,साथ ही पर्यटक उनसे हर उत्पाद को लेकर बारीकी से जानकारी ले रहे हैं।

फतेहाबाद में पंचायत का फैसला, मृत्यु भोज पर पाबंदी, गांव में नहीं बिकेगी शराब

फतेहाबाद, (हि.स.)। जिले के गांव बैजलपुर की पंचायत ने शुक्रवार को पहली ही बैठक में अनेक ऐतिहासिक फैसले लिए हैं। ग्राम सभा की बैठक में ग्रामीणों ने सर्वसम्मति से जहां मृत्युभोज पर पूरी तरह रोक लगाने का फैसला लिया वहीं नशे के खिलाफ नई पहल करते हुए गांव में शराब बिक्री पर भी प्रतिबंध लगाने का फैसला लिया गया है। शुक्रवार से ही गांव में शराब बिक्री के अवैध खुर्दे बंद करवा दिए गए, वहीं आगामी सत्र में शराब ठेका बंद करवाने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई। यदि कोई गांव में शराब बेचता पाया जाता है तो उसके खिलाफ ग्राम पंचायत द्वारा कार्रवाई करवाई जाएगी। बैठक में गांव के विकास और शमशान भूमि में सुधार को लेकर दो विकास कमेटियों का भी गठन करने का निर्णय लिया गया है। ग्राम सभा की अध्यक्षता बैजलपुर के नवनिर्वाचित युवा सरपंच हेमंत सिंह बैजलपरिया ने की जबकि संचालन ग्राम सचिव अमित कुमार सिंगला ने किया। बंद कमरे की बजाय गांव के चौक में हुई इस बैठक में काफी संख्या में महिलाओं ने भी भाग लिया। ग्राम सभा की बैठक में सर्वसम्मति से मृत्यु भोज पर सामूहिक रूप से प्रतिबंध लगाने का फैसला लागू किया गया। ग्राम सचिव अमित कुमार सिंगला ने ग्राम सभा की पूरी कार्रवाई को रिकॉर्ड में दर्ज किया गया और सैंकड़ों की संख्या में ग्राम वासियों ने उपरोक्त फैसले पर हस्ताक्षर व अंगूठा लगाकर अपनी सहमति प्रकट की। सरपंच हेमंत बैजलपुरिया ने ग्राम सभा में बताया कि ग्राम पंचायत जल्द ही एक टोल फ्री नंबर जारी करेगी, जिस पर गांव की कोई भी समस्या बताएंगे उसका समाधान हाथों-हाथ होगा। उन्होंने कहा कि बैजलपुर इंडिया की ऐसी पहली पंचायतों होगी, जहां सामूहिक समस्या का समाधान टोल फ्री नंबर पर तुरंत प्रभाव से होगा। सरपंच हेमंत बैजलपुरिया ने बताया कि भविष्य में मृत्यु भोज पर सामूहिक रूप से प्रतिबंध लगाया गया है और उसमें संपूर्ण ग्रामवासियों ने एकमत होकर फैसले का स्वागत किया है। गांव के विकास को लेकर अलग-अलग दो विकास समितियों का गठन किया जाएगा। समिति में हर वर्ग के लोगों को शामिल किया जाएगा जिसमें पूर्व सरपंच, रिटायर्ड कर्मचारी, सामाजिक कार्यकर्ता, अनुभवी युवाओं को जिम्मेवारी सौंपी जाएगी। एक कमेटी शमशन भूमि सुधार के लिए गठित होगी, जिसमें मृत्यु भोज के प्रतिबंध के बाद कोई भी व्यक्ति खर्च होने वाली राशि से अपने बुजुर्गों की यादगार में श्मशान भूमि या स्कूल में कमरे बरामदे या अन्य कोई सुविधाएं देकर उनका नाम अंकित करवा सकते हैं।

अब टिक टॉक और याहू में होगी छंटनी : टिक टॉक ने इंडिया के पूरे स्टाफ को नौकरी से निकाला, याहू 20प्रतिशत एम्प्लॉइज को बाहर करेगी

नई दिल्ली।

गूगल-अमेजन जैसी बड़ी टेक कंपनियों के बाद अब टिक टॉक और याहू ने भी छंटनी की है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, टिक टॉक ने इंडिया में 40 एम्प्लॉइज के अपने पूरे स्टाफ को नौकरी से निकाल दिया है। इतना ही नहीं कंपनी ने सभी एम्प्लॉइज को पिंक स्लिप भी दे दी है।

टिकटॉक को 3 साल पहले इंडिया में किया गया था बैन - रिपोर्ट्स के मुताबिक, बाइट डांस की सोशल मीडिया ऐप टिक टॉक के इंडिया ऑफिस के एम्प्लॉइज ज्यादातर ब्राजील और दुबई के मार्केट के लिए काम कर रहे थे। टिक टॉक का यह फैसला कोई आश्चर्य की बात नहीं है, क्योंकि करीब 3 साल पहले टिकटॉक को इंडिया में बैन कर दिया गया था।

निकाले गए एम्प्लॉइज को 9 महीने की सैलरी देगी टिक टॉक - टिक टॉक ने एम्प्लॉइज को बताया है कि 28 फरवरी को कंपनी में उनका आखिरी दिन होगा। रिपोर्ट्स के मुताबिक, कंपनी ने यह भी कहा है कि निकाले गए एम्प्लॉइज को 9 महीने की सैलरी (सेवरेंस पे) भी दी जाएगी।

वर्कफोर्स में से 20प्रतिशत से ज्यादा एम्प्लॉइज की छंटनी करेगी याहू - वहीं याहू अपनी टोटल ग्लोबल वर्कफोर्स में से 20प्रतिशत से ज्यादा एम्प्लॉइज की छंटनी करने का प्लान बना रही है। इस बात की जानकारी कंपनी ने खुद अपने एक स्टेटमेंट में दी है। जिसमें कंपनी ने कहा है कि छंटनी का उद्देश्य अपने ऐड-टेक डिवीजन को प्रमुख रूप से रिस्ट्रक्चर करना है। छंटनी का यह दौर साल के आखिरी तक लगभग आधे ऐड-टेक एम्प्लॉइज को प्रभावित करेगा। जिसमें से इस सप्ताह लगभग 1,000 कर्मचारी को नौकरी से निकाला जाएगा।

ऐड-टेक यूनिट के 50प्रतिशत से ज्यादा एम्प्लॉइज को निकाला जाएगा - याहू ने बताया कि कंपनी का प्लान पहले 12प्रतिशत एम्प्लॉइज की छंटनी करने का है। इसके बाद कंपनी बचे हुए 8प्रतिशत एम्प्लॉइज को इस साल के सेकंड हाफ में नौकरी से निकालेगी। हालांकि, कंपनी ने छंटनी से प्रभावित होने वाले एम्प्लॉइज की संख्या नहीं बताई है। कंपनी ने इस बात की पुष्टि की है कि छंटनी में ऐड-टेक यूनिट के मौजूदा एम्प्लॉइज में से 50प्रतिशत से ज्यादा कर्मचारी प्रभावित होंगे। 2021 में याहू को 5 बिलियन डॉलर में अपोलो ग्लोबल मैनेजमेंट ने खरीदा था।

न्यूज ब्रीफ

आने वाले वर्षों में देश को रेलवे का नया रूप मिलेगा : अश्विनी वैष्णव

नई दिल्ली। केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा है कि आने वाले वर्षों में देश को रेलवे का एक नया रूप देखने को मिलेगा। भारतीय रेलवे शुक्रवार को देश की 9वीं और 10वीं वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन की शुरूआत कर रहा है। इस मौके पर केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि आगे आने वाले वर्षों में देश की जनता को रेलवे का एक नया रूप देखने को मिलेगा। उन्होंने कहा कि अगर वंदे भारत ट्रेन की फ्लाइट्स से तुलना की जाए तो वंदे भारत ट्रेन में फ्लाइट से करीब 100 गुना कम ध्वनि प्रदूषण होता है। यह यात्रियों के लिए बेहद आरामदायक और सुखद सफर है। इस ट्रेन में झटकों का आभास नहीं होता है, साथ ही पिकअप भी बहुत अच्छा है। 52 सेकंड में ट्रेन अपनी रफ्तार पकड़ लेती है। दुनियाभर में जो बेहतरीन ट्रेन मानी जाती है उसके मुकाबले में वंदे भारत है और कई मायनों में उनसे बेहतर भी है। रेल मंत्री ने कहा कि वंदे भारत ट्रेन के माध्यम से प्रधानमंत्री मोदी का जो भरोसा देश के इंजीनियर पर, टेक्नीशियन, वेल्डर्स और फिनिशर्स पर है, वह साबित हो गया है। उन्होंने कहा कि मुंबई-सोलापुर वंदे भारत एक्सप्रेस और मुंबई-शिरडी वंदे भारत एक्सप्रेस के शुरू होने के बाद हजारों यात्रियों को रोज फायदा होगा। इससे मुंबई, सोलापुर, शिरडी, दादर, ठाणे, लोनावाला, पुणे और कुदूर्वाडी के आसपास के यात्रियों का सफर सुलभ होगा। गौरतलब है कि पीएम मोदी शुक्रवार को मुंबई के छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस से दो वंदे भारत ट्रेनों को हरी झंडी दिखाए। रेलवे के अनुसार 160 किलोमीटर प्रतिघंटा क्षमता वाली वंदे भारत की मुंबई-शिरडी के बीच औसत स्पीड करीब 60 किलोमीटर प्रतिघंटा होगी।

देश में पहली बार लिथियम मिला: जम्मू-कश्मीर के रियासी में 59 लाख टन का भंडार, यहां सोने के 5 ब्लॉक भी

नई दिल्ली। देश में पहली बार लिथियम का भंडार मिला। इसकी कैपेसिटी 59 लाख (5.9 मिलियन) टन है। लिथियम के साथ ही सोने के 5 ब्लॉक भी मिले हैं। लिथियम की यह पहली साइट है, जिसकी पहचान जियोलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया ने जम्मू-कश्मीर के रियासी में की है। लिथियम एक ऐसा नॉन फेरस मेटल (अलौह धातु) है, जिसका उपयोग मोबाइल-लैपटॉप, इलेक्ट्रिक व्हीकल समेत अन्य चार्जेबल बैटरी बनाने में किया जाता है। यह एक रेअर अर्थ एलिमेंट है। भारत लिथियम के लिए अभी पूरी तरह दूसरे देशों पर निर्भर है। भारत अपनी जरूरतों का बड़ा हिस्सा आयात करता है। 2020 से भारत लिथियम आयात करने के मामले में दुनिया में चौथे नंबर पर रहा। भारत अपनी लिथियम-ऑयन बैटरियों का करीब 80प्रतिशत हिस्सा चीन से मंगाता है। भारत इस क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनने के लिए अर्जेंटीना, चिली, ऑस्ट्रेलिया और बोलिविया जैसे लिथियम के धनी देशों की खदानों में हिस्सेदारी खरीदने पर काम कर रहा है।

ईवी स्टार्टअप रिवियन में फोर्ड ने बहुमत हिस्सेदारी बेची

सैन फ्रांसिस्को। यूएस सिक्योरिटीज एंड एक्सचेंज कमीशन (एसईसी) के अनुसार, यूएस-आधारित फोर्ड मोटर कंपनी ने अधिकांश इलेक्ट्रिक वाहन स्टार्टअप रिवियन शेयर बेचे हैं। टेकक्रंच की रिपोर्ट के अनुसार, ईवी निर्माता के शेयर मई 2022 से लगातार गिर रहे हैं और अब 1.15 प्रतिशत या 10.5 मिलियन शेयरों पर हैं। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि फोर्ड द्वारा पिछले साल अपने रिवियन निवेश पर 7.3 अरब डॉलर राइट-डाउन का खुलासा करने के ठीक एक हफ्ते बाद यह बिक्री हुई है। फरवरी 2022 से रिवियन का शेयर करीब 70 फीसदी गिर चुका है। रिपोर्ट के अनुसार, इसके अलावा, फोर्ड ने पिछले साल अप्रैल में अपने रिवियन निवेश पर 5.4 अरब डॉलर मार्क-टू-मार्केट लॉस की सूचना दी थी, साथ ही ऑटोमेकर ने अगले महीने दो अलग-अलग लेनदेन में 15 मिलियन शेयर बेचे, ईवी निर्माता में अपनी हिस्सेदारी को घटाकर 10 प्रतिशत से कम कर दिया। रिवियन के साथ फोर्ड की साझेदारी 2019 में होनहार ईवी स्टार्टअप में 500 मिलियन डॉलर के निवेश के साथ शुरू हुई। अमेजन जैसी अन्य कंपनियों ने भी अपने रिवियन स्टॉक में 2.3 अरब डॉलर के वैल्यूएशन लॉस की सूचना दी। इस महीने की शुरुआत में रिवियन ने अपने 6 फीसदी कर्मचारियों की छंटनी करने की घोषणा की थी।

समिट में पीएम बोले- यूपी चैंपियन बनकर उभरा

लोग कहते थे यहां विकास होना नामुमकिन, खुद को यूपी ने डंके की चोट पर साबित किया

लखनऊ।

लखनऊ में शुक्रवार को पीएम मोदी ने ग्लोबल इन्वेस्टर समिट-2023 का इनॉगरेशन किया। इस दौरान उन्होंने यूपी में हुए बदलाव का जिक्र किया। कहा, एक समय यूपी बीमारू राज्य कहलाता था। हर कोई यूपी से अपनी उम्मीदें छोड़ चुका था, लेकिन 5-6 साल में प्रदेश ने अपनी नई पहचान बनाई। डंके की चोट पर खुद को बेहतर साबित किया। वहीं, रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि छद्म समाजवाद ने भारत के औद्योगीकरण को नुकसान पहुंचाया। सीएम योगी ने बताया कि इन्वेस्टर्स समिट में अब तक 32 लाख करोड़ रुपए के निवेश प्रस्ताव आए हैं। 10 से 12 फरवरी यानी 3 दिन तक चलने वाली ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट का लखनऊ के डिफेंस एक्सपो ग्राउंड में आयोजन किया जा रहा है। यूपी सरकार का दावा है कि यह देश की सबसे बड़ी समिट है। इसमें 16 देश की 340 कंपनियां शामिल हुई हैं। शाम 3 बजे केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह इसमें शामिल होने के लिए आएंगे।

कानून व्यवस्था: पीएम ने यूपी की कानून व्यवस्था की तारीफ की। कहा,लोग कहते थे यूपी का विकास होना नामुमकिन है। यहां कानून व्यवस्था सुधारना नामुमकिन है। आए दिन घोटाले होते थे। लेकिन, पांच-छह सालों के भीतर यूपी ने खुद को बेहतर साबित किया। अब यूपी की पहचान बेहतर कानून व्यवस्था से होती है। अब यूपी अपनी गुड गवर्नेंस के लिए पहचाना जा रहा है।

इंफ्रास्ट्रक्चर: पीएम ने कहा, यूपी देश के उस इकलौते राज्य के रूप में जाना जाएगा। जहां 5 अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे हैं। इंफ्रास्ट्रक्चर के साथ-साथ यूपी में अप्रोच में ईज ऑफ डूइंग बिजनेस को लेकर बदलाव हुए हैं। आज यूपी एक आशा...एक उम्मीद बन चुका है। बिजली से लेकर कनेक्टिविटी तक हर क्षेत्र में सुधार आया है। बहुत जल्द समुद्री पोर्ट से जुड़ रहा है। भारत अगर ग्रोथ इंजन, तो यूपी उसे ड्राइव कर रहा है। देश के 2 डिफेंस कॉरिडोर में बन रहा है।

ब्रांड यूपी का जिक्र: पीएम ने भदोही की कालीन और बनारस की सिल्क का जिक्र किया है। उन्होंने कहा कि यूपी में क्षमताएं हैं। यूपी की आबादी करीब-करीब 25 करोड़ है। यूपी भारत का टेक्सटाइल हब है। नई वैल्यू और सप्लाई चैन विकसित करने के लिए नया चैंपियन बनकर उभर रहा है।

ग्रीन एनर्जी: आज भारत में सोशल, डिजिटल और इंफ्रास्ट्रक्चर पर जो काम हुआ है उसका बड़ा लाभ यूपी को भी मिला है। पीएम ने कहा कि इस वर्ष बजट में हमने 35 हजार करोड़ रुपये सिर्फ एनर्जी ट्रांजिशन के लिए रखे हैं। यह दिखाता है कि हमारा इरादा क्या है। आज इंफ्रास्ट्रक्चर पर सरकार रिकॉर्ड खर्च कर रही है। हम हर साल इसको बढ़ा रहे हैं। ग्रीन ग्रोथ के जिस रास्ते पर भारत चल पड़ा है उस पर मैं आपको विशेष रूप से आमंत्रित करता हूं।

मोटा अनाज यानी श्रीअन्न: पीएम मोदी ने कहा, आज हमारा फोकस छोटे किसानों को ज्यादा साधन देने और उनकी इनपुट कॉस्ट घटाने पर है। इसलिए हम जैविक खेती को प्रोत्साहन दे रहे हैं। एक नया अभियान मिलेट्स को लेकर भी शुरू किया गया है। विश्व बाजार में मोटे अनाज की पहचान बने, इसके लिए हमने इसको श्री अन्न का नाम दिया है। यह एक सुपर फूड है। एक तरफ जहां हम किसानों को मोटे अनाज के लिए प्रोत्साहित कर रहे हैं, वहीं दूसरी तरफ इसके लिए ग्लोबल मार्केट भी तैयार कर रहे हैं।

उद्योग और रोजगार: आज भारत के कुल मोबाइल उत्पादन में से 60 फीसदी से अधिक यूपी में होता है। देश के दो डिफेंस कॉरिडोर में से एक यूपी में है। यहां फिशरी, डेयरी और फूड प्रोसेसिंग को लेकर भी अनंत संभावनाएं हैं। देश के 2 डिफेंस कॉरिडोर में एक क्रमें बन रहा है। भारतीय सेना अधिक से अधिक मेड इन इंडिया हथियारों को लेने के लिए प्रतिबद्ध है। डेयरी, एग्रीकल्चर, फूड प्रोसेसिंग क्षेत्र में बहुत संभावनाएं है। इन क्षेत्रों में प्राइवेट सेक्टर की हिस्सेदारी बहुत सीमित है। फूड प्रोसेसिंग में हम एक योजना लाये है, जिसका आपको लाभ उठाना चाहिए।

ज्यूरिख एयरपोर्ट आफ एशिया के सीईओ डेनियल बर्चर: योगी आदित्यनाथ के सहयोग से ही नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट आकार ले रहा है। प्रोजेक्ट के विकास के लिए हमें भूमि अधिग्रहण में आसानी हुई। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट यूपी के विकास के लिए नई संभावनाएं खोलेगा। समिट में केंद्रीय रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने कहा, पिछले कुछ समय में योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में यूपी ने अपने नाम यानी अप को सार्थक किया है। यूपी मतलब स्वास्थ्य अप, शिक्षा अप, कौशल अप, निवेश अप ओर यूपी मतलब निवेश पर रिटर्न अप बन गया है। छद्म समाजवाद ने भारत के औद्योगीकरण को नुकसान पहुंचाया है। आज देश को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर भरोसा होने के कारण ही नए भारत का नया उत्तर प्रदेश आकार ले रहा है।

यूपी में 92 लाख लोगों को नौकरियां मिलेंगी: योगी - समिट में सीएम योगी ने कहा, यूपी ने रिफॉर्म, परफॉर्म ट्रांसफार्म के मंत्र आत्मसात किया है। 32 लाख 92 हजार करोड़ के निवेश प्रस्ताव मिले हैं। नवीकरणीय ऊर्जा, रियल एस्टेट, शिक्षा, पर्यटन, इलेक्ट्रॉनिक वाहन मैन्युफैक्चरिंग, हाउसिंग, फूड प्रोसेसिंग जैसे सेक्टर्स में अब तक 18645 एमओयू साइन हुए हैं। इससे 92.50 लाख से अधिक रोजगार के अवसर मिलेंगे। उन्होंने बताया कि 9 लाख करोड़ से अधिक का निवेश पूर्वांचल में और बुंदेलखंड में 4.28 लाख करोड़ के निवेश प्रस्ताव मिले हैं। सीएम ने कहा कि प्रदेश की 1 ट्रिलियन की इकोनॉमी का लक्ष्य सफल होगा। निवेशकों की मदद के लिए उद्यमी मित्र की तैनाती की जा रही है।

25 हजार वर्गमीटर में टेंट सिटी बसाई गई - समिट के लिए डिफेंस एक्सपो ग्राउंड में 25 हजार वर्गमीटर में फाइव स्टार होटल की तर्ज पर 5 बड़े पंडाल और टेंट सिटी बसाई गई है।

अमेरिका एच-1बी वीजा पर करेगा नई पहल, भारत समेत अन्य देशों के आईटी पेशेवरों को मिलेगी मदद

नई दिल्ली।

एच-1बी और एल1 वीजा धारक हजारों विदेशी तकनीकी कर्मचारियों को लाभ पहुंचाने के लिए अमेरिका पायलट आधार पर कुछ श्रेणियों में घरेलू वीजा पुन: सत्यापन प्रक्रिया फिर से शुरू करने की योजना बना रहा है। इस साल के अंत में शुरू होने वाली पायलट परियोजना जब पूरी तरह से लागू हो जाएगी तो संयुक्त राज्य अमेरिका में हजारों भारतीय आईटी पेशेवरों के लिए यह एक बड़ी राहत होगी। 2004 तक गैर-आप्रवासी वीजा की कुछ श्रेणियों विशेष रूप से एच 1 बी को अमेरिका के अंदर नवीनीकृत या मुद्रित किया जा सकता था। उसके बाद से यह सुविधा उपलब्ध नहीं थी। 2004 के बाद इस तरह वीजा के नवीनीकरण के लिए विशेष रूप से एच -1 बी पर रहने वाले विदेशी तकनीकी कर्मचारियों को देश से बाहर जाना पड़ता है। ज्यादातर लोगों को अपने पासपोर्ट पर एच-1 बी की अवधि विस्तार के लिए मुहर लगवाने अपने देश जाना पड़ता है। सभी एच-1बी वीजा धारकों के लिए जब उनके वीजा का नवीनीकरण किया जाता है तो उन्हें अपने पासपोर्ट पर मुहर लगाने की आवश्यकता होती है। यह जरूरी है अगर वे अमेरिका के बाहर यात्रा करना चाहते हैं या अमेरिका में फिर से प्रवेश करना चाहते हैं। अभी तक अमेरिका में एच-1बी वीजा के नवीकरण की अनुमति नहीं है। रिस्टैम्पिंग केवल किसी भी अमेरिकी वाणिज्य दूतावास में ही की जा सकती है। यह विदेशी अतिथि श्रमिकों और उनके कर्मचारियों के लिए भी एक बड़ी असुविधा थी। खासकर ऐसे समय में जब वीजा प्रतीक्षा समय 800 दिनों या दो साल से अधिक है। एच-1बी वीजा एक बार में तीन साल के लिए जारी किए जाते हैं। एच-1बी वीजा एक गैर-आव्रजक वीजा है जो अमेरिकी कंपनियों को सैद्धांतिक या तकनीकी विशेषज्ञता की आवश्यकता वाले विशेष व्यवसायों में विदेशी श्रमिकों को नियुक्त करने की अनुमति देता है। प्रौद्योगिकी कंपनियां भारत और चीन जैसे देशों से हर साल हजारों कर्मचारियों को नियुक्त करने के लिए इस पर निर्भर करती हैं। गृह विभाग के एक अधिकारी ने कहा कि हम कुछ याचिका-आधारित एनआईवी श्रेणियों के लिए इस सेवा को फिर से शुरू करने की योजना पर गंभीरता से काम कर रहे हैं, और हमें इस साल के अंत में एक पायलट योजना शुरू होने की उम्मीद है।

ओपन कोर फर्म गिटलैब अपने 7 प्रतिशत कर्मचारियों को निकालेगा

सैन फ्रांसिस्को।

ओपन कोर कंपनी गिटलैब ने कठिन व्यापक आर्थिक परिस्थितियों के चलते अपने 7 प्रतिशत कर्मचारियों की छंटनी करने की घोषणा की है। टेकक्रंच के अनुसार, कंपनी की सबसे हालिया रिपोर्ट की गई हेडकाउंट 1,630 थी, जिसका अर्थ है कि छंटनी लगभग 114 लोगों को प्रभावित करेगी, हालांकि यह आंकड़ा इसके वर्तमान हेडकाउंट पर निर्भर है।

कर्मचारियों को लिखे एक पत्र में, गिटलैब के सीईओ सिड सिजब्रांडिज ने नौकरी में कटौती की जानकारी देते हुए कहा, वर्तमान व्यापक आर्थिक वातावरण कठिन है और इसके चलते कंपनियां अभी भी खर्च कर रही हैं, लेकिन वे सॉफ्टवेयर निवेशों के लिए अधिक रूढ़िवादी दृष्टिकोण अपना रही हैं और खरीदारी के निर्णय लेने में अधिक समय ले रही हैं।

मुझे उम्मीद है कि हमारे खर्च को फिर से प्राथमिकता देना बढ़ती वैश्विक आर्थिक मंदी का सामना करने के लिए पर्याप्त होगा। दुर्भाग्य से, हमें और कदम उठाने और विकास के प्रति अपनी प्रतिबद्धता के साथ खर्च करने की गति से मेल खाने की जरूरत है।

इसके अलावा, सिजब्रांडिज ने कहा कि प्रभावित लोगों को विच्छेद वेतन और चार महीने के बेसिक वेतन के बराबर भुगतान प्राप्त होगा। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि कर्मचारियों को अगले छह महीनों तक उन स्थानों पर स्वास्थ्य सेवा मिलती रहेगी जहां यह उनके पैकेज में शामिल है। गिटलैब लगभग 16 महीने पहले नसदाक (यूएस स्टॉक एक्सचेंज) पर सार्वजनिक हुआ था और इसके शेयरों ने उस समय में विशेष रूप से अच्छा प्रदर्शन नहीं किया था।

नेटफ्लिक्स का पासवर्ड शेयर करने का जल्द लगेगा चार्ज : भारत में तैयारी पूरी; कंपनी ने 4 देशों में शेयरिंग फीचर को रोलआउट किया

नई दिल्ली।

अगर आप नेटफ्लिक्स यूजर हैं और अपने दोस्तों और परिवार के साथ पासवर्ड शेयर करके मनोरंजन करते हैं तो ये खबर आपके लिए ही है। नेटफ्लिक्स ने कनाड़ा, न्यूजीलैंड, पुर्तगाल और स्पेन में पासवर्ड शेयररिंग फीचर को रोलआउट कर दिया है। मतलब ये कि पासवर्ड शेयर करने पर इन देश के लोगों को एक्स्ट्रा चार्ज देना होगा। भारत में भी मार्च के लास्ट तक शेयरिंग फीचर रोलआउट हो सकता है।

एक्स्ट्रा चार्ज के लिस्ट भी जारी - नेटफ्लिक्स हर एक अकाउंट की प्राइमरी लोकेशन सेट करेगा। उसी के हिसाब से तय होगा कि एक लोकेशन पर रहने वाले लोग अकाउंट का इस्तेमाल कर पाएं। घर के बाहर लोगों के साथ पासवर्ड शेयर करने पर स्टैंडर्ड और प्रीमियम सब्सक्रिप्शन जरूरी होगा। बाहरी यूजर्स को जोड़ने पर कनाडा में 7.99 डॉलर, न्यूजीलैंड में 7.99 डॉलर, पुर्गताल में 3.99 यूरो और स्पेन में 5.99 यूजर्स चार्ज देना होगा। नेटफ्लिक्स अपने यूजर्स के अकाउंट में एक नई सुविधा देने जा रहा है। इसकी मदद से यूजर्स ये जान सकेंगे कि उनके नेटफ्लिक्स अकाउंट को कौन और कहां से इस्तेमाल कर रहा है। इस तरह यूजर्स अपने चोरी से आपका अकाउंट चलाने वाले यूजर्स को ब्लॉक कर पाएंगे।

नेटफ्लिक्स ने अक्टूबर में कहा था- एक्स्ट्रा चार्ज की तैयारी पूरी - ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स ने अक्टूबर में अपनी रिपोर्ट जारी करते वक्त कहा था- फाइनली, हमने अकाउंट शेयरिंग करने वाले यूजर्स से एक्स्ट्रा चार्ज करने का फैसला किया है। 2023 की शुरुआत से ही बड़े लेवल पर इन यूजर्स से एक्स्ट्रा फीस ली जाएगी। कंपनी ने बताया कि प्लेटफॉर्म के स्लो ग्रोथ का सबसे बड़ा कारण पासवर्ड शेयरिंग रहा है। ओटीटी प्लेटफॉर्म ही अब फ्यूचर है। इसे ध्यान में रखते हुए कंपनी 2023 की शुरुआत से ही उन यूजर्स से एडिशनल फीस लेगा, जो अपना लॉगिन और पासवर्ड शेयर करते हैं। नेटफ्लिक्स के प्रोडक्ट इनोवेशन डायरेक्ट चेंगई लॉन्ग ने कहा था कि उनके मेंबर्स नेटफ्लिक्स की फिल्म और टीवी शो को बहुत ज्यादा पसंद करते हैं। इतना ज्यादा कि वे उन्हें ज्यादा से ज्यादा सोशल मीडिया पर शेयर करते हैं।

हिंडनबर्ग पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई

अडाणी ने अमेरिका की बड़ी लॉ फर्म वॉचटेल को हायर किया, ग्रुप के 10 शेयरों में से 4 में तेजी

नई दिल्ली।

सुप्रीम कोर्ट अडाणी ग्रुप के खिलाफ हिंडनबर्ग की रिपोर्ट से जुड़ी दो जनहित याचिकाओं पर सुनवाई करेगा। याचिका में अदालत की निगरानी में जांच की मांग की गई है। एडवोकेट एमएल शर्मा और विशाल तिवारी की दायर जनहित याचिकाओं में दावा किया गया है कि अमेरिका स्थित हिंडनबर्ग ने अडाणी के शेयरों शॉर्ट सेल किया जिससे निवेशकों को भारी नुकसान हुआ। तिवारी ने कहा कि हिंडनबर्ग रिपोर्ट ने देश की छवि को धूमिल किया है। यह अर्थव्यवस्था को प्रभावित कर रहा है। वहीं शर्मा की याचिका में दावा किया गया है कि रिपोर्ट पर मीडिया प्रचार ने बाजारों को प्रभावित किया, और हिंडनबर्ग के फाउंडर नाथन एंडरसन भी भारतीय नियामक सेबी को अपने दावों का प्रमाण देने में विफल रहे। एडवोकेट ने चीफ जस्टिस डी वाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली बेंच के सामने मामले की अर्जेंट लिस्टिंग की अपील की थी।

हिंडनबर्ग ने शेयर मैनिपुलेशन जैसे आरोप लगाए - 24 जनवरी को हिंडनबर्ग रिसर्च ने अडाणी ग्रुप को लेकर एक रिपोर्ट पब्लिश की थी। रिपोर्ट में ग्रुप पर मनी लॉन्ड्रिंग से लेकर शेयर मैनिपुलेशन जैसे आरोप लगाए गए थे। रिपोर्ट के बाद ग्रुप के शेयरों में भारी गिरावट देखने को मिली थी। शुक्रवार यानी 3 फरवरी को अडाणी एंटरप्राइजेज का शेयर 1000 रुपए के करीब पहुंच गया था। हालांकि, बाद में इसमें रिकवरी आई।

अमेरिका की बड़ी लॉ फर्म वॉचटेल को हायर किया - गौतम अडानी ने शॉर्ट सेलर हिंडनबर्ग रिसर्च के किए गए दावों के खिलाफ लड़ने के लिए वॉल स्ट्रीट की बड़ी लॉ फर्मों में से एक वॉचटेल को हायर किया है। केस लड़कर अडाणी ग्रुप अपने निवेशकों को कंपनियों की फाइनेंशियल हेल्थ को लेकर आश्वस्त करना चाहते हैं। इस मामले की जानकारी रखने वाले लोगों ने बताया कि भारत की सिरिल अमरचंद मंगलदास फर्म ने वाचटेल से संपर्क किया था।

अडाणी एंटरप्राइजेज 2प्रतिशत गिरने के बाद 1प्रतिशत चढ़ा - अडाणी ग्रुप के स्टॉक्स में मिला-जुला रुख है। ग्रुप के 10 शेयरों में से 4 में तेजी और 6 में गिरावट है। ग्रुप की फ्लैगशिप कंपनी एंटरप्राइजेज का शेयर सुबह करीब 2प्रतिशत की गिरावट के साथ ट्रेड कर रहा है। अब इसमें करीब 1प्रतिशत की तेजी है। अडाणी विल्मर 3प्रतिशत चढ़ा है। ट्रांसमिशन, टोटल गैस, ग्रीन एनर्जी और पावर में करीब 5प्रतिशत की गिरावट है।

एलआईसी ने अडाणी ग्रुप में एक्सपोजर कम नहीं किया - जीवन बीमा निगम के चेयरमैन एमआर कुमार ने कहा कि कंपनी ने अडाणी ग्रुप में अपने एक्सपोजर को कम नहीं किया है। एलआईसी का अडाणी ग्रुप की कंपनियों में 36,000 करोड़ रुपए से अधिक का निवेश है। 27 जनवरी को इसकी मार्केट वैल्यू 56,142 करोड़ रुपए थी। हिंडनबर्ग के कारण अडाणी ग्रुप के शेयरों में आई गिरावट के बाद एलआईसी के अडाणी की कंपनियों में निवेश को लेकर कई तरह के सवाल उठाए जा रहे थे।

सॉवरेन वेल्थ फंड ने अडाणी ग्रुप के सभी शेयर बेचे - नॉर्वे के 1.35 ट्रिलियन डॉलर के सॉवरेन वेल्थ फंड ने कहा कि उसने अडाणी ग्रुप की कंपनियों के अपने सभी शेयरों को बेच दिया है। फंड ने 2022 के अंत में, अडाणी टोटल गैस में 83.6 मिलियन डॉलर, अडाणी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकोनॉमिक जोन में 63.4 मिलियन डॉलर और अडाणी ग्रीन एनर्जी में 52.7 मिलियन डॉलर हिस्सेदारी थी। ईएसजी रिस्क मॉनिटरिंग के फंड हेड क्रिस्टोफर राइट ने कहा, अडाणी कंपनियों में हमारा कोई एक्सपोजर नहीं बचा है।

जीएसटी डिपार्टमेंट की रेड नहीं, रूटीन इंस्पेक्शन - अडाणी विल्मर का हिमाचल प्रदेश में गुड्स एंड सर्विस टैक्स यानी जीएसटी से जुड़े छापे की खबरों पर जवाब आया है। कंपनी ने कहा कि जीएसटी डिपार्टमेंट के अधिकारियों को कंपनी के ऑपरेशन और डीलिंग्स में कोई अनियमितता नहीं मिली है और यह रूटीन इंस्पेक्शन था, रेड नहीं। इससे पहले कई सारी रिपोर्ट में जीएसटी उल्लंघन के आरोप में छापे के खबरें आई थीं।

24 फरवरी को चीन में रिलीज होगी इंग्लिश विंग्लिश

-श्रीदेवी की फिल्म को मिला एक नया दर्शक वर्ग

मुंबई (ईएमएस)। बालीवुड की फिल्म इंग्लिश विंग्लिश अब चीन में प्रदर्शित होगी। श्रीदेवी की इस फिल्म को एक नया दर्शक वर्ग मिल गया है। इंग्लिश विंग्लिश अब 24 फरवरी को चीन में रिलीज होगी । गौरी शिंदे की फिल्म 24 फरवरी को चीन में रिलीज होने के लिए पूरी तरह से तैयार है। यह बहुत ही महत्त्वपूर्ण तारीख है, क्योंकि इसी दिन श्रीदेवी की पांचवीं पुण्यतिथि है। गौरी शिंदे द्वारा निर्देशित हिंदी फिल्म चीनी मुख्य भूमि पर 6,000 सिनेमाघरों में दिखाई जाएगी। 2012 के टोरंटो इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में इसका वर्ल्ड प्रीमियर हुआ था, जहां इसे दर्शकों से पांच मिनट का स्टैंडिंग ओवेशन मिला था।दिवंगत श्रीदेवी की मुख्य भूमिका वाली, फिल्म इंग्लिश विंग्लिश ने व्यावसायिक सफलता के साथ-साथ आलोचकों की प्रशंसा भी अर्जित की। 2022 में 10 साल पूरे कर चुकी इस फिल्म ने एक नया मुकाम हासिल

किया है। फिल्म, जिसमें आदिल हुसैन, सुमित व्यास, प्रिया आनंद, सुलभा देशपांडे और फ्रांसीसी अभिनेता मेहदी नेब्बू ने भी मुख्य भूमिकाएँ निभाईं, अब चीनी थिएटर में रिलीज होगी। इंग्लिश विंग्लिश 2013 के लिए सर्वश्रेष्ठ विदेशी भाषा फिल्म श्रेणी में अकादमी पुरस्कारों के लिए भारत की आधिकारिक प्रविष्टि बनी। फिल्म का क्लाइमैक्स बेहतरीन था जहाँ अंग्रेजी सीखने के बाद श्री-देवी एक शानदार भाषण देती है, जो कहानी के सारांश को प्रस्तुत करता है। फिल्म समीक्षक और ट्रेड एनालिस्ट तरण आदर्श ने ट्विटर पर इस खबर को साझा किया। उन्होंने आगे पोस्ट किया कि फिल्म 24 फरवरी को सिनेमाघरों में रिलीज होगी जो श्रीदेवी की पांचवीं पुण्यतिथि है। इस फिल्म ने 15 साल के लंबे अंतराल के बाद श्रीदेवी की फिल्मों में वापसी की।

थिरुमनी करेंगे अब थुनिवु का निर्देशन

-विग्नेश शिवन को दिखाया बाहर का रास्ता

मुंबई (ईएमएस)। विग्नेश शिवन को अजित कुमार की पोंगल रिलीज, थुनिवु प्रोजेक्ट से बाहर का रास्ता दिखा दिया गया है। अब इस फिल्म के निर्देशन की जिम्मेदारी मगिज्न थिरुमनी को सौंप दी गई है। विग्नेश शिवन ने अपने सोशल मीडिया हैंडल से एके 62 प्रोजेक्ट को हटा दिया है, जो यह दशार्ता है कि वह अब इस प्रोजेक्ट का हिस्सा नहीं है। 25 जनवरी से इस बात को लेकर काफी अटकलें लगाई जा रही हैं कि लायका प्रोडक्शंस द्वारा निर्मित एके 62 का निदेशक कौन होगा। फिल्म उद्योग में यह कहानी चल रही है कि विग्नेश शिवन द्वारा दी गई एके 62 की पटकथा से अजित कुमार खुश नहीं थे और परिवर्तनों के अनुरोध के बावजूद, स्क्रिप्ट पर दोबारा काम नहीं किया गया। जाहिर तौर पर अजित ने लाइका के प्रमुख, सुबास्करन के साथ लंदन में एक बैठक की और एक नए निदेशक के लिए कहा। अजित कुमार कथित तौर पर एके 62 के लिए जिस निर्देशक को चाहते थे, वह विष्णुवर्धन थे। लेकिन विष्णुवर्धन के अन्य प्रोजेक्ट्स में व्यस्त होने के कारण निर्देशक मागीज थिरुमेनी, जिनके पास एक अच्छी पटकथा थी, को शामिल किया गया था।लाइका ने इन सभी परिवर्तनों के बाद इस परियोजना पर कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की है, इसलिए सोशल मीडिया पर प्रशंसक एके 62 के अपडेट के लिए जोर-शोर से जुटे हुए हैं। फिल्म उद्योग के अंदरूनी सूत्रों का कहना है कि परियोजना की घोषणा करने में

उन्हें कुछ सप्ताह - शायद - लगेंगे, क्योंकि सब कुछ बदल गया है और अजित ने भी स्पष्ट रूप से मागीज को थुनिवु की तुलना में एक बड़ी एक्शन फिल्म बनाने के लिए कहा है। बताया जा रहा है कि मागीज अभी लंदन में हैं और स्क्रिप्ट पर काम कर रहे हैं।अब जबकि एके 62 में एक नया निर्देशक है, जिसके चलते संगीतकार के साथ-साथ अन्य तकनीशियनों में भी परिवर्तन किया जाएगा। इसके साथ ही फिल्म की पूरी कास्ट बदली जाएगी। एक बार इन सभी लोगों के प्रोजेक्ट पर सहमति मिलने के बाद लाइका द्वारा घोषणा की जाएगी। इंडस्ट्री में दूसरी बड़ी खबर यह है कि एके 63 के निर्देशक विष्णुवर्धन के होने की संभावना है। जब अजित निर्देशक में बदलाव चाहते थे, लाइका ने स्पष्ट रूप से विष्णुवर्धन को फोन किया, जिन्होंने उन्हें बताया कि वह इस साल धर्मा प्रोडक्शंस के लिए एक हिंदी फिल्म पर काम कर रहे हैं और उनके पास तारीखें नहीं हैं। अजित और विष्णुवर्धन ने अपनी दो फिल्मों, बिल्ला और अरामबम के बाद बहुत अच्छा तालमेल साझा किया। इस जोड़ी के बहुत पहले एक साथ वापस आने की उम्मीद थी, लेकिन चूंकि अजित ने बोनी कपूर के साथ तीन फिल्मों का करार किया था और विष्णुवर्धन ने कई फिल्मों के लिए धर्मा प्रोडक्शंस के साथ हस्ताक्षर किए थे, इसलिए दोनों एक साथ काम नहीं कर सके। बता दें कि साल 2023 की शुरूआत अजित कुमार की पोंगल रिलीज, थुनिवु के साथ अच्छी रही। यह फिल्म एक बड़ी हिट साबित हुई।

ग्लैमर रहित भूमिकाओं से इन अभिनेत्रियों के कैरियर की शुरूआत हुई

बॉलीवुड में कुछ अभिनेत्रियां ऐसे भी हैं जिन्होंने ग्लैमर रहित भूमिकाओं से अपने कैरियर की शुरूआत की। इसमें करीना कपूर से लेकर, भूमिका चावला, नंदिता दास और कंगना रनौत भी हैं।

करीना कपूर - करीना को इंडस्ट्री की सबसे ग्लैमरस और स्टाइलिश ऐक्ट्रेसेस में से एक माना जाता है लेकिन उन्होंने अपना डेब्यू फिल्म रिफ्यूजी से किया जिसमें वह नॉन-ग्लैमरस अंदाज में नजर आईं।

भूमिका चावला - भूमिका ने सलमान खान के ऑपोजिट तेरे नाम से बॉलिवुड इंडस्ट्री में कदम रखा था। इस फिल्म में वह बिल्कुल सीधे-साधे अंदाज में दिखी थीं जिसे दर्शकों ने काफी सराहा था।

नंदिता दास - नैशनल अवॉर्ड विनर ऐक्ट्रेस ने अपनी डेब्यू फिल्म 1947 अर्थ में डी-ग्लैम रोल प्ले किया।

चित्रांगदा सिंह - टैलंटेड और गॉरजस ऐक्ट्रेस चित्रांगदा ने सुधीर मिश्रा की फिल्म हजारों ख्वाहिशें ऐसी से फिल्म इंडस्ट्री में कदम रखा था। इसके लिए उन्होंने कम ग्लैमरस रोल को ही चुना।

भूमि पेडनेकर - भूमि की डेब्यू फिल्म दम लगा के हईशा थी। इस फिल्म में वह न सिर्फ डी-ग्लैम लुक में बल्कि भारी-भरकम महिला के किरदार में थीं। इसे उनका काफी बोल्ड डिसीजन माना गया।

सान्या मल्होत्रा - फिल्म दंगल से सान्या ने पावर पैक डेब्यू किया। फिल्म में उन्होंने रेसलर की भूमिका निभाई और इस वजह से कहीं भी वह कहीं भी ग्लैमरस अंदाज में नहीं दिखाई दीं।

कोंकणा सेन शर्मा - कोंकणा एक ऐसी हिरोइन हैं जो कि लुक्स पर कम और परफॉर्मेंस पर ज्यादा फोकस करती हैं। यह उनकी डेब्यू फिल्म पेज 3 से अब तक जारी है।

कंगना रनौत - कंगना ने अपना डेब्यू फिल्म गैंगस्टर से किया जिसमें उनके लुक्स पर कम और ऐक्टिंग पर ज्यादा जोर दिया गया।

बिदिता बाग - बिदिता ने नवाजुद्दीन सिद्दीकी के ऑपोजिट बाबूमोशाय बंदूकबाज से बॉलिवुड में एंट्री की थी।

फिल्म में उनका लुक कम ग्लैमरस दिखाया गया लेकिन रोल काफी बोल्ड था।

बनिता संधू - बनिता ने अपना डेब्यू ऑफबीट फिल्म अक्टूबर से वरुण धवन के ऑपोजिट किया। फिल्म की कहानी कुछ ऐसी थी जिसमें ग्लैम अवतार की जगह नहीं थी।

28 सितंबर को रिजीज होगी प्रभास स्टारर सालार

पैन इंडिया सुपरस्टार प्रभास स्टारर सालार इस साल की सबसे बहुप्रतीक्षित फिल्म में से एक है, जो प्रशांत नील द्वारा निर्देशित और होम्बले फिल्म्स के बैनर तले बनाई जा रही है। सालार आज देश की बहुप्रतीक्षित फिल्मों में से एक है और यह इस साल 28 सितंबर को रिजीज होगी। यह साल की सबसे अहम फिल्म इवेंट्स में से एक है और इसे बाहुबली फ्रेंचाइजी के साथ

चिह्नित सफलता की तरह देखते हुए प्रभास की बड़ी वापसी के रूप में देखा जा रहा है। यह फिल्म कई वजहों से बहुत बड़ी है, जिनमें से एक प्रभास की ड्रीम टीम और प्रशांत नील का हाथ मिलाना है। सालार प्रभास और प्रशांत नील का पहला सहयोग है, और इस तरह से यह फिल्म को मनोरंजन उद्योग के लिए एक गेम चेंजर बनते हुए देखने की उम्मीद है। सालार भारत की दो सबसे बड़ी फ्रेंचाइजी, बाहुबली और केजीएफ का एक महत्वाकांक्षी सहयोग है, क्योंकि यह पहली बार है जब हम्बेल फिल्म्स, केजीएफ के निमार्ता, केजीएफ के निदेशक, केजीएफ के तकनीशियन और बाहुबली के स्टार भारत की ऑडियंस को एंटरटेन करने के लिए एक साथ आकर, 2023 में एक और ब्लॉकबस्टर देने जा रहे हैं। सालार को बहुत बड़े पैमाने पर बनाया गया है, और इसका बजट 400स करोड़ रुपये से अधिक है।

सलमान ने किसी का भाई किसी की जान की शूटिंग के बाद शेयर किया ब्रैंड न्यू लुक

अभिनेता सलमान खान के फैन्स के लिए गुड न्यूज है। सलमान खान की प्रोडक्शन टीम ने उनकी आने वाली फिल्म किसी का भाई किसी की जान की शूटिंग पूरी कर ली है। इस बात की जानकारी खुद बॉलीवुड के भा-ईजान ने अपने सोशल मीडिया पेज के जरिए दी हैं और फिल्म के रैप अप की अनाउंसमेंट की। साथ ही उन्होंने फिल्म से अपना एक ब्रैंड न्यू लुक भी शेयर किया हैं। ऐसे में जैसी ही ये खबर सामने आई, सोशल मीडिया पर दर्शकों और उनके फैन्स के संदेशों की बाढ़ आ गई क्योंकि वे सभी फिल्म की रिलीज को लेकर उत्सुक है और जल्द से जल्द अपने फेवरेट भाईजान को बड़े पर्दे पर देखना चाहते है। वहीं जहां तक सलमान के लुक की बात करें, तो वो फोटो में बेहद क्यूट और चार्मिंग लग रहे हैं। बता दें, अब तक इस फिल्म के मेकर्स ने फिल्म से जुड़ी ज्यादातर जानकारी को सीक्रेट ही रखा है और सिर्फ कुछ ही

लुक्स और एक टीजर जारी किया है ताकि फिल्म को लेकर लोगों की प्रत्याशा को बढ़ा सके। कह सकते है कि मेकर्स की ये स्ट्रेटेजी वर्क भी कर रही है। सलमा खान द्वारा निर्मित, सलमान खान फिल्म्स प्रोडक्शन किसी का भाई किसी की जान फरहाद सामजी द्वारा निर्देशित हैं। फिल्म में सलमान खान, वेंकटेश दग्गुबाती, पूजा हेगड़े, जगपति बाबू, भूमिका चावला, विजेंदर सिंह, अभिमन्यु सिंह, राघव जुयाल, सिद्धार्थ निगम, जस्सी गिल, शहनाज गिल, पलक तिवारी और विनाली भटनागर हैं। साथ ही सलमान खान की फिल्म के भी सारे एलिमेंट मौजूद है जैसे एक्शन, कॉमेडी, ड्रामा और रोमांस। ये फिल्म ईद 2023 पर रिलीज होने वाली है और यह दुनिया भर में जी स्टूडियोज की रिलीज होगी।

आमिर द्वारा 14 साल से अपने ही रिकॉर्ड को तोड़ने के सिलसिले को शाहरुख ने दिया नया मोड़

परफेक्शनिस्ट आमिर खान एक ऐसे एक्टर हैं जो पिछले 14 सालों से बॉक्स ऑफिस पर राज कर रहें है। उन्होंने 2008 में आई गजनी के साथ अपने इस सफर की शुरूआत की थी। लेकिन फिर 3 इडियट्स, पीके और दंगल जैसी ब्लॉकबस्टर फिल्मों के साथ वो बॉक्स ऑफिस के किंग बने रहें और अपनी ही फिल्मों के बनाए पिछले सारे रिकॉड्र्स तोड़ते गए। हालांकि अब किंग खान की पठान के साथ उनके ये सारे रिकॉर्ड टूटते नजर आ रहें है। शाहरुख खान की पठान ने आमिर खान की दंगल का 7 साल पुराना रिकॉर्ड भी तोड़ दिया है। इससे हमें पता चलता है कि कैसे आमिर खान बॉक्स ऑफिस पर पिछले 14 सालों से गजनी, 3 इडियट्स, पीके और दंगल जैसी फिल्मों के साथ टॉप पर रहे हैं। आमिर खान ने खुद बार-बार रिकॉर्ड बानया और उसे तोड़ा और अब आखिरकार इस बार किसी और ने उनका ये रिकॉर्ड तोड़ा है। 2008 में जब गजनी रिलीज हुई थी, तब शायद ही किसी ने सोचा होगा कि आमिर खान खुद अपने नबंर्स को मात देते हुए टाइमलेस 3 इडियट्स के साथ अपना ही रिकॉर्ड तोड़ देंगे। लेकिन इसके बाद फिर 2010 की शुरूआत में, दर्शकों ने आमिर खान के रिकॉर्ड तोड़ने का अनुमान लगाना शुरू कर दिया था। सोशल मीडिया पर जाने-माने क्रिटिक और फिल्म ट्रेड एनालिस्ट सुमित कदेल ने अपने विचार शेयर करते हुए बताया कि कैसे आमिर खान पिछले 14 सालों से इस गेम के नंबर वन खिलाड़ी बने हुए हैं। उन्होंने लिखा, मुझे अचानक अहसास हुआ कि पिछले 14 सालों में अलग-अलग फिल्में देने के बाद, आमिर खान ने सबसे ज्यादा कमाई करने वाली हिंदी फिल्मों के साथ अपनी पोजीशन पर राज किया है और अब एसआरके ने #ढंइँल्ल के साथ उनसे यह पोजीशन ले ली है। उन्होंने एक दूसरे पोस्ट में कहा, गजनी पहली थी जिसने 100 करोड़ क्रॉस किया, 3

इडियट्स ने 200 करोड़, पीके 300 करोड़ कमाने वाली पहली फिल्म बनी और फिर दंगल पहली ऐसी हिंदी फिल्म थी जिसने लगभग 400 करोड़ का आंकड़ा छुआ था।

तो चौदह साल बाद पहली बार ऐसा हुआ जब एक नॉन आमिर खान फिल्म टॉप पर बैठी है। यह कितना अविश्वसनीय है। आमिर खान की बैक टू बैक ब्लॉकबस्टर फिल्म देने का सिलसिला 2014 में आई पीके और 2016 में आई दंगल के साथ जारी रहा। उस समय दंगल ने मार्केट में ऐसे राज किया जिसे पहले किसी ने कभी नहीं देखा था। यह तेजी से सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म बन गई और 7 साल तक चली। इससे पहले आमिर खान की गजनी भी 100 करोड़ का आंक-ड़ा पार करने वाली पहली फिल्म थी, बाद में उनकी 3 इडियट्स 200 करोड़ की कमाई करने वाली पहली हिंदी फिल्म थी। वहीं आमिर खान की पीके भी पहली ऐसी फिल्म थी जिसने 300 करोड़ा का बिजनेस किया था और फिर दंगल लगभग 400 करोड़ का आंकड़ा छुने वाली पहली हिंदी फिल्म बन गई। इस लिहाज से देखा जाए तो 14 साल बाद आमिर खान के अलावा किसी और एक्टर की फिल्म तो टॉप पर पहुंचते देखना वाकई कामल है।

दंगल ने 2017 में भारत में नेट 387 करोड़ की कमाई की थी, वहीं वर्ल्ड वाइड फिल्म का कलेक्शन कुल 2000 करोड़ था। लेकिन लोगों को एंटरटेन करने, रिकॉड्र्स क्रिएट करने और अपनी खुद की विरासत बनाने के बाद दंगल को अब शाहरुख खान की पठान ने कड़ी टक्कर दी है और उसके बराबरी में आकर खड़ी हो गई है, जहां कई लोगों को पहुंचने में काफी परेशानी हुई। हालांकि इस बीच कई फिल्में आईं और चली गईं, लेकिन दंगल की कमाई को कोई छू तक नहीं सका।

अभिनय के साथ ही फिटनेस का भी ध्यान रखती है श्रुति हासन

अपनी वर्कआउट रुटीन के दौरान एक्ट्रेस श्रुति हासन 40 से 50 मिनट तक डांस करती हैं। मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो श्रुति हासन ने एक्टिंग करियर के दौरान ही अपनी फिटनेस का ध्यान रखना शुरू किया था। वो रंनिंग करती है और इसके अलावा मसल्स को मजबूत बनाने के लिए एक्सरसाइज करती हैं। श्रुति के वर्कआउट रुटीन में कार्डियो ट्रेनिंग से लेकर योगासन तक शामिल है। वहीं एक्ट्रेस बताती हैं कि उन्हें अपने वर्कआउट में 40 से 50 मिनट डांस एक्सरसाइज करना काफी पसंद है। इससे न सिर्फ वेट कंट्रोल किया जा सकता है बल्कि स्ट्रेस भी कम होता है। एक्ट्रेस श्रुति अपने डाइट में कई पोषक चीजें शामिल करती हैं। वो अपने खाने में प्रोटीन और कार्ब लेना पसंद करती हैं जिनमें अंडे मुसली ताजे फल हरी पत्तेदार सब्जियां सलाद

सूप और ग्रिल्ड चिकन शामिल है। इनकी पसंदीदा डिश सुशी और सांभर है। इसके अलावा श्रुति खुद को हा-इड्रेट रखने के लिए खूब सारा पानी पीती हैं। नारियल का पानी का तरबूज का जूस भी उन्हें काफी पसंद है। श्रुति अपनी हेल्थ और फिटनेस को बनाए रखने के लिए वर्कआउट और डाइट के साथ स्विमिंग भी करती हैं। स्विमिंग से हार्ट प्रॉब्लम से छुटकारा मिलता है साथ ही हड्डियों से जुड़ी परेशानियों से बचने के लिए भी फायदेमंद है। बता दें रोजाना 30 मिनट तैराकी करने से 440 कैलोरी बर्न होती है। इससे शरीर में चुस्ती-फुर्ती आती है और शरीर लचीला बनता है। बता दें कि एक्ट्रेस श्रुति हासन बॉलीवुड ही नहीं साउथ इंड्रस्ट्री में भी अपना जलवा बिखेर चुकी हैं। वह अपने को फिट रखने के लिए अपनी डाइट पर तो ध्यान देती ही हैं साथ ही वर्कआउट भी करती हैं।

सूडोकु नवताल- 6339

★★★☆☆ मध्यम

			1					6
7		2		5				9
		4			2	7	5	
5	7				9		1	8
				6				
6	1		3				2	4
	5	1	9			8		
2				8		9		1
9					3			

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -6338 का हल

1	9	3	2	4	6	5	8	7
4	7	2	5	1	8	3	6	9
6	5	8	7	3	9	1	2	4
3	8	9	4	5	1	2	7	6
2	4	7	6	9	3	8	1	5
5	1	6	8	7	2	4	9	3
8	2	4	9	6	5	7	3	1
7	6	1	3	2	4	9	5	8
9	3	5	1	8	7	6	4	2

Jagrutidaur.com, Bangalore

शब्दजाल - 7086

अ	ट	र	प	ट	र	धि	क	र	प	इ
न	ग	क	म	इं	डो	ने	ह	ति	म	श्त
अ	दा	आ	र्ड	र	र	अं	ना	ह	प	फ
हु	ग	ल	मा	ज	क्ष	स	रा	ह	इ	र
ब	क्म	अ	नु	म	ति	क	र	क	त्ते	मा
द	अ	कि	र	क	दा	क	नि	र्दे	श	न
स	मा	दे	श	व	था	र	त	म	क	ग
आ	दे	श	र	न	प	य	रा	घु	ग	ला
अ	दि	ल	वा	ले	दा	र	जा	म	वी	दे
र	ज	ति	मा	हि	द	ह	ज	द	ल	र
बां	र	ल	प	रु	इ	जा	ज	त	र	म

शब्दजाल में 'आज्ञा' के 10 पर्यायवाची शब्द ढूंढिए.शब्द ऊपर से नीचे,दाएं से बाएं एंव तिरछे हो सकते हैं

आदेश, आर्डर, कहना, फरमान, समादेश, निर्देश, हिदायत, इजाजत, अनुमति, हुक्म

शब्दजाल - 7085 का हल

म	अ	मु	श	सी	ज	व	ज	ग	ल	य
रा	ज	ल	प्र	क्ल	ला	व	ना	ज	कां	ड़
य	प	आ	हे	ज	दी	ना	अ	व	प	रू
इं	नौ	बे	का	ब	वा	स	त	ल	ट	प
प	ना	ह	प्या	र	तो	हो	स	ही	था	त
अ	न	क	प	र	स्व	ल	वी	ण	ई	व
द	नु	न	न	ट्रे	रू	ड्ड	र	ज	व	र
क	र	कृ	प	क्श	प	का	र	चो	श	ख
र	व	त	ति	रा	हो	प	य	अ	रे	अ
क	र	ल	प	र्जु	ज	ता	रे	आ	प	द
क	ड	क	अ	ध	न	चि	त्र	ब	त	म

Jagrutidaur.com, Bangalore

अष्टयोग - 6039

1		3			6	
2	25		28	6	41	
	7	6				5
	38		24	4	29	
5		2		1		
	45	7	33		25	2
		5		3		1

प्रस्तुत खेल सुडोकू व जोड़ की पद्धति का मिश्रण है.खड़ी व आड़ी पंक्तियों में 1से 7 तक के अंक लिखने अनिवार्य हैं.गहरे काले वर्ग में लिखी संख्या चारों और के 8 वर्गों की संख्या का कुल योग होगी.सीधी अथवा आड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक के अंक होना अनिवार्य है.

अष्टयोग 6038 का हल

2	1	7	5	3	6	4
7	39	6	33	4	33	5
4	7	5	1	2	3	6
3	36	4	28	1	29	7
6	4	3	5	7	2	1
5	29	1	33	6	32	2
1	7	2	4	5	6	3

Jagrutidaur.com, Bangalore

राज्यसभा अध्यक्ष की कुर्सी पर बैठीं पीटी उषा, ट्वीट कर लिखा- ताकत के साथ जिम्मेदारी भी आती है

नई दिल्ली ।
महान एथलीट पीटी उषा ने सभापति और उपाध्यक्ष जगदीप धनखड़ की अनुपस्थिति में राज्यसभा की कार्यवाही की अध्यक्षता की। पीटी उषा ने अपने आधिकारिक ट्विटर हैंडल पर उस पल की एक छोटी क्लिप भी पोस्ट की और बताया कि उस समय वह क्या महसूस कर रही थीं। उन्हें जुलाई 2022 में भारतीय जनता पार्टी की तरफ से राज्यसभा सांसद नियुक्त किया गया और नवंबर में वह भारतीय ओलंपिक संघ की अध्यक्ष भी बनीं। राज्यसभा की कार्यवाही संभालने का वीडियो शेयर करते हुए पीटी उषा ने लिखा महान शक्ति में बड़ी जिम्मेदारी शामिल होती है जैसा कि फ्रैंकलिन डी. रूजवेल्ट ने कहा था। जब मैंने राज्यसभा सत्र की अध्यक्षता की तो मैंने भी यह महसूस किया। मैं अपने लोगों के मुझ पर विश्वास के साथ इस यात्रा को शुरू करती हूं और इसे मील का पत्थर बनाने की कोशिश करूंगी। पीटी उषा के इस वीडियो पर उनके फैंस और समर्थकों ने उन्हें बधाई दी। एक यूजर ने लिखा, उषा, आप पर बहुत गर्व है, आपकी आगे की यात्रा के लिए शुभकामनाएं। आगे बढ़ें और एक बार फिर इतिहास रचें। एक अन्य ने लिखा आप पर गर्व है। आप भारत की बेटियों के लिए एक प्रेरणा हैं। एक अन्य यूजर ने ट्वीट किया, असली सशक्तिकरण। शुभकामनाएं और यकीन है कि आप देश को और भी बहुत कुछ वापस देंगी। दिसंबर में पीटी उषा राज्यसभा के उपाध्यक्षों के पैनल का हिस्सा बनने वाली पहली नामांकित सांसद बनीं, जो सभापति और उपसभापति के उपलब्ध नहीं होने पर सदन की कार्यवाही का संचालन करती हैं। पय्योली एक्सप्रेस के नाम से लोकप्रिय, पीटी उषा ने एशियाई खेलों, एशियाई चैंपियनशिप और विश्व जूनियर आमंत्रण मीट सहित विभिन्न अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भारत के लिए पदक जीते हैं। उन्होंने अपने करियर के दौरान कई राष्ट्रीय और एशियाई रिकॉर्ड बनाए और तोड़े। स्टार स्प्रिंटर ने एशियाई खेलों में चार स्वर्ण पदक और सात रजत पदक जीते हैं। वह लॉस एंजिल्स 1984 ओलंपिक में महिलाओं की 400 मीटर बाधा दौड़ में एक सेकेंड के 1/100वें हिस्से से पदक हासिल करने से चूक गईं। लॉस एंजिल्स में उनका 55.42 सेकंड का समय अभी भी एक राष्ट्रीय रिकॉर्ड के रूप में कायम है।

संतोष ट्रॉफी का सेमीफाइनल और फाइनल मैच सऊदी अरब में होगा, भारतीय फुटबॉल महासंघ का एलान

भुवनेश्वर । राष्ट्रीय फुटबाल चैंपियनशिप संतोष ट्रॉफी के सेमीफाइनल और फाइनल मुकाबले एक मार्च और चार मार्च को सऊदी अरब के रियाद स्थित किंग फहद अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम में खेले जाएंगे। भारतीय राष्ट्रीय फुटबाल महासंघ के महासचिव शाजी प्रभाकरण ने कहा कि कार्यक्रम तय हो चुका है। उन्होंने कहा कि भारत के चार राज्यों की टीमों को संतोष ट्रॉफी के खिताब के लिए सऊदी अरब में खेलने का मौका मिलेगा। उन्होंने कहा कि इससे चैंपियनशिप का अंतिम दौर बेहद रोचक और प्रतियोगी बन गया है। शाजी के अनुसार 1941 के बाद यह पहला मौका है कि जब संतोष ट्रॉफी छह स्थलों पर आयोजित की जा रही है। संतोष ट्रॉफी के अंतिम दौर में 12 टीमों को दो ग्रुपों में बांटा गया था। राउंड-रोबिन आधार पर मुकाबले हुए जिसमें दोनों ग्रुप की शीर्ष दो-दो टीमें सेमीफाइनल में पहुंचने में सफल रही हैं।

न्यूज़ ब्रीफ

2025 वर्ल्ड एक्वेटिक्स चैंपियनशिप रूस से सिंगापुर हुई शिफ्ट

सिंगापुर। वर्ल्ड एक्वेटिक्स चैंपियनशिप 2025 सिंगापुर में आयोजित की जाएगी। रूस के कजान ने 2025 विश्व चैंपियनशिप की मेजबानी के लिए बोली जीती थी, लेकिन रूस के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय प्रतिबंधों के कारण अब सिंगापुर इसकी मेजबानी करेगा। वर्ल्ड एक्वेटिक्स के अध्यक्ष हुसैन अल-मुसल्लम ने कहा, वर्ल्ड एक्वेटिक्स को यह जानकर खुशी है कि 2025 के लिए हमारे मुख्य कार्यक्रम की मेजबानी इतने अच्छे हाथों में है, सिंगापुर में, धन्यवाद। सिंगापुर में वह सब कुछ है, जो हम अपने एथलीटों के साथ साझा करने की उम्मीद करते हैं, विश्व स्तरीय सुविधाएं, उच्चतम गुणवत्ता एवेंट की मेजबानी करने का अनुभव और जलीय खेलों के लिए एक व्यापक दृष्टिकोण। रिपोर्ट के अनुसार, तय तारीखों के साथ, 2025 में शोकेस इवेंट में 2,500 से अधिक एथलीटों के भाग लेने की उम्मीद है, जो वर्ल्ड एक्वेटिक्स के 209 सदस्य संघों का प्रतिनिधित्व करेंगे। जापान का फुकुओका इस जुलाई में 20वीं वर्ल्ड एक्वेटिक्स चैंपियनशिप की मेजबानी करेगा। यह टूर्नामेंट मूल रूप से 2021 में आयोजित होने वाला था, लेकिन कोविड-19 महामारी और संबंधित यात्रा प्रतिबंधों के कारण इसे दो बार स्थगित कर दिया गया। 21वीं विश्व चैंपियनशिप 2023 की गर्मियों के लिए निर्धारित की गई थी, फिर फरवरी 2024 में दोहा में होने के लिए पुनर्निर्धारित की गई थी।

मार्करम के शतक से सनराइजर्स कैपिटल्स ने जोबर्ग सुपर किंग्स को 14 रनों से हराया

सेंचुरियन। कप्तान एडन मार्करम के शानदार शतक की मदद से सनराइजर्स ईस्टर्न केप ने जोबर्ग सुपर किंग्स को 14 रनों से हरा दिया और फाइनल में जगह बनाने में कामयाब रहे। सनराइजर्स के कप्तान ने इस अवसर को अपनाया और सेंचुरियन में जोबर्ग सुपर किंग्स के खिलाफ दूसरे एसए20 सेमीफाइनल में सिर्फ 58 गेंदों पर 100 रनों की शानदार पारी खेली, जिसने ईस्टर्न केप की टीम को पांच विकेट के नुकसान पर 213 रन पर पहुंचा दिया। मार्करम ने शानदार प्रदर्शन किया। साथ ही जोबर्ग के गेंदबाज लिजाद विलियम्स ने 41 रन देकर चार विकेट झटके, जिसमें दोनों सलामी बल्लेबाज टेम्बा बावुमा (0), एडम रॉसिंगटन (6), मार्करम (100) और स्टब्बस (20) का विकेट शामिल है। सनराइजर्स ईस्टर्न केप : 213/5 (एडन मार्करम 100, जॉर्डन हरमन 48; लिजाद विलियम्स 4-36)। जोबर्ग सुपर किंग्स : 20 ओवर में 199/6 (रीजा हेंड्रिक्स 96, रोमारियो शेफर्ड 36 नाबाद; रूलोफ वैन डेर मेरवे 2-23)।

खेलो इंडिया खेलो के तहत गुलमर्ग की मखमली बर्फ पर दौड़ेंगे उत्तराखंड के स्कियर्स, कोच बोले- टीम पूरी तरह तैयार

जोशीमठ। जम्मू कश्मीर के गुलमर्ग में 10 से 14 फरवरी तक आयोजित होने वाली वाले खेलो इंडिया खेलो प्रतियोगिता के तहत उत्तराखंड की टीम जोशीमठ से गुलमर्ग के लिए रवाना हो गई है । बताया कि 11 सदस्यीय टीम गुलमर्ग में स्की माउंट ट्रेनिंग , स्नो शोइंग, आइस स्टॉक गेम्स में प्रतिभाग करेगी। गुलमर्ग में उत्तराखंड की टीम में मयंक डिमरी, जयदीप भट्ट, विकास चौहान, शालिनी राणा, आयुष भट्ट, अनुज भुजवाण, शार्दुल, रचित पंवर, ऋषभ रावत भाग ले रहे है। टीम के के कोच विकेश डिमरी ने कहा सभी खिलाड़ियों का चयन उसके बेस्ट परफॉर्मेंस के आधार पर किया गया है और सभी खिलाड़ी अपना बेस्ट प्रदर्शन देना चाहते है। उन्होंने कहा खेलो इंडिया खेलो के तहत होने वाले गेम्स में उत्तराखंड की टीम से सबसे अच्छा प्रदर्शन की उम्मीद है टीम मैनेजर डाबर सिंह ने बताया की टीम अच्छी चुनी गई है ।

टीम इंडिया को 144 की बढ़त

दूसरे दिन स्टंप्स तक स्कोर 321/7 ; रोहित का शतक, जडेजा-अक्षर की हाफ सेंचुरी

जामथा (नागपुर)।
भारत ने बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के पहले टेस्ट की पहली पारी में ऑस्ट्रेलिया पर 144 रन की बढ़त हासिल कर ली है। नागपुर के जामथा क्रिकेट स्टेडियम में चल रहे 5 दिनी मुकाबले के दूसरे दिन शुक्रवार को टीम इंडिया ने पहली पारी में 7 विकेट पर 321 रन बनाए। कप्तान रोहित शर्मा ने सबसे ज्यादा 120 रनों का योगदान दिया। जबकि रवींद्र जडेजा 66 और अक्षर पटेल ने 52 रन के निजी स्कोर पर नाबाद लौटे। कंगारू टीम की ओर से डेब्यू मैच खेल रहे टॉड मर्फी ने 5 विकेट झटके। कप्तान पैट कमिंस और नॉथन लायन को एक-एक विकेट मिला। पहले दिन ऑस्ट्रेलिया की पहली पारी 177 रनों पर समाप्त हुई थी और टीम इंडिया ने एक विकेट पर 77 रन बनाए थे। ऐसे में रोहित और अश्विन ने भारतीय पारी को आगे बढ़ाया।

अब सेशन के अनुसार देखिए दूसरे दिन का खेल

पहला : भारत ने 74 रन बनाने में दो विकेट गंवाए- दूसरे दिन का पहला सेशन भारत के नाम रहा। इस सेशन में 74 रन बनाने में दो विकेट गंवाए। रविचंद्रन अश्विन और चेतेश्वर पुजारा पवेलियन लौट गए। कंगारुओं को तीनों सफलताएं टॉड मर्फी ने दिलाईं।

दूसरा : कोहली-सूर्या आउट, रोहित की सेंचुरी - दिन के दूसरा सेशन में दोनों टीमों को मिलीजुली सफलता मिली। इसमें 75 रन बने। जबकि दो विकेट गिरे। मुकाबले की बात करें तो भारतीय टीम ने पहली पारी में कंगारुओं पर 49 रनों की बढ़त हासिल कर ली है, हालांकि कोहली और सूर्या के विकेट भी गंवाए। शतकवीर कप्तान रोहित शर्मा और रवींद्र जडेजा नाबाद पर हैं। दोनों के बीच अर्धशतकीय साझेदारी हो चुकी है। कोहली 12 और सूर्या 8 रन बनाकर आउट हुए।

रोहित बतौर कप्तान तीनों फॉर्मेट में शतक जमाने वाले पहले भारतीय - भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने 9वां टेस्ट शतक जमाया है। वे बतौर कप्तान तीनों फॉर्मेट में शतक जमाने वाले पहले भारतीय बल्लेबाज बने हैं।

दुनिया भर के बल्लेबाजों की बात करें तो रोहित से पहले तिलकरत्ने दिलशान, फॉफ डुप्लेसी और बाबर आजम ऐसा कर चुके हैं।

तीसरा : जडेजा-अक्षर के नाम रहा - दिन का तीसरा सेशन भारत बल्लेबाजों के नाम रहा। इसमें भारत ने 95 रन बनाए। टीम को दो झटके भी लगे। दिन का खेल समाप्त होने तक रवींद्र जडेजा और अक्षर पटेल अपने-अपने अर्धशतक पूरे कर चुके थे। इस सेशन में कंगारू टीम की ओर से डेब्यू मैच खेल रहे टॉड मर्फी ने 5 विकेट लिए।

ऐसे गिरे टीम इंडिया के विकेट

पहला: केएल राहुल को टॉड मर्फी ने अपनी ही बॉल पर कैच किया। दूसरा : 41वें ओवर की पहली बॉल पर टॉड मर्फी ने अश्विन को आउट कर दिया। तीसरा : टॉड मर्फी ने पुजारा को स्कॉट बोलैंड के हाथों कैच कराया। चौथा : मर्फी ने विराट कोहली को एलेक्स कैरी के हाथों कैच कराया। पांचवां : नॉथन लायन ने सूर्या को बोल्ड कर दिया। छठा : टी ब्रेक के बाद पैट कमिंस ने रोहित शर्मा को बोल्ड कर दिया। सातवां : डेब्यू मैच खेल रहे केएस भरत को एक अन्य डेब्यूटेंट टॉड मर्फी ने आउट कर दिया। एक नजर में देखिए पहले दिन का खेल 5 दिनी मुकाबले का पहला दिन भारत के नाम रहा है। टीम ने ऑस्ट्रेलिया के पहली पारी के स्कोर 177 रनों के जवाब में एक विकेट पर 77 रन बना लिए हैं। भारतीय कप्तान रोहित शर्मा 56 और रविचंद्रन अश्विन शून्य रन से अपनी पारी आगे बढ़ाएंगे। इससे पहले टॉस जीतकर पहले बैटिंग करने उतरी ऑस्ट्रेलिया टीम 63.5 ओवरों में 177 रन पर ऑलआउट हो गई। रवींद्र जडेजा ने 5 और रविचंद्रन अश्विन ने 3 विकेट लिए। वहीं, मोहम्मद शमी और मोहम्मद सिराज को एक-एक विकेट मिला। कंगारू टीम की ओर से मार्नस लाबुशेन ने सबसे ज्यादा 49 रन बनाए। स्टीव स्मिथ ने 37, एलेक्स कैरी ने 36 और पीटर हैंड्सकॉम्ब ने 31 रन की पारी खेली। 177 रन के जवाब में भारत ने दिन का खेल खत्म होने तक एक विकेट पर 77 रन बनाए। रोहित और अश्विन नाबाद रहे। वहीं, केएल राहुल 20 रन बनाकर टॉड मर्फी का शिकार हुए।

ऐसे गिरे ऑस्ट्रेलिया के विकेट

पहला : मोहम्मद सिराज ने अपने पहले ओवर की पहली बॉल पर उस्मान ख्वाजा को आउट कर दिया। दूसरा : तीसरे ओवर की पहली गेंद पर मोहम्मद शमी ने डेविड वॉर्नर को बोल्ड कर दिया। तीसरा : 36वें ओवर की 5वीं बॉल पर श्रीकर भरत ने लाबुशेन को स्टंपिंग कर दिया। जडेजा ने यह विकेट लिया। चौथा : 36वें ओवर की आखिरी बॉल पर जडेजा ने रैनशॉ को आउट कर दिया। पांचवां : स्टीव स्मिथ को जडेजा ने 42वें ओवर की आखिरी बॉल पर बोल्ड कर दिया। छठा : एलेक्स कैरी को अश्विन ने बोल्ड कर दिया। सातवां : कप्तान पैट कमिंस को अश्विन ने कोहली के हाथों कैच कराया। आठवां : जडेजा ने टॉड मर्फी को आउट कर दिया।

दोनों टीमों की प्लेइंग इलेवन...

भारत: रोहित शर्मा (कप्तान), केएल राहुल, चेतेश्वर पुजारा, विराट कोहली, सूर्यकुमार यादव, केएस भरत (विकेटकीपर), रवींद्र जडेजा, रविचंद्रन अश्विन, अक्षर पटेल, मोहम्मद शमी और मोहम्मद सिराज।

ऑस्ट्रेलिया : पैट कमिंस (कप्तान), डेविड वॉर्नर, उस्मान ख्वाजा, मार्नस लाबुशेन, स्टीव स्मिथ, मैट रैनशॉ, पीटर हैंड्सकम्ब, एलेक्स कैरी (विकेटकीपर), नाथन लायन, टॉड मर्फी और स्कॉट बोलैंड।

मयंक अग्रवाल ने खेली 249 रन की पारी

रणजी सेमीफाइनल में कर्नाटक को 400 पार पहुंचाया

बेंगलुरु/इंदौर।
रणजी ट्रॉफी सेमीफाइनल का दूसरा दिन खत्म हो चुका है। पहले दिन के शतकवीर मयंक अग्रवाल ने दोहरा शतक जड़ा। वह 249 रन बनाकर रन आउट हुए। इस पारी के दम पर उनकी टीम कर्नाटक ने पहली पारी में सौराष्ट्र के खिलाफ 407 रन बनाए। जवाब में सौराष्ट्र ने पहली पारी में 2 विकेट पर 76 रन बना लिए हैं। वहीं, दूसरे सेमीफाइनल में बंगाल की टीम पहली पारी में मध्य प्रदेश के खिलाफ 438 रन बनाकर आउट हुई। मध्य प्रदेश ने दिन का खेल खत्म होने तक दूसरी पारी में 2 विकेट पर 56 रन बना लिए हैं।

9वें विकेट के लिए अग्रवाल ने जोड़े 91 रन

कर्नाटक ने बेंगलुरु के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में दूसरे दिन 229 पर 5 विकेट के स्कोर से आगे खेलना शुरू किया। कप्तान अग्रवाल ने छठे विकेट के लिए शरथ के साथ 139 रन जोड़े। उन्होंने अपना दोहरा शतक पूरा किया और फिर 9वें विकेट के लिए विद्वत कवरेप्पा के साथ 91 रन की पार्टनरशिप की।

429 बॉल में 249 रन बनाने के बाद मयंक रन आउट हुए। उनके विकेट के साथ ही कर्नाटक 407 रन पर ऑलआउट हो गई। सौराष्ट्र से चेतन साकरिया और केडी पटेल ने 3-3 विकेट लिए।

सौराष्ट्र ने गंवाए 2 विकेट

दूसरे दिन सौराष्ट्र ने अपनी पारी शुरू की और 2 विकेट पर 76 रन बना लिए। टीम के ओपनर हार्विक देसाई

और शेल्डन जैक्सन 27-27 रन पर नाबाद हैं। जबकि ओपनर स्नेल पटेल (0) और विश्वराजसिंह जडेजा (22) पवेलियन लौट गए। विद्वत कवरेप्पा ने दोनों के विकेट चटकाए।

बंगाल ने बैकफुट पर धकेला

दूसरे सेमीफाइनल में बंगाल की टीम ने इंदौर में 307/4 के स्कोर से आगे खेलना शुरू किया। टीम ने 37 रन बनाने में आखिरी 6 विकेट गंवाए और 438 रन पर ऑलआउट हो गई। मध्य प्रदेश से कुमार कार्तिकेय को 3 विकेट मिले। वहीं, आवेश खान और गौरव यादव ने 2-2 विकेट लिए।

जवाब में मध्य प्रदेश ने दूसरे दिन का खेल खत्म होने तक 56 रन पर ही अपने 2 विकेट गंवा दिए। यश दुबे 12 और हिमांशु मंत्री 23 रन बनाकर आउट हुए। सारांश जैन (17) और अनुभव अग्रवाल (4) नाबाद हैं। बंगाल से आकाश दीप और ईशान पोरेल को एक-एक विकेट मिला। बंगाल के लिए पहले दिन अनुस्टुप मजूमदार और सुदीप कुमार घरामी ने शतक जड़ते हुए 241 रन की पार्टनरशिप की थी।

मुरली विजय ने संजय मांजरेकर की आलोचना की

नई दिल्ली।
भारत के पूर्व सलामी बल्लेबाज मुरली विजय ने खिलाड़ी से कमेंटेटर बने संजय मांजरेकर की आलोचना की। यह घटना भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच वीसीए स्टेडियम नागपुर में पहले टेस्ट के दूसरे दिन हुई जब टेलीविजन पर टेस्ट क्रिकेट में एक आंकड़ा दिखाया गया था। विजय भारत में भारतीय बल्लेबाजों की सूची में शीर्ष पर हैं, इसके बाद मोहम्मद अजहरुद्दीन, पोली उमरीगर, रोहित शर्मा और विराट कोहली हैं। सबसे ऊपर विजय का नाम देखकर मांजरेकर थोड़ा हैरान हुए और जवाब में पूर्व दाएं हाथ के बल्लेबाज ने ट्विटर के जरिए उनकी खिंचाई कर दी।

विजय ने ट्वीट किया, मुंबई के कुछ पूर्व खिलाड़ी कभी भी दक्षिणी खिलाड़ी की सराहना नहीं कर सकते!

इसके बाद मांजरेकर ने हैरानी जताते हुए कहा, वाह, विजय का एक और ट्वीट पढ़ा।

विजय ने पिछले महीने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के सभी प्रारूपों से संन्यास लेने की घोषणा की थी। भारत के लिए अपने 61 टेस्ट में, विजय ने 38.29 की औसत से 3982 रन बनाए, जिसमें 12 शतक और 15 अर्धशतक शामिल थे। 2014 के इंग्लैंड के टेस्ट दौरे में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी भी थे।

उन्होंने भारत के लिए 17 वनडे और नौ टी20 में भी भाग लिया, जिसमें क्रमश: केवल 339 और 169 रन बनाए। अपने प्रथम श्रेणी करियर में, विजय ने 135 मैच खेले, जिसमें 9205 रन बनाए, जिसमें 25 शतक और 38 अर्धशतक शामिल थे।

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में, विजय 2010, 2011 और 2018 में ट्रॉफी जीतने वाली चेन्नई सुपर किंग्स की टीम के अभिन्न सदस्य थे।

मार्टिना देवी की आदर्श हैं कुंजारानी

इंदौर।
मध्य प्रदेश में इन दिनों खेलों के महाकुंभ खेलो इंडिया यूथ गेम्स में देश भर के खिलाड़ियों का जमावड़ा है। इस दौरान हर खिलाड़ी अपने स्तर पर नया कीर्तिमान गढ़ने को आतुर है बल्कि उनकी सफलता की कहानी भी सामने आ रही हैं। ऐसी ही एक भारोत्तोलक खिलाड़ी हैं मार्टिना देवी जिनके लिए कुंजारानी आदर्श हैं। मार्टिना देवी पहले ही खेलो इंडिया यूथ गेम्स के इतिहास की सबसे बड़ी सुपरस्टार बनकर सामने आ चुकी हैं। पिछले साल पंचकुला में इस मणिपुरी भारोत्तोलक ने कुल आठ राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाए।

प्रमध्यप्रदेश में जारी खेलो इंडिया यूथ गेम्स में मार्टिना लगातार चौथी बार भाग लेने के लिए तैयार हैं और इस बार और अधिक रिकॉर्ड बनाने का लक्ष्य रखा है। लखनऊ में

स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया नेशनल सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में प्रशिक्षण लेने वाली मार्टिना ने कहा कि मैं इस बार केआईवीजी में और बेहतर करना चाहती हूं और अधिक रिकॉर्ड बनाना चाहती हूं। खेलो इंडिया पंचकुला में एक शानदार अभियान के बाद, मार्टिना ने पिछले साल हिमाचल प्रदेश के साथ मोदी नगर में खेलो इंडिया यूथ एंड वूमेन नेशनल रैंकिंग टूनार्मेंट में रिकॉर्ड बनाया था। उन्होंने नागरकोइल तमिलनाडु में वेटलिफ्टिंग नेशनल के दौरान नए रिकॉर्ड भी स्थापित किए। मार्टिना अपने पिता, जो मणिपुर के एक गांव में दुकान चलाते हैं और कुंजारानी देवी को भारोत्तोलन में उनके लिए मार्ग प्रशस्त करने का श्रेय देती हैं। मार्टिना ने कहा कि जब मैं भारोत्तोलन में जाना चाहती थी, तब मैं चौथी कक्षा में थी। कुंजरानी देवी से मुझे बचपन से ही काफी प्रेरणा मिलती थी। मेरे पापा ने मेरी इच्छा का सम्मान किया और जब मैं कक्षा पांचवीं में थी, तो उन्होंने मुझे एक वेटलिफ्टिंग स्कूल में दाखिला दिला दिया था। मैं उसके बाद से खेल और पढ़ाई में संतुलन बनाते हुए यहां तक पहुंची हूं। मार्टिना का कहना है कि वर्ष 2019 से ही उन्होंने खेल में अपना सर्वश्रेष्ठ देना शुरू कर दिया था।

जब वे कक्षा 8वीं में थीं, तभी उनके पिता ने उन्हें दूसरे स्कूल में दाखिला दिला दिया था। मार्टिना के जीवन का महत्वपूर्ण मोड़ तब आया, जब वे वर्ष 2020 में साई एनसीओई लखनऊ का हिस्सा बनीं। मार्टिना ने कहा कि लखनऊ में साई केंद्र में शामिल होने के बाद, उनका खेल अगले स्तर पर चला गया था। केंद्र में सभी ने उनकी बहुत मदद की और उन्हें जो कोचिंग और समर्थन मिला है वह असाधारण है। यूथ और जूनियर स्तर पर लगातार राष्ट्रीय रिकॉर्ड के अलावा मार्टिना ने पिछले साल 81 किग्रा वर्ग में यूथ एशियन चेम्पियनशिप ताशकंद में रजत पदक जीता था।

महिला टी-20 वर्ल्ड कप का आगाज

भारत का पहला मुकाबला पाकिस्तान के खिलाफ होगा

नई दिल्ली ।
महिला टी-20 वर्ल्ड कप के 8वें एडिशन की शुरुआत साउथ अफ्रीका में होने जा रही है। मेजबान साउथ अफ्रीका और श्रीलंका के बीच पहला मुकाबला खेला जाएगा। इंडियन विमेंस टीम अपना पहला मैच 12 फरवरी को चिर-प्रतिद्वंदी पाकिस्तान से खेलेगी। 10 टीमों का टूर्नामेंट 17 दिन तक चलेगा। आगे स्टोरी में हम टूर्नामेंट की टीमें, टाइमिंग और शेड्यूल से लेकर सभी जरूरी बातें जानेंगे। साथ ही टूर्नामेंट के कुछ अहम रिकॉर्ड्स भी देखेंगे।

17 दिन में होंगे 23 मैच

इस बार 17 दिन तक चलने वाले टूर्नामेंट में 10 टीमों को 5-5 के 2 अगल ग्रुपों में बांटा गया है। 21 फरवरी तक 10 टीमों के बीच ग्रुप स्टेज के 20 मुकाबले खेले जाएंगे। ग्रुप स्टेज के कुछ मुकाबले शाम 6:30 और कुछ रात 10:30 बजे से शुरू होंगे। दोनों ग्रुप की टॉप-2 टीमें सेमीफाइनल में पहुंचेंगी। 23 और 24 फरवरी को दोनों सेमीफाइनल के बाद 26 फरवरी को केप टाउन के न्यूलैंड्स मैदान पर फाइनल मुकाबला खेला जाएगा। सभी नॉकआउट मुकाबले शाम 6: 30 बजे से शुरू होंगे।

भारत के ग्रुप में 2 वर्ल्ड चैंपियन टीमें

इस बार टूर्नामेंट में 10 ही टीमों को रखा गया। 5 टीमों को ग्रुप-1 और बाकी 5 टीमों को ग्रुप-2 में रखा गया। टीम इंडिया एक-एक बार की चैंपियन इंग्लैंड और वेस्टइंडीज के साथ ग्रुप-2 में है। पाकिस्तान और आयरलैंड भी इसी ग्रुप में हैं। वहीं, डिफेंडिंग चैंपियन ऑस्ट्रेलिया

की टीम बांग्लादेश, न्यूजीलैंड, साउथ अफ्रीका और श्रीलंका के साथ ग्रुप-1 में है।

भारत का पहला मैच पाकिस्तान से

12 फरवरी को टीम इंडिया अपना पहला मैच पाकिस्तान से खेलेगी। केप टाउन में ही भारत का मैच शाम 6:30 बजे से शुरू होगा। 15 फरवरी को वेस्टइंडीज, 18 फरवरी को इंग्लैंड और 20 फरवरी को आयरलैंड से भारत के बाकी मैच होंगे। सभी मैच शाम 6: 30 बजे से शुरू होंगे। इंडिया विमेंस टीम हरमनप्रीत कौर की कप्तानी में उतरी है। हरमनप्रीत की ही कप्तानी में टीम इंडिया ने 2020 में पिछला टूर्नामेंट खेला था। तब टीम फाइनल में पहुंची थी, लेकिन ऑस्ट्रेलिया से हारकर खिताब नहीं जीत सकी थी। हरमनप्रीत की ही कप्तानी में टीम ने पिछले महीनों बर्मिंघम कॉमनवेल्थ गेम्स का फाइनल भी खेला था। ऐसे में टीम इस बार खिताब जीतने की प्रबल दावेदार भी मानी जा रही है। महिला टी-20 वर्ल्ड कप 2009 में पहली बार खेला गया। इंग्लैंड में खेले गए इस टूर्नामेंट को मेजबान इंग्लैंड ने ही जीता। 2009 के बाद 2010 में टूर्नामेंट हुआ, इसे ऑस्ट्रेलिया ने जीता। तब से हर 2 साल में टूर्नामेंट खेला जाता है। पिछला टूर्नामेंट 2020 के दौरान ऑस्ट्रेलिया में खेला गया। इसे ऑस्ट्रेलिया ने ही जीता था।

ऑस्ट्रेलिया 5 बार की चैंपियन

ऑस्ट्रेलियन विमेंस टीम टी-20 वर्ल्ड कप इतिहास की सबसे सफल टीम है। टीम ने 7 में से 5 बार खिताब जीता है। 2010, 2012 और 2014 में खिताबी हैट्रिक बनाने के बाद टीम ने 2018 और 2020 में भी टाइटल जीता।

दर्द को ठीक कर सकता है एल्यूमीनियम फॉयल

एल्यूमीनियम फॉयल का इस्तेमाल अक्सर खाने को पैक करने के लिए करते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि नियमित रूप से एल्यूमीनियम फॉयल का इस्तेमाल खाने को रैप करने के अलावा कुछ स्वास्थ्य समस्याओं के उपचार के लिए किया जा सकता है। जी हां यह बात एक नए शोध से सामने आई है कि एल्यूमीनियम फॉयल के इस्तेमाल से शरीर के किसी भी अंग में होने वाले दर्द को दूर किया जा सकता है। आइए इसके बारे में हम विस्तार से बताते हैं।

दर्द के लिए एल्यूमीनियम फॉयल

अगर आपके गर्दन, पीठ, कंधे, घुटने या पैरों में दर्द है, तो दर्द वाले हिस्से में एल्यूमीनियम फॉयल का इस्तेमाल करें। आप देखेंगे कि समय की एक निश्चित अवधि के बाद आपका दर्द गायब हो जाएगा। एल्यूमीनियम फॉयल में चिकित्सिय गुण होते हैं और अक्सर चीनी और रूसी चिकित्सकों द्वारा इसका इस्तेमाल किया जाता है।

फॉयल से कैसे करें उपचार?

एल्यूमीनियम फॉयल का एक टुकड़ा लेकर, दर्द वाले जगह लगाकर उस पर बैंडेज बांध दें। एल्यूमीनियम फॉयल गर्दन, पीठ, हाथ, पैर, जोड़ों और इसी तरह के दर्द के इलाज के लिए उत्कृष्ट होता है। इसके अलावा यह गठिया और निशान के इलाज के लिए भी इस्तेमाल किया जा सकता है।

एंटी-इंफ्लेमेंटरी गुण से भरपूर

एल्यूमीनियम फॉयल में बहुत अधिक मात्रा में एंटी-इंफ्लेमेंटरी गुण होते हैं। गाउट का इलाज करते समय फॉयल के टुकड़े को निशान पर लगाना या अंगूठे पर लपेटकर बैंडेज बांधना जरूरी होता है। चीनी चिकित्सकों का विश्वास है कि यह इलाज कम से कम 10 से 12 घंटे के लिए किया जाना चाहिए। शरीर के दर्दनाक हिस्से पर एल्यूमीनियम फॉयल लगाकर रात भर के लिए छोड़ देना चाहिए। फिर 1 से 2 सप्ताह का ब्रेक लेने के बाद यदि आवश्यक हो तो इलाज को दोहराना चाहिए।

एल्यूमीनियम फॉयल जुकाम में भी मदद करता है

जुकाम होने पर भी आप एल्यूमीनियम फॉयल का इस्तेमाल कर सकते हैं। इसके लिए 5-7 परतों में फॉयल को अपने पैर पर लपेटें और प्रत्येक परत के बीच कागज और पतला सा कपड़ा लगाए। इसे कुछ घंटों के लिए ऐसे ही रहने दें। दो घंटे के बाद इसे निकाल कर रीसेट करें। फिर से कुछ देर के लिए इसे ऐसे ही रहने दें। उपचार को तीन बार दोहराया जाना चाहिए।

पाइल्स से परेशान हैं तो इनसे रखें परहेज

पाइल्स जिसे बवासीर के नाम से भी जाना जाता है, एक ऐसी समस्या है जिसे लेकर लोग काफी परेशान रहते हैं। क्योंकि इस समस्या के बारे में लोग बात करने में सहज नहीं हैं, यह और भी परेशानी पैदा करती है। कई बार तो ठीक हो जाने के बाद भी यह समस्या दोबारा हो जाती है। हांलाकि पाइल्स का सही इलाज और परहेज कर काफी हद तक इससे होने वाली तकलीफों से बचा जा सकता है। खासतौर पर इसके साथ खान-पान और दिनचर्या को संयमित रखना बेहद जरूरी होता है।

अधिक तेल युक्त व मसालेदार भोजन

अत्यधिक तेल व मसालेदार भोजन आपके लिए हानिकारक हो सकता हैं खासतौर पर पाइल्स की समस्या में ये काफी नुकसान पहुंचाते हैं। डॉक्टर इस तरह के भोजन से बचने की सलाह उन लोगों को भी देते हैं, जिन्हें पाइल्स नहीं भी होता है। वहीं मसालों का बहुत ज्यादा सेवन आपको इस बीमारी ये ग्रस्त बना सकता है, और यदि आप पहले से ही मरीज हैं, तो यह आपकी समस्या को बदतर बना सकता है। इसके अलावा किसी भी प्रकार की मिर्च भी न खाएं।

फास्ट फूड से बचें

पाइल्स से पीड़ित लोग फास्ट फूड से जितना हो सके, दूरी बनाएं रखें। फास्ट फूड खाने के बजाए आप, फलों या कुछ खास सब्जियों जैसे-पत्तागोभी, चुकंदर, टमाटर आदि को अपने भोजन में शामिल कर सकते हैं, जो काफी फायदेमंद होते है और इस समस्या से निजात पाने में भी सहायक होते हैं।

राजमा व मसूर आदि दालें

राजमा-चावल व दाल-चावल आदि के शौकीन लोगों को यदि पाइल्स हो तो इस शौक से कुछ वक्त के लिए तौबा कर लेनी चाहिए। क्योंकि राजमा व मसूर जैसी बीन्स व दालों का सेवन पाइल्स के रोगियों के लिए बेहद नुकसानदायक होता है।

घी

वैसे तो संतुलित मात्रा में देशी घी आपके शरीर के लिए लाभदायक होता है, लेकिन कई बार इसका सेवन पाइल्स के रोगियों की समस्या को बढ़ा सकता है। इसीलिए घी का सेवन तभी करें, जब यह आपको ये सूट करता हो। लेकिन फिर इसका अधिक सेवन न करें। इसके अलावा पाइल्स होने पर चाय, कॉफी, कोल्ड ड्रिंक और बाहरी पेय पदार्थ न पीएं। हमेशा घर का बना हुआ खाना ही खाएं। किसी भी तरह के मांसाहारी भोजन (मांस, मछली, अंडा, समुद्री भोजन) का सेवन न करें और ना ही मांसाहारी पेय जैसे सूप आदि का सेवन ही करें।

कैंसर से बचना है तो अच्छे से करें दांतों की सफाई

शोधकर्ताओं का दावा है कि दांतों की अच्छी तरह सफाई नहीं करने से कैंसर होने का खतरा बढ़ जाता है। शोधकर्ताओं ने पाया कि दांतों में अधिक गंदगी या बैक्टीरिया और 13 साल से कम उम्र में कैंसर से होने वाली मौतों के बीच गहरा संबंध है। जिनके दांतों और मसूड़ों की सतह पर अधिक बैक्टीरिया जमा होता है, उनमें समय से पहले मौत का खतरा 80 फीसदी बढ़ जाता है।

बीमारी बढ़ने से रोक सकती है दालचीनी

भोजन बनाने में इस्तेमाल होने वाली दालचीनी पार्किंसन के रोग को बढ़ने से रोकने में मददगार है। दालचीनी का इस्तेमाल इस बीमारी के दौरान बायोकैमिकल, कोशिकीय और संरचनात्मक परिवर्तनों को बदल सकता है। सदियों से दालचीनी का इस्तेमाल व्यापक रूप से एक मसाले के रूप में दुनिया भर में किया जाता है पार्किंसन से ग्रस्त रोगियों में इस बीमारी को रोकने के लिए सबसे सुरक्षित तरीकों में से एक हो सकता है।

लड़कों को क्यों करना चाहिए योग

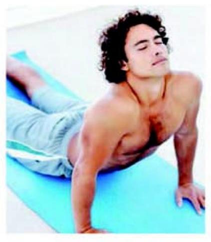

योगा, विश्व को आज के शहरीकरण के दौर में स्वस्थ रखने का रामबाण इलाज है योग सभी के लिए है और इसका नियमित अभ्यास करने से सभी प्रकार की बीमारियां दूर होती हैं। यह न केवल बीमारियों से बचाता है बल्कि नियमित योग करने से शरीर मजबूत होता है। लड़कों को योग क्यों करना चाहिए, इससे उनको क्या-क्या फायदा होगा। इस लेख में इसके बारे में चर्चा करते हैं।

शरीर को बनाए लचीला

प्राकृतिक तौर पर लड़कियों का शरीर लड़कों के शरीर की तुलना में अधिक फ्लेक्सिबल होता है। इसलिए उम्र बढ़ने पर लड़कियों की तुलना में लडकों को रीढ़ या पीठ के दर्द की समस्या अधिक होती है। इन दर्द से छुटकारा पाने का एक ही इलाज है योगा।

लड़के योगा कर अपने शरीर को फ्लेक्सिबल बना सकते हैं और रीढ़ या पीठ से संबंधित दर्द से छुटकारा पा सकते हैं। उन लड़कों के लिए तो योग ब्रह्मास्त्र का काम करता है जो ऑफिस में नौ घंटे बैठ कर काम करते हैं।

शरीर को मजबूत बनाएं

अब आप सोच रहे होंगे की योग करके कैसे ताकतवर बना जा सकता है।

ठीक है आप पुशअप करते हैं, डम्बल उठाते हैं। लेकिन ऐसा करने मात्र से ही अपने आप को ताकतवर ना समझे और अगर ताकतवार समझ रहे हैं तो पैर की उंगलियों में पांच मिनट के लिए खड़ें हो जाएं। अपनी सारी ताकत का अंदाजा आपको इन पांच मिनटों में हो जाएगा। जबकि योग करने के दौरान ये पांच मिनट आपको ताकतवर भी बनाएंगे और शारीरिक व मानसिक तौर पर चुस्त-दुरूस्त करेंगे।

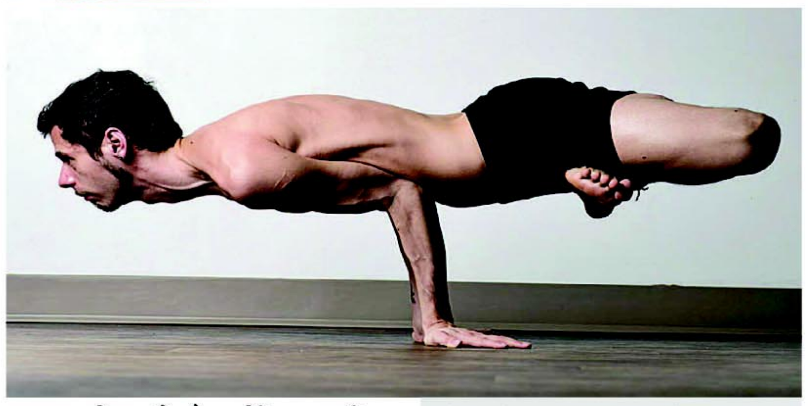

तरो-ताजा रखेगा

योग सामान्य तौर पर सुबह-सुबह किया जाता है जिससे आप खुद को प्रकृति के नजदीक महसूस करेंगे। जो आपको पूरे दिन तरोताजा बनाए रखेगा और मानसिक तौर पर शांत बनाएगा। इससे चेहरे पर निखार आएगी और तनाव कम करेगा।

योग के अन्य फायदे

- योग आपकी बुद्धि को तेज और शार्प बनाता है। साथ ही आपकी आत्मनियंत्रण की शक्ति तेज होती है।
- संयमी और आहार-विहार में मध्यम मार्ग का अनुकरण करने वाला बनाता है।
- बीमारियों से शरीर को दूर रखता है। श्वसन क्रिया को नियमन करता है।

बड़े-बड़े गुणों से है भरपूर छोटी इलायची

इलायची का सेवन आमतौर पर मुख को शुद्ध करने के लिए अथवा मसाले के रूप में किया जाता है। हरी या छोटी इलायची मिठाइयों में खुशबू को तो बढ़ाती ही है साथ ही उसके स्वाद को भी लजीज बनाती है।अत्यधिक सुगन्ध और स्वाद की वजह से इसका इस्तेमाल न केवल अलग-अलग व्यंजनों में बल्कि यह हमारे स्वास्थ्य के लिए भी लाभदायक है।

छोटी इलायची के फायदे

- गर्मियों में धूप में निकलने से पहले छोटी इलायची को मुंह में डाले,यह हमें लू से बचाती है।
- छोटी इलायची खाने से गले का दर्द और गले में पैदा हो रही खराश से भी राहत मिलती है और अगर गले में सूजन हो तो छोटी इलायची को पीसकर,मूली के रस में मिलाकर इसका सेवन करने से सूजन कम होने लगती है।
- छोटी इलायची को पीसकर शहद के साथ थोड़ा-थोड़ा खाने से यूरीन इंफैक्शन ठीक हो जाता है।
- छोटी इलायची पेट में बनी एसिडिटी को भी खत्म करने में सहायता करती है।
- छोटी इलायची,तुलसी के पत्ते,अदरक का पेस्ट बनाकर खाने से सर्दी-खांसी और छींक से छुटकारा मिलता है।
- छोटी इलायची, सौंफ, मिश्री तीनों को पीसकर मिला लें। रोज सुबह इस मिश्रण का सेवन, दूध के साथ करने से आंखो की दृष्टि बढ़ती है ।
- छोटी इलायची में एंटीआक्सीडेंट होता है,जिससे हमारे चेहरे में जल्दी झुर्रियां नहीं पड़ती और चेहरे में चमक बनी रहती है।
- छोटी या हरी इलायची मिठाइयों की खुशबू बढ़ाती है। मेहमानों की आवभगत में भी इलायची का इस्तेमाल होता है।
- छोटी इलायची को पीसकर माथे पर लगाने से सिरदर्द भी ठीक होता है।
- इलायची व्यंजनों की खुशबू तो बढ़ाती ही है और साथ ही व्यंजनों को लजीज बनाने के लिए एक मसाले के रूप में प्रयुक्त होती है।

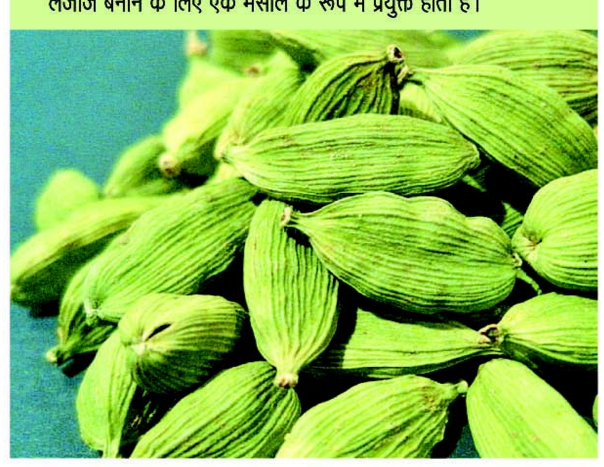

सर्दी के मौसम में खूब खाएं हरी मटर

भोजन में हरी मटर का यदि आप इस्तेमाल करते हैं तो आपको इसके कई फायदे हो सकते हैं। सर्दी के मौसम में हरी मटर की उपलब्धता आसानी से हो जाती है। हरी मटर सेमटर पनीर, मटर पुलाव, आलू मटर, मटर के कटलेट्स और न जाने ऐसी कितनी ही मुंह में पानी लाने वाली चीजें बनती हैं। लो कैलोरी और ढ़ेर सारे पोषक तत्वों वाली इस सब्जी को खाने से कई सारे लाभ होते हैं।

वजन घटाने के लिए सबसे अच्छी चीजें वो रहती हैं जिनमें कैलोरी कम होती है लेकिन पोषक तत्व ढेर सारे होते हैं। और मटर ये शर्त पूरी करती है, इसलिए वजन घटा रहे लोगों को इसे जरूर खाना चाहिए। 1 कप मटर में 118 कैलोरी होती हैं।

मटर में नियासिन होता है जो बैड कॉलेस्ट्रॉल को कम करता है, जो कि दिल की बीमारियों की बड़ी वजह है। इसके अलावा, मटर में काफी ज्यादा एंटीऑक्सीडेंट्स होते हैं जो आपके ब्लड वेसल और आर्टरीज को ब्लॉक होने से रोकते हैं। मटर का सूप पीने से ब्लड प्रेशर कम किया जा सकता है। जब आपको कब्ज की समस्या हो तो याद रखें कि आपको ऐसी चीजें खानी चाहिए जिनमें फाइबर अधिक हो, इससे बोवेल मूवमेंट्स साफ रहते हैं। मटर में अधिक मात्रा में फाइबर होता है, इसलिए ये आपको इस समस्या में फायदा पहुंचा सकती है।

वायु प्रदूषण से बच्चों को एलर्जी का खतरा

बढ़ता प्रदूषण हर दिन जीवन लिए खतरा बनता जा रहा है। एक शोध में बताया गया है जीवन के पहले एक साल तक बाह्य वायु प्रदूषण के संपर्क में आने से भोजन, मिट्टी, पालतू जानवरों और कीटों से एलर्जी होने का खतरा ज्यादा होता है। शैशवावस्था के दौरान यातायात संबंधी वायु प्रदूषण के संपर्क में आने से बच्चे एलर्जी के कारकों के प्रति संवेदनशील हो सकते हैं। जीवन के पहले वर्ष के दौरान वायु प्रदूषण और एलर्जी संवेदीकरण के बीच संबंध का पता लगाने के लिए यह पहला अध्ययन है। मुलायम बालों वाले पालतू जानवरों के साथ रहने वाले बच्चों को एलर्जी कारकों के प्रति संवेदीकरण नहीं होने की संभावना ज्यादा होती है। यदि यह समझ में आए जाए के शुरुआती जीवन में किस तरह के पर्यावरणीय संपर्क में आने से एलर्जी होती है, तो बच्चों के लिए बचाव के उपाय किए जा सकते हैं।

जो बच्चे दिन में देखभाल पाते हैं और जो अपने भाई-बहनों के साथ घर में रहते हैं, उनमें एलर्जी के प्रति संवेदनशीलता होने की संभावना अपेक्षाकृत कम थी। शोधकर्ताओं ने 2,477 बच्चों से प्राप्त डेटा का प्रयोग किया और और जन्म के एक साल में त्वचा की एलर्जी के परीक्षणों से प्राप्त परिणामों को आंकलन किया। उन्होंने कुत्ते, बिल्ली, धूल, कॉकरोच, फफूंद, दूध, अंडा, सोया और मूंगफली सहित दस एलर्जी कारकों के प्रति संवेदनशीलता का परीक्षण किया।

ब्लड में हीमोग्लोबिन के स्तर को बढ़ाने के तरीके

खाने में पोषक तत्वों की कमी के कारण ब्लड में हीमोग्लोबिन का स्तर घटता है। खाने में आयरन की कमी के कारण यह इसका स्तर घटता है। खाने में आयरन और प्रोटीन से भरपूर तत्वों को शामिल करके हीमो ग्लोबिन का स्तर बढ़ाया जा सकता है। किड्नी की ज्यादातर समस्यायें हीमोग्लोबिन के स्तर के कारण होती हैं। जब किड्नी एरीथ्रोप्रोटीन का उत्सर्जन कम मात्रा में करता है तो यह समस्या आती है। एरीथ्रोपोटीन एक प्रकार का हार्मोन है जो लाल रक्त-कणिकाओं के निर्माण में सहायक होता है। शरीर में हीमोग्लोबिन का सामान्य स्तर पुरुषों में 14-18ग्रा, महिलाओं में 12-16ग्रा, मापा जाता है। हीमोग्लोबिन की कमी से खून में आक्सीजन वहन की क्षमता कम हो जाती है। जिसके कारण लाल रक्त-कणिकाओं की संख्या कम हो जाती है और एनीमिया हो जाता है। यदि शरीर में हीमोग्लोबिन का स्तर कम रहता है तो गुर्दा रोग, खून की कमी, कैंसर जैसी बीमारियां होने की संभावना होती है। हीमोग्लोबिन का स्तर कम होने से चक्कर आना, त्वचा का पीला होना, सुस्ती छाना जैसी समस्याएं होती हैं।

आहार के द्वारा

हीमोग्लोबिन को बढ़ाने में सबसे ज्यादा योगदान खान-पान का होता है। हीमोग्लोबिन बढ़ाने वाले आहार निम्न हैं

चुकन्दर: इसमें आयरन के तत्व ज्यादा मात्रा में होते हैं। यह खून में हीमोग्लोबीन का निर्माण व लाल रक्तकणों की सक्रियता को बढ़ाता है। चुकंदर से ज्यादा लौह तत्व इसकी पत्तियों में होता है।

अमरूद: अमरूद जितना ज्यादा पका हुआ होगा, उतना ही पौष्टिक होगा। पके अमरूद को खाने से शरीर में हीमोग्लोबीन की कमी नहीं होती।

आम और सेब: आम खाने से हमारे शरीर में रक्त अधिक मात्रा में बनता है, एनीमिया में यह फायदेमंद होता है। सेब एनीमिया जैसी बीमारी में लाभकारी होता है। सेब खाने से शरीर में हीमोग्लोबीन बनता है।

अंगूर: अंगूर में भरपूर मात्रा में आयरन पाया जाता है। जो शरीर में हीमोग्लोबीन बनाता है। इसके अलावा अंगूर हीमोग्लोबीन की कमी से होने वाली बीमारियों को ठीक करने में सहायक होता है।

तुलसी: तुलसी रक्त की कमी को कम करता है। तुलसी के नियमित सेवन से शरीर में हीमोग्लोबीन की मात्रा बढ़ती है।

हरी सब्जियां: शरीर में हीमोग्लोबीन बढ़ाने के लिए ज्यादा से ज्यादा हरी सब्जियां को अपने भोजन में शामिल करना चाहिए। इसके अलावा तिल, पालक, अंडा, नारियल, गुड़, जामुन, नाशपाती, दलिया आदि खाने से हीमोग्लोबिन की मात्रा बढ़ती है।

हर्ब्स के द्वारा

हर्बल दवा भी हीमोग्लोबिन का स्तर बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। ये जड़ी बूटियां निम्न हैं

विथेनिया: हीमोग्लोबिन का स्तर बढ़ाने के लिए इसका इस्तेमाल बहुत पहले से किया जा रहा है। यह लाल रक्त-कणिकाओं कोशिकाओं में सुधार करता है। इसके अलावा यह शरीर को ऊर्जा प्रदान करता है, नर्वस सिस्टम को नियंत्रित करता है।

डांग क्वी: इसका प्रयोग चीन में मासिक धर्म के दौरान लाल-रक्त कणिकाओं को बढ़ाने के लिए इसका प्रयोग किया जाता था।

नेटल लीफ: इसमें सभी विटामिन और मिनरल्स पाए जाते हैं। इसमें ज्यादा मात्रा में आयरन, विटामिन-बी, विटामिन-ई, कैल्शियम, मैग्नीशियम, पोटैशियम, जिंक आदि पाया जाता है, जो हीमोग्लोबिन के स्तर को बढ़ाता है।

रेसिपी

भरवां पनीर चिली पकोड़ा

सामग्री

12 मध्यम आकार की भावनगरी मिर्च, लंबाई में चीरा लगी और बीज निकाली हुई, भरावन मिश्रण के लिए, 1 कप कसा पनीर, 1 1/2 टी-स्पून अदरक-हरीमिर्च का पेस्ट, 1 टी-स्पून अमचूर, 1 चुटकी हल्दी,1 1/2 टेबल-स्पून बारीक कटा हरा धनिया, नमक , स्वाद अनुसार, **घोल के लिए,** 1/2 कप बेसन, 1/2 कप चावल का आटा, 1 चुटकी हल्दी, 1 टी-स्पून लाल मिर्च पाउडर, 1/2 टी-स्पून अजवायन, 1 टी-स्पून गरम तेल, नमक , स्वाद अनुसार, अन्य सामग्री, तेल तलने के लिए,**परोसने के लिए,** स्वीट एण्ड सॉर डिप

विधि

भरावन मिश्रण के लिए, एक बाउल में सारी सामग्री डालकर अच्छी तरह से मिला लीजिए और 12 बराबर भागों में बांटकर एक तरफ रख दीजिए।

घोल के लिए, एक बाउल में सारी सामग्री डालकर पर्याप्त पानी की सहायता से मुलायम घोल बना लीजिए। एक तरफ रख दीजिए।

कैसे आगे बढ़ाए , प्रत्येक मिर्च को भरावन मिश्रण के एक भाग से भर लीजिए। मिर्च को घोल में डुबोकर गरम तेल में चारो तरफ से भूरा होने तक तल लीजिए। शेष बची सामग्री के साथ यही प्रक्रिया दोहराते हुए बाकी 11 पकौड़े बनाइए। तेल सोखनेवाले कागज पर निकालिए और हॉट एण्ड सार डिप के साथ गरमा गरम परोसिए।

क्रीमी मॅकारोनी

सामग्री

1 कप उबली हुई मॅकारोनी, 1 1/2 कप हल्के उबले हुए ब्रोकली के फूल, 2 टेबल-स्पून मक्खन, 1 टी-स्पून बारीक कटा हुआ लहसुन, 1 टेबल-स्पून कटा हुआ ताजा बेसिल, 1 कप दूध, 1/4 कप फ्रेश क्रीम

1/2 कप कसा हुआ प्रोसेस्ड चीज, नमक और ताजी पिसी काली मिर्च, स्वादअनुसार

विधि

एक चौड़े नॉन-स्टिक पैन में मक्खन गरम करें, लहसुन डालकर मध्यम आंच पर कुछ सेकन्ड तक भून लें। ब्रोकली डालकर मध्यम आंच पर 2-3 मिनट तक भून लें। बेसिल, दूध, क्रीम और चीज डालकर अच्छी तरह मिला लें और बीच-बीच में हिलाते हुए, मध्यम आंच पर 1 से 2 मिनट तक पका लें। नमक और काली मिर्च डालकर मध्यम आंच पर 1 मिनट तक पका लें। मॅकारोनी डालकर, बीच-बीच मे हिलाते हुए, मध्यम आंच पर 1 से 2 मिनट तक पका लें। तुरंत परोसें।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए पी.जी. इंडिया लिमिटेड एमआईई, कालापहाड़, गुवाहाटी-16 से मुद्रित एवं गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 • कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम • फोन : 0361-2960054 (संपादकीय) e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, (सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)